दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

मजबूरी.....

खेती किसानी करने को रेडी.....

वर्ष : 10 अंक : 255 लखनऊ, 26 अगस्त, सोमवार 2024 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए

जन्माष्टमी पर्व परंपरागत भक्तिभाव से मनाये जाने के सीएम योगी ने दिए निर्देश

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्माष्टमी पर्व से पूर्व सभी रिजर्व पुलिस लाइन, पुलिस थानों एवं कारागारों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व परंपरागत भक्तिभाव से मनाए जाने के निर्देश दिए हैं। रविवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया कि ह्यह्यजन्माष्टमी के अवसर पर पूरे प्रदेश में घरों और मंदिरों के साथ-साथ पुलिस थानों, कारागारों और पुलिस लाइन में भी भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव पूरे हर्षोल्लास और भक्तिभाव से मनाया जाएगा।

योगी ने प्रदेशभर में कृष्णलीला, झांकी और शोभायात्रा के आयोजनों के दौरान वहां सुरक्षा, सफाई व अन्य व्यवस्थाएं सुचारु रूप से करने के आदेश दिए हैं। इसके अतिरिक्त भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के भी निर्देश दिए हैं। योगी के निदेर्शों का अनुपालन करते हुए उत्तर प्रदेश कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा के महानिदेशक पीवी रामा शास्त्री ने प्रदेश के समस्त कारागारों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को परंपरागत रूप से मनाए जाने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने जन्माष्टमी पर्व को लेकर रविवार को अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश जारी किया है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा एवं धूम-धाम से मनाया जाता है, जिसमें सम्मिलित होने के लिए देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। मथुरा नगर में स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि/शाही ईदगाह मस्जिद स्थल अत्यन्त संवेदनशील है। यह स्थल आईएसआई व विभिन्न आतंकवादी संगठनों के निशाने पर भी है। इसको देखते हुए भी विशेष सतर्कता एवं पुलिस बल का समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिये गये हैं।

बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना, शोभायात्रा के दौरान किसी भी तरह के विवाद की स्थिति न बने, इसको लेकर भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विवादित स्थलों पर

झांकियों को सजाने, शोभायात्रा के मार्ग को लेकर अक्सर विवाद देखने को मिलते हैं। इसके लिए उन्होंने सतर्कता बरतने की हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा को देखते हुए वीडियोग्राफी कराई जाए, सभी कार्यक्रम स्थलों के आसपास तथा शोभायात्रा के मार्ग पर स्थित सीसीटीवी कैमरों को कियाशील किया जाए और महत्वपूर्ण संवेदनशील स्थलों पर ड्रोन कैमरे से निगरानी रखी जाए।

योगी ने निर्देश दिए कि समस्त जनपदों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से संबंधित समस्त आयोजन, लीला स्थल, पंडाल, मंदिर एवं शोभायात्राओं को सूचीबद्ध कर योजनाबद्ध तरीके से पुलिस की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि समस्त आयोजनों में आने वाले श्रद्धालुओं की संभावित संख्या का आंकलन करते हुए सुदृढ़ सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी नई परंपरा की अनुमति कदापि न दी जाए। योगी ने कहा कि अधीनस्थ कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं कि वे अपनी बीट में जाकर सभी प्रकार के विवाद की जांच करें और अधिकारी सूचना मिलते ही मौके पर जाकर विवाद को समय रहते हल कराएं। उन्होंने जवाबदेही तय करते हुए यह भी कहा कि प्रातः गश्त करने वाला दल सघन जांच करके सुनिश्चित करे कि कहीं पर कोई आपत्तिजनक पोस्टर न लगा हो।

उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग समस्त सुरक्षा व्यवस्था के अतिरिक्त यह भी सुनिश्चित करे कि यह पवित्र त्योहार परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास व शालीनता के साथ मनाया जाए। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर किसी भी प्रकार का अशोभनीय कार्यकम न आयोजित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित पुलिस आयुक्त, जनपद प्रभारी एवं सेनानायक इस संबंध में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों का पूर्व में अवलोकन करें और प्रत्येक स्तर पर सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार का अशोभनीय एवं अश्लीलतापूर्ण संवाद अथवा नृत्य न होने पाए।

आदित्यनाथ ने एकीकृत पेंशन योजना, विज्ञान धारा को मंत्रिमंडल की मंजूरी की सराहना की

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने शनिवार को कहा कि एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को केंद्रीयमंत्रिमंडल की मंजूरी से देश को आर्थिक सुरक्षा का आश्वासन और उज्ज्वल भविष्य मिला है। मुख्यमंत्री ने विज्ञान धारा योजना कोमंत्रिमंडल की मंजूरी की भी सराहना की और कहा कि इस पहल से देश में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा मिलेगा तथा विज्ञान में लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा। बायोई3 नीति को मंजूरी देने केमंत्रिमंडल के एक अन्य निर्णय का स्वागत करते हुए उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह नीति अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप को समर्थन देने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिससे हमें जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। यूपीएस को मंजूरी देने केमंत्रिमंडल के फैसले की सराहना करते हुए आदित्यनाथ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 140 करोड़ देश वासियों के जीवन को सुगम बनाने हेतु सतत समर्पित आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में आज केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को दी गई मंजूरी अभिनंदनीय है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों को लाभांवित करता यह युगांतरकारी निर्णय उनके जीवन में आर्थिक सुरक्षा और सुखद भविष्य की सुनिश्चितता का नया सूर्योदय लेकर आया है। आपका हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी! केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक जनवरी 2004 के बाद सेवा में शामिल होने वाले 23 लाख सरकारी कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत वेतन का 50 प्रतिशत हिस्सासुनिश्चित पेंशन के रूप में दिए जाने को शनिवार को मंजूरी दी।

मौसम

अधिकतम तापमान 43.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 81,332.72

निफ्टी 24,834.85

संक्षिप्त समाचार

असम में दो बांग्लादेशियों को पकड़ा गया और उनके देश भेजा गया: हिमंत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि भारत में अवैध रूप से दाखिल हुए बांग्लादेश के दो नागरिकों को असम में पकड़ा गया और फिर उन्हें वापस उनके देश भेज दिया गया। शर्मा ने बताया कि दोनों बांग्लादेशियों को बदरपुर रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया और शुक्रवार रात उन्हें वापस बांग्लादेश भेज दिया गया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, असम पुलिस ने बदरपुर रेलवे स्टेशन पर दो बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। बांग्लादेश के दोनो नागरिकों की पहचान मॉडलगंज थाना क्षेत्र के निवासी मासूम खान और ढाका निवासी सोनिया अख्तर के रूप में हुई है। शर्मा ने बताया कि वे कथित तौर पर माधोपुर (बांग्लादेश)-अगरतला मार्ग से भारत में घुसे थे और बेंगलुरु जाने वाले थे।

उप्र: बिजनौर में इंजन से अलग हो गयीं ट्रेन की कुछ बोगी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

बिजनौर जिले में रविवार को धनबाद जा रही एक यात्री ट्रेन की कुछ बोगियां इंजन से अलग हो गईं और पीछे रह गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) धर्म सिंह मार्छाल ने पत्रकारों को बताया, ह्यह्यसुबह करीब चार बजे कुछ तकनीकी समस्या के कारण धनबाद जा रही एक ट्रेन की कुछ बोगियां इंजन और अन्य बोगियों से अलग हो गईं। उन्होंने बताया कि ट्रेन को स्योहारा रेलवे स्टेशन पर रोका गया है। अधिकारी ने बताया कि किसी भी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है।

भारतीय नौसेना का युद्धपोत मुंबई 26 अगस्त को श्रीलंका की पहली यात्रा करेगा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, भारतीय नौसेना का पोत मुंबई श्रीलंका की तीन दिन की अपनी पहली यात्रा पर सोमवार को कोलंबो बंदरगाह पहुंचेगा। भारतीय उच्चायोग ने यह जानकारी दी। उच्चायोग ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भारतीय नौसेना के अग्रिम पंक्ति के युद्धपोत आईएनएस मुंबई का श्रीलंकाई नौसेना पारंपरिक रूप से अगवानी करेगी। विज्ञप्ति के अनुसार, यह आईएनएस मुंबई की श्रीलंका के किसी भी बंदरगाह की पहली यात्रा है और इस साल भारतीय जहाजों की आठवीं बंदरगाह यात्रा होगी। कोलंबो में रुकने के दौरान, यह पोत श्रीलंकाई नौसेना कर्मियों के लिए एक परिचय यात्रा का आयोजन करेगा, जिसका उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच सर्वोत्तम परंपराओं को साझा करना है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि पोत श्रीलंकाई नौसेना के साथ खेल कार्यक्रम, योग और समुद्र तट की सफाई जैसी संयुक्त गतिविधियां भी करेगा। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 22 जनवरी 2001 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया स्वदेश निर्मित आईएनएस मुंबई 29 अगस्त को श्रीलंका से रवाना होगा।

पीएम मोदी ने विकसित भारत के लिए बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले युवाओं से राजनीति में आने का आह्वान किया

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि सामूहिक प्रयासों से बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले युवाओं को राजनीति में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिये स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जिस तरह की भावना लोगों ने दिखाई थी विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उसे फिर से दिखाने की जरूरत है। मोदी ने अपने मासिक मन की बात रेडियो कार्यक्रम में कहा कि उनकी ओर से स्वतंत्रता दिवस पर बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले एक लाख युवाओं के राजनीति में शामिल होने के आह्वान पर व्यापक प्रतिक्रिया मिली है और कुछ युवाओं ने कहा है कि वंशवाद की राजनीति नयी प्रतिभा को दबा देती है। उन्होंने कहा, इस साल मैंने लाल किले से बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले एक लाख युवाओं को राजनीतिक व्यवस्था से जोड़ने का आह्वान किया है। मेरी इस बात पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इससे पता चलता है कि कितनी बड़ी संख्या में हमारे युवा, राजनीति में आने को तैयार बैठे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन युवाओं को बस सही मौके और सही मार्गदर्शन की तलाश है। मोदी ने कहा, इस विषय पर मुझे देशभर के युवाओं के पत्र भी मिले हैं। सोशल मीडिया पर भी इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। लोगों ने मुझे कई तरह के सुझाव भेजे हैं। कुछ युवाओं ने अपने पत्रों में लिखा है कि ये वाकई उनके लिए अकल्पनीय है। अपने दादा या माता-पिता के पास राजनीतिक विरासत न होने के कारण वे चाहकर भी राजनीति में चाहकर भी नहीं आ पाते थे। उन्होंने कहा कि कुछ युवाओं ने लिखा है कि उनके पास जमीनी स्तर पर काम करने का अच्छा अनुभव है और इसलिए वे लोगों की समस्याओं को सुलझाने में मददगार बन सकते हैं। उन्होंने कहा, कुछ युवाओं ने यह भी लिखा है कि परिवारवादी राजनीति नयी प्रतिभाओं का दमन कर देती है। कुछ युवाओं ने कहा कि ऐसे प्रयासों से हमारे लोकतंत्र को और मजबूती मिलेगी।

नशे के कारोबार को ध्वस्त करने का अमित शाह ने बताया तरीका

कहा- टॉप टू बॉटम और बॉटम टू टॉप अप्रोच अपनानी होगी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि मादक पदार्थों का अवैध कारोबार ना केवल भारत के लिए चुनौती है, बल्कि यह एक अंतरराष्ट्रीय समस्या है। उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प एवं रणनीति के साथ देश इस समस्या से पार पा सकता है। शाह ने आज नवा रायपुर के एक होटल में छत्तीसगढ़ में मादक पदार्थों के परिदृश्य पर एक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ लड़ाई में सफलता प्राप्त करने के लिए मादक पदार्थों का पता लगाने, नेटवर्क को नष्ट करने, अपराधी को हिरासत में लेने और नशे के आदी लोगों का पुनर्वास करने के चार सूत्रों पर जोर दिया।

शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक देश को नशा मुक्त बनाने का संकल्प किया है, जब देश की आजादी का 100 वां वर्ष मनाया जाएगा। धीरे-धीरे यह संकल्प 130 करोड़ आबादी का संकल्प बन गया है। मेरा मानना है कि नशा मुक्त भारत का संकल्प एक समृद्ध, सुरक्षित और गौरवशाली भारत बनाने में बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, अवैध मादक पदार्थों का कारोबार ना केवल

भारत के लिए एक चुनौती है, बल्कि यह एक अंतरराष्ट्रीय समस्या है। मेरा मानना है कि देश में लोगों को इसके प्रति जागरूक करने की ज्यादा जरूरत है। अगर हम दृढ़ संकल्प और रणनीति के साथ लड़े तो हम यह लड़ाई जीत सकते हैं। मुझे कहने में झिझक नहीं है कि कई देश इसके खिलाफ अपनी लड़ाई हार चुके हैं।

शाह ने कहा, मादक पदार्थों के अवैध व्यापार का उद्देश्य ना केवल युवाओं को बर्बाद करना है बल्कि मादक पदार्थों के व्यापार से उत्पन्न अवैध धन का उपयोग राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में भी किया जाता है। यह हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी है कि कतई बर्दाश्त नहीं करने (जीरो टॉलरेंस) की नीति के साथ देश को नशा मुक्त बनाया जाए।

केंद्रीय मंत्री ने छत्तीसगढ़ में मादक पदार्थों के उपयोग पर भी चिंता व्यक्त की और कहा, छत्तीसगढ़ में मादक पदार्थों के दुरुपयोग का प्रतिशत 1.45 है जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। छत्तीसगढ़ की सीमा ओड़िशा और आंध्र प्रदेश सहित सात राज्यों से लगती है, जहां से मादक पदार्थों की तस्करी की जाती है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 4.98 प्रतिशत गांजे का नशे के लिए उपयोग किया जाता है जो राष्ट्रीय औसत 2.83 प्रतिशत से अधिक है, जो हमारे लिए चिंता का विषय है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ड्रग तस्कर अपना तरीका बदल रहे हैं और प्राकृतिक दवाओं से सिंथेटिक दवाओं की ओर जा रहे हैं, जिससे सबसे अधिक नुकसान होता है।

वायुसेना का विमान नेपाल में सड़क दुर्घटना में मारे गए 25 भारतीयों के शव लेकर महाराष्ट्र पहुंचा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, भारतीय वायुसेना का एक सैन्य परिवहन विमान शनिवार को नेपाल के भरतपुर से 25 भारतीय तीर्थयात्रियों के शव लेकर महाराष्ट्र के जलगांव पहुंचा। काठमांडू से लगभग 115 किलोमीटर दूर नेपाल के तनहुन जिले में शुक्रवार को एक बस दुर्घटना में इन भारतीयों की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में 27 भारतीयों की मौत हो गई तथा दो लोगों के शव उत्तर प्रदेश के महाराजगंज ले जाये जायेंगे। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, महत्वपूर्ण मानवीय सहायता के आह्वान पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, भारतीय वायुसेना ने नेपाल में सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले 25 भारतीय नागरिकों के शव हवाई मार्ग से लाने के लिए सी-130जे विमान तैनात किया। इसमें कहा गया है, शवों को भरतपुर (नेपाल) से जलगांव (महाराष्ट्र) ले जाया गया। भारतीय वायुसेना शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है। भारतीय तीर्थयात्री 10 दिवसीय दौरे पर नेपाल आए थे। इस दुर्घटना में 16 अन्य घायल भी हुए हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार मध्य नेपाल में एक भारतीय पर्यटक बस शुक्रवार को राजमार्ग से पलटकर 150 मीटर नीचे तेज बहाव वाली मर्स्यांगदी नदी में गिर गई थी।

बीएसएफ ने पंजाब में सीमा पार से ड्रोन के प्रवेश को रोकने के लिए अतिरिक्त बटालियन की मांग की

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

जालंधर/नयी दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने मादक पदार्थ और गोलाबारूद के साथ पाकिस्तान की ओर से पंजाब की सीमा में ड्रोन के प्रवेश को रोकने के लिए एक अतिरिक्त बटालियन तैनात करने की मांग की है। बीएसएफ के पास वर्तमान में, पंजाब की पाकिस्तान से लगी 500 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा की रक्षा के लिए लगभग 20 बटालियन हैं, जिनमें से 18 सीमा पर सक्रिय रूप से तैनात हैं, जबकि बाकी को अमृतसर में अटारी एकीकृत जांच चौकी और गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक में करतारपुर गलियारे की आवश्यकताओं के मद्देनजर तैनात किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पंजाब की पाकिस्तान से लगी सीमा पर 2019-20 के आसपास शुरू हुआ ड्रोन का खतरा अमृतसर और तरनतारन सीमावर्ती जिलों में अधिक बना हुआ है। उन्होंने बताया कि पंजाब सीमा को बेहतर ढंग से सुरक्षित करने के लिए बीएसएफ की एक और बटालियन मांगी गई है। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध केंद्रीय गृह मंत्रालय के विचारार्थ है। बीएसएफ के पंजाब फ्रंटियर के महानिरीक्षक अतुल फुलजेले ने हाल में कहा था कि पाकिस्तानी सीमा से मादक पदार्थ स्थल मार्ग के बजाय अब ड्रोन के माध्यम से हवाई मार्ग से पंजाब भेजे जा रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष अब तक सुरक्षा एजेंसियों द्वारा 120 से अधिक ड्रोन बरामद किए गए हैं, जबकि 2023 के दौरान ऐसे 107 ड्रोन जब्त किये गए थे। पंजाब और दिल्ली के अधिकारियों के अनुसार, बीएसएफ पंजाब की सीमा पर नदी क्षेत्रों की प्रभावी सुरक्षा के लिए और अधिक कर्मियों की तैनाती चाहता है।

कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर मायावती का तंज

दोनों पार्टियों को 'दोगली सोच' वाला बताया

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने प्रयागराज में आयोजित संविधान सम्मान सम्मेलन को लेकर कांग्रेस एवं समाजवादी पार्टी (सपा) पर रविवार को तंज कसते हुए उन्हें दोगली सोच वाले दल बताया और लोगों से उनके चाल और चरित्र को लेकर सजग रहने को कहा। उन्होंने साथ ही कहा कि उनकी पार्टी सपा एवं कांग्रेस जैसे दलों के साथ अब किसी भी चुनाव में कोई गठबंधन नहीं करेगी।

मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक?स पर लिखा, कल (शनिवार) प्रयागराज में संविधान सम्मान समारोह करने वाली कांग्रेस पार्टी को बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर के अनुयायी कभी माफ नहीं करेंगे। कांग्रेस ने संविधान के मुख्य निमार्ता बाबा साहेब को उनके जीते-जी एवं

उनके देहांत के बाद भी भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित नहीं किया।

मायावती ने कहा, बाबा साहेब के अभियान को गति देने वाले मान्यवर श्री कांशीराम का देहांत होने पर भी इसी कांग्रेस ने केंद्र में अपनी सरकार के रहते उनके सम्मान में एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया और न ही तत्कालीन सपा सरकार ने राजकीय शोक घोषित किया। इनकी ऐसी दोगली सोच, चाल, चरित्र से जरूर सजग रहें।

पूर्व मुख्यमंत्री ने जातिगत जनगणना मामले में सवाल उठाते हुए कहा, केंद्र में भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के सत्ता आने से पहले कांग्रेस ने अपनी सरकार में राष्ट्रीय जातिगत जनगणना क्यों नहीं कराई थी जबकि अब वह इसकी बात कर रही है, जवाब दें? बसपा हमेशा ही इसकी पक्षधर रही है, क्योंकि यह कमजोर वर्गों के हित में बहुत जरूरी है। राष्ट्रव्यापी जातिगत जनगणना की मांग पर जोर देते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा था कि देश के 90 प्रतिशत लोग व्यवस्था से बाहर हैं और उनके हित में कदम उठाये जाने की जरूरत है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा था, कांग्रेस के लिए जातिगत जनगणना नीति निर्माण की बुनियाद है ह्व मायावती ने कहा, इतना ही नहीं, संविधान के तहत एससी/एसटी (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति) को मिले आरक्षण में अब वर्गीकरण व क्रीमी लेयर के जरिये इसे निष्प्रभावी बनाने व खत्म करने की चल रही साजिश के विरोध में कांग्रेस, सपा व भाजपा आदि ने चुप्पी साध रखी है। क्या यही इनका दलित प्रेम है, सचेत रहें।

बसपा प्रमुख ने कहा, सपा व कांग्रेस आदि जैसी इन आरक्षण विरोधी पार्टियों के साथ अब किसी भी चुनाव में कोई गठबंधन करना क्या एससी, एसटी व ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) के हित में उचित होगा। यह कतई नहीं होगा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक की आपत्तिजनक टिप्पणियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था कि सार्वजनिक रूप से दिये गये इस वक्तव्य के लिए विधायक पर मानहानि का मुकदमा होना चाहिए।

आयुर्वेद का चमत्कार नेत्र तर्पण एवं अक्षी तर्पण

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नई दिल्ली में प्रतिदिन हजारों रोगियों को आयुर्वेद पद्धति के द्वारा विभिन्न असाध्य रोगों से निजात पाने का मार्ग संस्था की डायरेक्टर डॉक्टर तनुजा मनोज नेसरी के नेतृत्व में कुशल डॉक्टरों की टीम द्वारा दिखाया जाता है। इसी क्रम में अपना अनुभव आपसे साझा करती हूं। कई गंभीर बीमारियों का इलाज और कोरोना के बहुत से साइड इफेक्ट के परामर्श हेतु मेरी मुलाकात डॉक्टर अनंत रमन शर्मा से हुई । सिर में दर्द और आंखों की समस्या के लिए उन्होंने मुझे आयुर्वेद की एक नई चिकित्सा पद्धति से परिचित कराया ₹नेत्र तर्पण₹।

आज की भाग दौड़ भरी तकनीकी युक्त जिंदगी में प्रदूषण, डाइट में पोषण की कमी और बढ़ता स्क्रीन टाइम, ये तीनों मिलकर हम सबकी आंखों को कई तरह के नुकसान पहुंचा रही हैं। डॉक्टर अनंत रमन ने बताया नेत्र तर्पण विशेष रूप से आंखों के स्वास्थ्य को बनाए रखने और रोगों से बचाव के लिए अपनाया जाता है। आंखों में रेटिना संबंधी समस्या, कंप्यूटर विजन सिंड्रोम, मस्कुलर डिजेनेरेशन, आंखों के इन्फेक्शन, ड्राय आई सिंड्रोम, डूपी आईलिड आदि कई रोगों में इस थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है।

आंखों की समस्याओं को दूर करने में आयुर्वेद में कई उपचार व थेरेपीज का जिक्र है पर बहुत ही आसानी से सर्वशुलभ नेत्र चिकित्सा की है एक विधि है। उनके द्वारा भेजे जाने पर मैं अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नई दिल्ली में शालाक्य विभाग में कार्यरत सीनियर टेक्नीशियन उदित नारायण आजाद से मिली। उदित नारायण ने इस बारे में बताया कि शालाक्य तंत्र आयुर्वेद की वह शाखा है जो हंसली के ऊपर होने वाले रोगों के निदान और प्रबंधन से संबंधित है। जैसे कि आंख, कान, नाक, गला, सिर और गर्दन के रोगइत्यादि का निदान करते हैं। क्योंकि मुझे यह चिकित्सा पहली बार करनी थी तो इसके बारे में उन्होंने बहुत ही सरलता से पूरी विधि समझाई नेत्र तर्पण थेरेपी में आंखों को एक तरल पदार्थ से तृप्त करने का काम करते हैं पहली बार सुनने पर थोड़ा अजीब लगता है क्योंकि आंखें बहुत ही संवेदनशील होती हैं। परंतु साधारण शब्दों में अनुभवी टेक्नीशियन उदित ने इस विधि को समझा दिया उन्होंने बताया नेत्र तर्पण मूलतः दो संस्कृत शब्दों से बना है: ₹नेत्र₹ का अर्थ है आंखें और ₹तर्पण₹ का अर्थ है पुनर्जलीकरण। इस आयुर्वेदिक उपचार में घी का उपयोग किया जाता है, जो कि शुद्ध मक्खन है। घी थकी हुई, तनावग्रस्त, निर्जलित आंखों और अव्यवस्थित दृष्टि के लिए एक उपचारक है। घी में कई औषधियों को मिलाया जाता है जो रोग की प्रकृति के अनुसार अलग-अलग होती हैं। इस औषधीय घी में कई ऐसे एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो थकी हुई व तनावग्रस्त आंखों की अवस्था से निजात दिलाने

में सहायक होते हैं। नेत्र तर्पण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें आंखों के चारों ओर पाउडर माशा पेस्ट से या विशेष प्रकार के आटे से बने गोलाकार फ्रेम लगाए जाते हैं। फिर गुनगुना औषधीय ₹घी₹ (दोष के अनुसार) फ्रेम में डाला जाता है।माशा पेस्ट के फ्रेम के भीतर बंद आँखों पर डाला जाता है। रोगी को बीच-बीच में अपनी आँखें खोलने और बंद करने का निर्देश दिया जाता है ताकि द्रवित घृत के औषधीय गुणों को सोखने की अनुमति मिल सके। बीमारी की गंभीरता के आधार पर यह तय होता है कि घृत को आँखों पर कितनी देर तक रहना चाहिए।नेत्र तर्पण आँखों को ठंडा, चिकना और पुनर्जीवित करता है।नेत्र तर्पण मोतियाबिंद, अनिद्रा, ग्लूकोमा और नेत्रश्लेष्मलाशोथ के प्रारंभिक लक्षणों को ठीक करने में भी मदद करता है। इस चिकित्सा पद्धति के बारे में पूर्ण रूप से जानकर लगातार होने वाले सर में दर्द आंखों की थकान और आंखों के दर्द के निदान हेतु चिकित्सा की इस पद्धति से अपना उपचार करवाया । ध्यान रखिएगा यह उपचार किसी प्रशिक्षित आयुर्वेदिक चिकित्सक या टेक्नीशियन द्वारा किया जाना चाहिए।जिसमें लखनऊ के निवासी उदित नारायण आजाद जो आयुर्वेदिक संस्थान नई दिल्ली में टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत हैं और कई वर्षों से काम करने का अनुभव और हाथों में अनुभव का जादू के साथ बहुत ही कुशलतापूर्वक नेत्र तर्पण को विधि पूर्वक समझाते हुए घृत के माध्यम से मेरी आंखों का इलाज किया। सबसे पहले नियत समय पर अपने निर्धारित बेड पर रोगी के आते ही एक विशेष प्रकार के पेस्ट से आंखों के चारों तरफ गोल घेरा बना दिया जाता है ताकि घी एक बूंद भी बाहर ना निकल सके इसके बाद गुनगुना घी इस आटे में दीवाल के अंदर डाला जाता है और बड़ी ही शांतिपूर्ण और आराम की स्थिति शरीर को ढीला छोड़ दिया जाता है पलकों को पचास, सौ और इसी प्रकार प्रतिदिन बढ़ते हुए क्रम में खोलने और बंद करने का अभ्यास कराया जाता है।औषधीय मिश्रण और घृत का प्रकार भी वात, पित्त और कफ के अनुसार अलग-अलग होता है। इसके बाद चेहरे और आंखों की मसाज दी जाती है एक विशेष प्रकार का लिक्विड नाक में डाला जाता है जो क्रमशः डाले जाने वाली बूंदों के बढ़ते हुए क्रम में आपकी सभी एलर्जी की समस्याओं का निदान कर देता है। पांच से सात दिनों के इस क्रम को करने के बाद बहुत ठंडी हवा और ठंडे पानी से बचाव किया जाता है।इसके बाद लगातार बढ़ने वाले आंखों के नंबर से , सिर के दर्द से और आंखों के विभिन्न प्रकार के रोगों से आपको निजात मिल जाती है हल्का-फुल्का चश्मा का नंबर तो उतर ही जाता है मायोपिया और पास के नंबर भी कांस्टेंट हो जाते हैं। सुनकर थोड़ा अजीब लगता है पर जब यह चिकित्सा उदित नारायण व टीम के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुई तो लगभग मुझे भी उन सभी बीमारियों से निजात मिल गई। कोरोना के बाद से स्वाद और खुशबू की लगातार सर में दर्द और अन्य समस्याएं जो साइड इफेक्ट के रूप में आ गई थी उनसे काफी हद तक निजात मिल गई। आपके साथ भी अगर इस प्रकार की समस्या है तो आयुर्वेद की इस विशेष शाखा और विशेष पद्धति का लाभ अखिल भारतीय आयुर्वैदिक संस्थान नई दिल्ली में जाकर के प्राप्त कर सकते हैं।

संक्षेप

सदिग्धं परिस्थितियों में किशोरी लापता,मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया उसकी 17वर्षीय नाबालिग बेटी 20अगस्त को देर रात सदिग्धं परिस्थितियों में लापता हो गयी,काफी खोजबीन के बाद भी लापता बेटी का कुछ पता नही चल सका है।पिता ने गांव के एक लड़के पर नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर साथ ले जाने का आरोप भी लगाया है।इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया पीड़ित पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लापता किशोरी की तलाश शुरू कर दी गयी हैं।

राशन लेने गए होटल संचालक से मारपीट,मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर के परवर पश्चिम निवासी सौरभ सिंह ने माती निवासी अमन शुक्ला, सूरज, प्रशांत सिंह, और चार अन्य लोगों के खिलाफ गाली गलौज और मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सौरभ सिंह का कहना है बीपी 23 अगस्त को रात 10:00 बजे अपने होटल बंद करके राशन लेने के लिए गौरी रोड नटकुर के पास चौरसिया होटल के पास साइड में अपनी बाइक खड़ी करके राशन ले रहा था।तभी नशे में धुत बाइक में सवार तीन से चार लोग आए और मेरी बाइक के पास अपनी बाइक से गिर गए।मैंने सोचा कि मेरी बाइक में खरोच आई होगी।मैने अपने साथी सत्यम गौड़ व विक्रम सिंह राठौर से कहा कि गाड़ी में टूटफुट तो नहीं हो गई।इतने पर बाइक सवार लोगों ने गाली गलौज देने के साथ ही ईट और पत्थर से मुझे मारने पीटने लगे। तभी मेरे साथी ने 112 पर कॉल किया तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फौरन वहां से भाग निकले। और इसी बीच मेरा फोन ,सोने की चेन ,होटल के विक्री के 9000 हजार रुपए छीन लिए।सौरभ सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराकर उचित कार्यवाई करने की मांग की है।

गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी का आरोप,मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर के परवर पश्चिम निवासी संतोष कुमार ने यहीं के रहने वाले सुजीत राजपूत और अभिजीत राजपूत के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।संतोष कुमार का कहना है बीपी 24 अगस्त को सुजीत राजपूत और अभिजीत राजपूत रात्रि 10:00 बजे शराब के नशे में आकर मुझसे गाली गलौज करने साथ मारने पीटने लगे। तभी मेरा छोटा भाई शुभम, बचाने आया।तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले।जिसपर मेरे सिर पर चोट आई है। फिलहाल बिजनौर पुलिस संतोष कुमार की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

चोरों ने एक ही रात में दो गांवों से लाखों के जेवरात व नकदी समेट ले गए

दोनों गांवों में हुई चोरी की घटना से दहशत का माहौल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बीती रात दो अलग-अलग गावों से बेखौफ शातिर चोरों ने दो घरों को निशाना बनाते हुए दोनों घरों से लाखों का माल पार कर फरार हो गए।पीड़ितों ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध थाने पर शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र की ग्राम मवईकलां और महबूब खेड़ा गांव से अज्ञात चोरों ने दो घरों का निशाना बनाकर ग्राम मवई निवासी रामचन्द्र उर्फ पप्पू के घर के पड़ोस में नन्हा का निमार्णाधीन मकान पड़ा है। बेखौफ चोरों ने नन्हा के घर में बनें पिलर के सहारे रामचन्द्र की छत पर चढ़ घर में घुस कमरे में रखा बक्शा उठा ले गये। वह बक्सा घर से करीब सौ मीटर दूरी पर लल्लन मौर्य के बाग में पड़ा मिला। और रामचन्द्र के घर से चोरों ने सोने का हार, मांगबेंदी, दो जोड़ी सोने की झुमकी, एक अंगूठी, नथुनी व चांदी के हांथफूल, करधनी , एक जोड़ी पायजेब, एक जोड़ी पायल सहित 30 हजार की नकदी लेकर शातिर चोर फरार हो गए। वहीं इसी क्रम में बगल के गांव महबूबखेड़ा निवासी सुखराम के घर को निशाना बनाया उसके घर से चोरों ने कमरे में रखें बक्से का ताला तोड़ उसमें रखें सोने की दो चेन, दो जोड़ी झाला, एक जोड़ी टप, एक जोड़ी झुमकी, एक व 5 पत्ता के सोने के दो माला, चांदी की एक जोड़ी पायल, दो जोड़ी बिछिया, एक चेन, एक जोड़ी पात सहित 6 हजार रुपयों की नकदी लेकर फरार हो गए। बेखौफ शातिर चोरों अलग-अलग दोनों घरों से करीब 7 लाख रुपयों के जेवरात व नकदी चोरों ने पार कर फरार हो गए। दोनों पीड़ितों ने रहीमाबाद थाने पर लिखित तहरीर देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। वहीं दोनों गांवों में हुई चोरी से दहशत का माहौल है. लोगों को चोरी का डर सता रहा है। इस संबंध में रहीमाबाद एसओ अनुभव सिंह ने बताया कि मिली दोनों तहरीरों पर अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर टीमें गठित कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

बेखौफ चोरों ने पुलिस को दि खुला चुनौती, हवाई फायरिंग कर हुए फरार

बंथरा थाना क्षेत्र की घटना, पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा इलाके के नारायणपुर गांव में शनिवार की चोरों ने धावा बोलकर तीन घरों को निशाना बनाया, हजारों की नकदी सहित लाखों के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया यही नही कई राउंड फायरिंग भी की लेकिन किसी तरह की जनहानि नही हुई।

बंथरा थाना क्षेत्र की हरौनी चौकी अन्तर्गत नारायणपुर गांव में शनिवार की रात करीब डेढ़ बजे दाखिल हुए चोरों ने सुजीत सिंह के घर को निशान बनाया, पीड़ित ने बताया कि परिवार के साथ घर के बाहर वाले कमरे में सो रहा था रात करीब डेढ़ बजे आंख खुली तो बाहर निकलना चाहा तो दरवाजा बाहर से बन्द था।लेकिन जब कई बार प्रयास किया तो दरवाजा खुल गया। देखा की घर के मेन दरवाजे की कुंडी कटी हुई है। अंदर जाकर देखा तो कमरे में रखी अलमारी का लॉकर काट कर 10 हजार रुपए नकदी सहित लाखों रुपए के जेवरात पार कर दिया।

वही गांव के निवासी श्याम सिंह के घर में पीछे दीवार के सहारे चढ़ कर छत के दरवाजे की कुण्डी तोड़कर घर में दाखिल हुए कमरे में रखी बैग से 10000 रूपए नकद लेकर फरार हो गए।

वही करुणेश सिंह के घर में छत के रास्ते दाखिल होकर कमरे में रखे बक्सा को खोलकर 10000 रूपए सहित लाखों रुपए के जेवरात उठा ले गए। इसके बाद अब्दुल रज्जाक के घर को चोरों ने निशाना बनाना चाहा लेकिन सफलता न मिली तो फायर करते हुए मौके से भाग निकले। तत्काल भारी पुलिस बल के साथ थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का जायजा लिया।

युवक ने एक चोर से किया संघर्ष

नारायणपुर गांव निवासी अब्दुल रजाक के घर को चोरों ने निशाना बनाना चाहा बाहर का दरवाजा खोलकर घर के अंदर दाखिल हुए तो पत्नी रेशमा की आंख खुल गई उसे चोरों की आहट मिली तो बेटे इरफान को आवाज दी इतने में चोर दरवाजे से बाहर निकला तो उसका बैग गिर गया इरफान बाहर निकलते ही चोर को दबोच लिया चोर के हाथ में अवैध हथियार था उसने इरफान से कहा कि छोड़ दो नहीं तो गोली मार दूंगा कहते ही चोर ने जमीन में फायर झोंक दी गोली चलने से इरफान डर गया और चोरों को छोड़ दिया करीब 20झ20 मीटर की दूरी पर चोर ने दो बार फायर की, इरफान अकेला था इस बात का फायदा उठाकर चोर मौके से भाग निकले, जांच पड़ताल में 315 बोर का एक जिन्दा कारतूस सड़क पर पड़ा मिला जिसे पुलिस ने कब्जे में लिया।

चोरों ने पुलिस पर भी की फायर

घटना की सूचना पाकर हरौनी चौकी प्रभारी नीरज सिंह, व उपनिरीक्षक अरविन्द यादव, कांस्टेबल देवेन्द्र कुमार, मौके पर पहुंचे। और उच्च अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। उपनिरीक्षक अरविंद यादव कांस्टेबल देवेंद्र कुमार चोरों की तलाश में हरौनी मोहान रोड़ से सादुल्लाह नगर की तरफ बढ़े तो रौतापुर मोड़ के आगे पांडे आटा चक्की के पास खड़े पीपल के पेड़ के पास कुछ लोग होने की आहट मिली जिस पर उप निरीक्षक ने गाड़ी खड़ी कर चोरों का पीछा करना चाह तो चोरों ने पुलिस पर भी करीब दो राउंड फायर कर मौके से फरार होने में कामयाब हो गए। एक ही गांव में कई घरों में एक साथ घटना को अंजाम देना किसी एक व्यक्ति का काम नहीं, अंदाजा लगाया जा रहा है कि आधा दर्जन से अधिक लोगों ने घटना को अंजाम दिया है। पुलिस ने पीड़ितों की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर पूरे घटनाक्रम की जांच पड़ताल कर रही है।

वहीं पुलिस लूट डकैती जैसी कोई भी घटना से साफ इंकार किया है। और ना ही पुलिस के ऊपर कोई फायरिंग हुई है चोरों ने गांव के बाहर अपने बचाव के लिए हवाई फायरिंग किया है। और पुलिस की सर्विलांस टीम सहित चार टीम लगा कर मामले की गहनता से जांच पड़ताल कर रही है।

डकैती और पुलिस पर फायरिंग की घटना से साफ इनकार कर किया है। थाना प्रभारी का कहना है कि मामला चोरी का है। फायरिंग के मामले में थाना प्रभारी ने बताया कि घटना के दौरान चोरों ने किसी के घर में फायरिंग नहीं की और ना ही किसी ने उनका कोई विरोध किया। बल्कि यह फायरिंग बाहर हुई है, जब ग्रामीणों ने बदमाशों का पीछा किया। फिलहाल मामले की रिपोर्ट दर्ज कर चोरों का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके लिए सर्विलांस और क्राइम ब्रांच सहित तीन टीमें बनाई गई हैं और

यूपी के आंगनबाड़ी केंद्रों में रखे जाएंगे एजुकेटर

मिलेगा 10 हजार मानदेय, सभी जिलों में होगी भर्ती

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन परिषदीय स्कूलों में संचालित किए जा रहे 10,684 को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों में ईसीसीई (बाल्यावस्था की देखभाल व शिक्षा) एजुकेटर रखे जाएंगे। संविदा पर रखे जाने वाले इन एजुकेटर्स को 10,313 रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा, जिसमें पीएफ और ईएसआई भी शामिल होगा। आउटसोर्सिंग के माध्यम से होने वाली इस इस भर्ती की संविदा अवधि 11 माह की होगी। प्रदेश के सभी 75 जिलों में संविदा के आधार पर होने वाली इस भर्ती के संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है।

परिषदीय स्कूलों के परिसरों में 10,684 आंगनबाड़ी केंद्रों संचालित किए जा रहे हैं। प्रत्येक केंद्र में एक ईसीसीई एकजुकेटर की संविदा के आधार पर रखा जाएगा। एजुकेटर के लिए वही पात्र होंगे जिन्होंने यूजीसी से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक परीक्षा गृह विज्ञान मुख्य विषय के साथ न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। आरक्षित वर्ग को न्यूनतम अंकों में पांच प्रतिशत की छूट दी जाएगी। नर्सरी अध्यापक शिक्षा, एनटीटी, सीटी नर्सरी, डीपीएसई का कम से कम दो वर्ष की अवधि का डिप्लोमा या समक्ष योग्यता वाले भी एजुकेटर के लिए पात्र होंगे। आवेदनकर्ता की आयु एक जुलाई 2024 को 40 वर्ष से अधिक नहीं होंनी चाहिए। एजुकेटर के दायित्व भी तय किए गए हैं। इसके तहत इन्हें तीन से छह वर्ष के बच्चों को औपचारिक शिक्षा के लिए तैयार करना होगा।

आपका विधायक - आपके द्वार' बना महाभियान, केवल जनसुनवाई ही नहीं, संवाद, सम्मान और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन भी

सरोजनीनगर : रहीम नगर पड़ियाना में लगा 85वां 'आपका विधायक, आपके द्वार', सुनीं गईं जनसमस्याएं, मेधावियों को किया गया सम्मानित

रहीमनगर पड़ियाना मजरा पिपरही के 4 मेधावियों को डॉ. राजेश्वर सिंह ने प्रदान की साइकिल

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा जनता के लिए उपलब्धता, उनसे सीधे तौर पर संवाद तथा उनकी समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए साप्ताहिक तौर पर लगने वाले 'आपका विधायक, आपके द्वार' जनसुनवाई शिविर अब एक महाभियान का रूप ले रहा है। इस शिविर के आने वाली जनता की समस्याएं व सुझाव सीधे तौर पर डॉ. राजेश्वर सिंह के संज्ञान में आता है।

विधानसभा क्षेत्र के रहीम नगर पड़ियाना, मजरा पिपरही में 85वां 'आपका विधायक, आपके द्वार' जनसुनवाई शिविर का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचें। शिविर में जनता के बीच पहुंची विधायक की टीम उनकी समस्या के समाधान के लिए सक्रिय दिखी, टीम के सदस्यों ने जनता से सहजतापूर्वक संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं।

शिविर में प्राप्त सभी समस्याओं के त्वरित व यथोचित निस्तारण का आश्वासन दिया गया। साथ ही विधायक डॉ राजेश्वर सिंह द्वारा क्षेत्र में कराये जा रहे विकास कार्यों से भी ग्रामीणों को अवगत कराया गया।

शिविर के दौरान 'गांव की शान' पहल के अंतर्गत इंटरमीडिएट परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 2 मेधावियों ज्योति देवी (81.8%) एवं सोनाली यादव (76.66%) और हाईस्कूल परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 2 मेधावियों मनीष पाल (62.6%) एवं रंजीत कुमार (61.8%) को साइकिल, घड़ी और प्रशस्तिपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।साथ ही विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की ओर से भाजपा जिलामंत्री आशू शुक्ला, सुभाष पासी, बूथ अध्यक्ष सोनू तिवारी, गोविंद नारायण शुक्ला, ग्राम प्रधान पिपरही सूरज पाल, उमा शंकर मिश्रा, अमृत लाल रावत, चंदा, मोहम्मद जुबैर, रामदेई, मोहनलाल गौतम एवं मेवालाल यादव को सम्मानित भी किया गया।इस दौरान विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के प्रयासों से स्थापित 'ताराशक्ति निःशुल्क रसोई' के माध्यम से उपस्थित क्षेत्रवासियों को ताजा व पौष्टिक भोजन भी उपलब्ध कराया गया।

मोहनलालगंज में तीसरे दिन1433 अभ्यर्थियो ने दी पुलिस भर्ती परीक्षा

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज में सिपाही भर्ती परीक्षा के बने दो केन्द्रो पर तीसरे दिन 1433अभ्यर्थियो ने दी परीक्षा,487अभ्यर्थियो ने छोड़ी परीक्षा

मोहनलालगंज। सिपाही भर्ती परीक्षा के तीसरे दिन मोहनलालगंज कस्बे में बने दो परीक्षा केन्द्रो पर रविवार को पहली व दूसरी पाली की परीक्षा सकुशल संपन्न हुयी।दोनो ही केन्द्रो पर 1433अभ्यर्थियो ने परीक्षा दी तो वही 487अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।तीसरे दिन भी परीक्षा केन्द्रो पर अभ्यर्थियो को सघंन चेकिंग के बाद प्रवेश दिया गया।एसीपी व एसडीएम ने परीक्षा केन्द्रो का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दियें। मोहनलालगंज कस्बे में स्थित काशीश्वर इंटर कालेज व नवजीवन इंटर कालेज को सिपाही भर्ती परीक्षा का केन्द्र बनाया गया।दोनो ही परीक्षा केन्द्रो पर प्रथम व दूसरी पाली में 1920अभ्यर्थियो को परीक्षा देनी थी.रविवार को तीसरे दिन काशीश्वर इंटर कालेज केन्द्र पर सिपाही भर्ती की प्रथम व दूसरी पाली की परीक्षा में 960अभ्यर्थियो को बैठना था लेकिन इस केन्द्र पर 720अभ्यर्थी ही परीक्षा देने पहुंचे,वही नवजीवन इंटर कालेज केन्द्र पर 960अभ्यर्थियो को परीक्षा में बैठना था यहा 713अभ्यर्थी केवल परीक्षा देने पहुंचे दोनो ही केन्द्रो पर 487अभ्यर्थी परीक्षा देने नही पहुंचे।पुलिस ने अभ्यर्थियो को सघंन चेकिंग के बाद ही परीक्षा केन्द्रो के अंदर प्रवेश दिया।एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा व एसीपी रजनीश वर्मा ने दोनो ही परीक्षा केन्द्रो पर नजर बनाये रखी ओर निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश देते रहे।प्रभारी निरीक्षक आलोक राव भी भारी पुलिस फोर्स के साथ दोनो ही केन्द्रो पर मुश्तैद रहे ओर परीक्षा समाप्त होने के बाद ही हटे।

बरीक्षा कर मांगी कार, नहीं मिलने पर शादी से किया इनकार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र में एक अजीबो गरीब मामला प्रकाश में आया है. जहां बरीक्षा करने के बाद वर पक्ष ने शादी करने से इनकार कर दिया। बरीक्षा व गोदभराई के बाद मना करने पर वधू पक्ष के लोगों ने दहेज में कार व ढाईं लाख रुपए मांगने का लगाया आरोप थाने पर तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। माल थाना क्षेत्र के एक युवक ने दहेज के लालच में आकर अपनी शादी तोड़ दी। आरोप है कि दहेज लालचियों ने कैश और कार की डिमांड न पूरी होने पर शादी करने से मना कर दिया।लड़के वालों के इस फैसले से लड़की के घर वाले बहुत दुखी हैं। पीड़ित लड़की के पिता दहेज के लालची दामाद और उसके घरवालों के खिलाफ लिखित शिकायत लेकर माल थाने पहुंची और पुलिस को पूरे मामले के बारे में बताया और लालची ससुराल के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने को लेकर पुलिस को तहरीर दी है।

पीड़ित पिता ने थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उसने अपने पुत्री की शादी पिपरी कुराखार गांव निवासी सुनील के साथ तय किया था। बीती चौदह जून को पुत्री की बरीक्षा भी बड़े ही धूम धाम से वर वधू पक्ष के रिश्तेदारों के बीच संपन्न हुई थी। 23 अगस्त को मंझवा मेवालाल के द्वारा मैसेज के माध्यम से संदेश भेजा गया कि सुनील की शादी आपकी पुत्री से नहीं करूंगा। संदेश पढ़ने के बाद जब लड़के पक्ष के घर गया तो लड़के के पिता से विवाह ने करने का कारण पूछा गया तो काफी देर तक टाल मटोल करते हैं,साथ ही धमकी भी दी कि जबरजस्ती करोगे तो तुम्हारे विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करवा दूंगा।उसी समय लड़के के बड़े भाई अनिल कुमार व उनकी बुआ ने कहा कि यदि स्विफ्ट डिजायर कार व ढाई लाख रुपए नगद दो तो ही शादी हो पाएगी।लड़की के पिता ने मांग पूरी करने में असमर्थता जताई तो लड़के पक्ष ने शादी करने से इंकार कर दिया।लड़की पक्ष ने थाने पर तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। इस संबंध में माल थाना प्रभारी निरीक्षक विनय चतुवेर्दी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है जांच उपरांत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मरम्मत के चलते चार दिन महमूद नगर रेलवे फाटक बंद रहेगा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रेलवे विभाग द्वारा रेलवे फाटक पर मरम्मत कार्य के चलते चार दिन महमूदनगर रेलवे क्रासिंग का आवागमन बंद रहेगा। इन दिनों राहगीरों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा और राहगीर मुजासा क्रॉसिंग से आ जा सकेंगे।

मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम महमूदनगर रेलवे क्रासिंग पर मरम्मत का कार्य चलने के कारण क्रासिंग चार दिन के लिए बंद रहेगी। रेलवे विभाग द्वारा जारी सूचना पत्र के अनुसार मलिहाबाद काकोरी के बीच स्थित समपार संख्या 231 सी मलिहाबाद काकोरी के बीच महमूदनगर क्रासिंग से लखनऊ हरदोई संपर्क मार्ग पर स्थित है।सोमवार से इस क्रासिंग पर मरम्मत का कार्य सुनिश्चित किया गया है। जिसके कारण समपार संख्या 231 सी सड़क का यातायात सोमवार सुबह आठ बजे से गुरुवार शाम 6 बजे तक बंद रहेगा।इसके चलते लोगों को चार दिनों दिक्कत का सामना करना पड़ेगा।इन दिनों में सड़क यातायात मुजासा रोड से लखनऊ हरदोई रोड के संपर्क मार्ग पर स्थित समपार संख्या 231/ सी से निकाला जा सकता है।

बाढ़ में क्षतिग्रस्त मकानों के लिए पांच करोड़ का मुआवजा

प्रभावितों को 20 लाख रुपये की सहायता राशि

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ।सरकार ने प्रदेश में बाढ़ प्रभावितों को क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत के लिए पांच करोड़ रुपये का मुआवजा दिया है।वहीं घरेलू सामान के लिए बाढ़ प्रभावितों को 20 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई है। सरकार ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 2,54,735 खाद्यान्न और 8,54,517 लंच पैकेट वितरित करवाए हैं। साथ ही क्षतिग्रस्त पशुबाड़े के लिए 2,58,000 रुपये की राशि वितरित की जा चुकी है। राहत आयुक्त जीएस नवीन कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश आपदा की दृष्टि से संवेदनशील है। पहले की तरह इस बार भी बाढ़ प्रभावितों की जरूरतों का ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बाढ़ प्रभावित 403 परिवारों को तन ढकने के लिए 10,07,500 रुपये की सहायता धनराशि दी गई।यह राशि नौ जिलों के बाढ़ प्रभावितों को 2,500 रुपये प्रति परिवार के हिसाब से वितरित की गई है। इसमें सबसे अधिक लखीमपुर खीरी के 94, शाहजहांपुर के 82, श्रावस्ती के 60, बलिया के 52, कुशीनगर के 46, बहराइच के 28, फरुर्खाबाद के 21 व बलरामपुर तथा सिद्धार्थनगर के 10-10 परिवार शामिल हैं।इसी तरह बाढ़ से आठ जिलों में 86 पशु बाड़े के लिए 2,58,000 रुपये की धनराशि वितरित की गई है।

संक्षेप

मुख्यमंत्री जन अरोग्य स्वास्थ्य मेले का किया गया आयोजन

शुक्लागंज, उन्नाव। राजधानी मार्ग स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शुक्लागंज में मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में एलोपैथिक के डॉक्टरों ने मरीजों का परीक्षण किया गया। मरीजों को दवा बांटी गई। इसके अलावा डॉ शिप्रा झा, डॉ रश्मि वर्मा, डॉ अर्चना ने मरीजों को परामर्श देने के साथ ही दवाइयां बांटी। इसके साथ ही अन्य डॉक्टरों ने भी मरीजों का परीक्षण किया। डॉक्टरों ने बताया कि मेले के दौरान 38 मरीजों का परीक्षण किया गया और उन्हें दवाइयां बांटी गई है। जिसमें चर्म रोग, लीवर पेट से संबंधित, सांस, मधुमेह, उच्च रक्त चाप, खून की कमी, गर्भवती महिलाएं शामिल हैं। वहीं मेले में आये खांसी, जुकाम, बुखार के मरीजों की जांच की गई।

सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओ ने फोरलेन पर किया प्रदर्शन

शुक्लागंज, उन्नाव। रविवार शाम नगर के सामाजिक संगठनों के कार्यकताओं ने कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और उसकी निर्मम हत्या को देखते हुये फोरलेन पर प्रदर्शन किया। जहां हाथों में न्याय दो की तख्तियां लेकर दिवंगत डॉक्टर को न्याय दिलाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पुतले को राजधानी मार्ग स्थित दुर्गा मंदिर के पास जलाया। प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य कोलकाता कांड में दोषियों को शीघ्रता से फांसी दिलवाने की मांग करना था। इस प्रदर्शन में अर्चना सिंह, जय सिंह, अभिलाषा मिश्रा, अमरेन्द्र गुप्ता, भारत भुवनेश तिवारी, मनोज मिश्रा जैसे प्रमुख सामाजिक कार्यकताओं ने हिस्सा लिया।

जन्माष्टमी पर्व को लेकर बाजार में सजी दुकानें

शुक्लागंज, उन्नाव। नगर में जन्माष्टमी पर्व को लेकर लोग घरों में भगवान कृष्ण का जनमोत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। कान्हा का जन्मोत्सव मनाने के लिए लोग घरों में झाकियां बनाकर सजावट करते हैं। जन्माष्टमी पर्व को लेकर नगर के राजमार्ग पर सैकड़ों की तादाद में सजावट का सामान बेचने के लिए दुकाने लगी हुई हैं। रविवार को दुकानों पर खरीदारी के लिए खासी भीड़ उमड़ी, खास तौर पर शाम को। लोगों ने लड्डू गोपाल की मूर्ति, वस्त्र, झालर रंग विरंगी अवरी कागज आदि सामग्री की खरीदारी जम कर की। भीड़ देख कर दुकानदारों ने भी मनमाफिक दाम वसूले। वहीं गोपीनाथ पुरम स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर, भगवान जगन्नाथ मंदिर, राजधानी मार्ग स्थित दुर्गा मंदिर, गायत्री मंदिर, आनंद नगर अन्नपूर्णा मंदिर, कंचन नगर कंचना देवी मंदिर, चंपापुरवा शिव मंदिर, मंशा देवी मंदिर, गांधी नगर स्थित काली मंदिर समेत नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में सजावट की जा रही है।

सब इंस्पेक्टर व शिक्षक को मिला अप्लॉम्ब पर्यावरण प्रहरी सम्मान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आज देश को जरूरत है उन वनों की जिन्हें हम अपने क्षणिक लाभ और सुख सुविधाओं और भौतिकता में डूबने के लिए लगातार दोहन कर रहे हैं, दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में आज श्वास लेने के लिए न ही स्वच्छ वायु बची है और न ही शुद्ध पेय जल ये बाते अप्लॉम्ब परिवार के चेयरमैन पुष्कर मिश्र ने आज लखनऊ के होटल होमेटल, आलमबाग में आयोजित पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम में कहीं। दूर दराज के शहरों से आई तमाम प्रसिद्ध हस्तियों की मौजूदगी में देश को संकट से निकालने और उस भारत को खोजने जिसमें स्वस्थ मानसिकता वाले युवाओं की फौज रहती थी, पर योग गुरु और पर्यावरणविद चर्चा करते नजर आए। मेडिटेशन के क्षेत्र में कई आयाम चढ़ने वाले डॉक्टर शिखा ने युवाओं को जीवन जीने की कला सिखाई। दीर्घ काल से पर्यावरण की रक्षा में समर्पित आचार्य चंद्र भूषण तिवारी ने केवल पेड़ो के महत्व पर ही चर्चा न करके उनके कटाव को रोकने के लिए सभी से गुजारिश की। अप्लॉम्ब परिवार की ईशा मिश्र ने इशारों में बतलाया कि अगर एक मकान तैयार करने को बेताब हैं तो गेट के समीप एक एक वृक्ष भी लगाएं। सिंगर विनय सिंह ने देशभक्ति के गानों से कार्यक्रम में जोश भरने का कार्य किया। पुष्कर मिश्र ने पुलिस सेवा में उपनिरीक्षक पद पर कार्य कर रहे अनूप मिश्र अपूर्व को मंच पर बुलाकर उपस्थित युवाओं को उनके पर्यावरण प्रेम से परिचित करवाते हुए कहा की इन्होंने न सिर्फ धरा को हरा किया है बल्कि आज भी गांवो और शहरों में खाली पड़ी जमीन पर पौधे लगाने को युवाओं को जागरूक कर रहे हैं। तमाम शहरों में उनकी पर्यावरण मुहिम से हजारों की संख्या में लोगों के जुड़ने और इस और मजबूती से काम किए जाने को उन्होंने बड़ी उपलब्धि बताया। जनपद उन्नाव को आने वाले एक साल के भीतर हरा भरा करने के लिए अपनी योजनाओं से अनूप ने सभी को परिचित करवाया और लोगों से जुड़ने की अपील की साथ ही बताया की हम बच्चों की ग्रीम आर्मी तैयार कर रहें है जो देश को एक बेहतर कल देने में अपनी जिम्मेदारी निभाने जोश के साथ आगे आ रही है। उन्नाव जिले में नियुक्त शिक्षक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विश्व संस्कृति एवम् पर्यावरण संरक्षण आयोग के डॉक्टर प्रदीप वर्मा के उत्तरप्रदेश नशा मुक्ति आंदोलन, महिला और बालिका शिक्षा, पर्यावरण प्रेम और परिषदीय विद्यालयों की सूरत बदलने के प्रयासों को पुष्कर और उपस्थित लोगों ने सराहना की। प्रदीप वर्मा ने कहा की मुझे ईश्वर ने उन बच्चो के लिए एक साधन के रूप में चुना है जो समाज में बहुत बड़ी उपलब्धियों को आसानी से नहीं पा पाते, जिनके सपने हमें उनके साथ मिलकर ही पूरे करने होते हैं।

पुलिस उपनिरीक्षक अनूप मिश्र अपूर्व और शिक्षक प्रदीप वर्मा को सम्मानित करते हुए पुष्कर और अप्लॉम्ब परिवार ने गर्व की अनुभूति बताई। कार्यक्रम के अंत में वृक्ष बचाओ और शुद्ध प्राण वायु पाओ का नारा देते हुए ईशा मिश्र ने सभी को एक एक पौधा भी उपहार में दिया।

आम रास्ते की हालत दयनीय जिम्मेदार बने मूकदर्शक

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्लागंज के प्रेम नगर मोहल्ले में 20 वर्षों से गली की स्थिति दयनीय है। जिससे स्थानीय लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में गलियों की खस्ता हालत के चलते लोग लगातार गिरकर चोटिल हो रहे हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए अब स्थानीय निवासियों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से सख्त कदम उठाने की मांग की है। प्रेम नगर मोहल्ला वार्ड नंबर 10 में आता है, और यह मुद्दा लंबे समय से अनसुलझा है। मोहल्ले में विकास कार्यों की स्थिति बेहद खराब है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पिछले 10 वर्षों से इस वार्ड में कोई ठोस विकास कार्य नहीं हुआ है। इसका सीधा असर गली की खराब स्थिति पर पड़ रहा है, जिससे निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि गली की खुदाई और मरम्मत के लिए कई बार आवेदन किए गए हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। मोहल्ले के राम मिलन, वेद प्रकाश चौरासिया, सुधा, राहुल तिवारी, विपिन बाथम, राम बहादुर और अन्य स्थानीय निवासी इस स्थिति को लेकर बेहद नाराज हैं। उनका कहना है कि गली की खराब स्थिति के चलते बच्चे भी गिरकर चोटिल हो रहे हैं, और बुजुर्गों के लिए चलना भी मुश्किल हो गया है। मोहल्ले के निवासियों का आरोप है कि स्थानीय सभासद फुरकान और सभासद सूरज साहू के बीच खींचतान के चलते विकास कार्यों में कोई प्रगति नहीं हुई। दोनों सभासदों के बीच विवाद के कारण यह मामला ठप पड़ा हुआ है, और स्थानीय लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। निवासियों का कहना है कि दोनों सभासद एक-दूसरे पर निर्माण कार्य न कराने का आरोप लगा रहे हैं, लेकिन असली पीड़ित तो स्थानीय लोग ही हैं, जिनकी परेशानियों का कोई समाधान नहीं हो रहा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि मोहल्ले में गली के सुधार के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। उनका कहना है कि अगर जल्दी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो उनकी समस्याएं बढ़ती जाएंगी। इसके अलावा, उन्होंने नगर पालिका और स्थानीय प्रतिनिधियों से उम्मीद जताई है कि वे इस मुद्दे को प्राथमिकता पर लेकर जल्द से जल्द समाधान निकालेंगे। मोहल्ले के लोग अब यह चाहते हैं कि उनके लिए एक सुरक्षित और बेहतर वातावरण सुनिश्चित किया जाए। ताकि वे अपनी दिनचर्या को बिना किसी बाधा के सुचारु रूप से जारी रख सकें। उन्होंने आशा जताई है कि प्रशासन इस मामले में दखल देगा और उनके लिए उचित समाधान प्रदान करेगा।

अनियंत्रित पिकअप की टक्कर से अधेड़ मजदूर की मौत

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। बाजार से घर जाते समय रास्ते में अनियंत्रित पिकअप ने जोरदार सायकिल सवार मजदूर कोटक्कर मार दी जिससे अधेड गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसे लोगों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दियो

बारासगवर थाना क्षेत्र के अन्तर्गत बैदनखेड़ा निवासी अधेड़ राम रतन उम्र 60 वर्ष मजदूरी का काम करके ऊँचगांव बाजार से खरीदारी कर घर वापस जा रहे थे तभी रास्ते मे अनियंत्रित पिकअप ने उनकी साइकिल में जोरदार की टक्कर मार दी। जिससे अधेड़ गंभीर रूप से घायल हों गया जिसको लोगो ने स्वास्थ केन्द्र ऊंचगांव अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया सुचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्ट मार्डम के लिए जिलाअस्पताल भेज दिया सूचना जैसे ही घर में पहुंची घर में कोहराम मच गयोमृतक के एक लडका व तीन पुत्रियां है पत्नी का नाम मीना कुरील है ।

52 लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र देकर विधायक ने किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। विकास खंड सभागार में उत्तर प्रदेश आजीविका मिशन योजना के अंतर्गत 'लखपति दीदी' सम्मान समारोह एवं प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा विधायक बंबा लाल दिवाकर ने भाग लिया और आजीविका मिशन से जुड़ी 52 लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। विधायक बंबा लाल दिवाकर ने इस मौके पर कहा कि उत्तर प्रदेश आजीविका मिशन से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधारने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। विधायक ने कहा कि सरकार की इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना है, ताकि वे खुद अपने पैरों पर खड़ी हो सकें। उन्होंने लखपति दीदियों की मेहनत और सफलता की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है। इस कार्यक्रम में एडीओ पंचायत छोटेलाल ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विधायक बंबा लाल दिवाकर को गुलदस्ता देकर स्वागत किया और कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम के दौरान कई महिलाओं ने अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं और बताया कि किस तरह से इस योजना ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। इस मौके आजीविका मिशन ब्लाक मैनेजर राजेश कुमार ,यतेंद्र सिंह ,सरमद खान,लल्ला तिवारी ,राम विमल आदि मौजूद रहे।

लगभग एक सैकड़ा महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। विकास खंड के प्रांगण हाल में राज्य आजीविका मिशन द्वारा लखपति महिला संवाद कार्यक्रम में ब्लाक स्तर पर बनाए गए समूहों से लगभग एक सौ महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एन आर एल एम विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में ब्लाक की ब्लाक मिशन मैनेजर रीतिका ने बताया कि क्षेत्र में चल रहे समूहों से ऐसी लगभग एक सैकड़ा महिलाओं को लिया गया जिन्हें आर्थिक लाभ दिया गया जिससे उन्होंने अपना निजी काम शुरू करके लखपति बनने का काम किया और आज आर्थिक रूप से मजबूत हुई हैं। इन्हीं महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख मनोज निषाद बी डी ओ अनिल कुमार सिंह, ब्लाक स्टाफ के साथ साथ समूहों की सैंकड़ों महिलाएं शामिल रहीं।

किशोरी के साथ युवक ने किया दुष्कर्म पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में 12 वर्षीय किशोरी और उसके छोटे भाई के जीवन में अंधेरे बादल मंडरा रहे हैं। ये दोनों बच्चे एसपी कार्यालय और कचहरी के बीच पानी का पाउच बेचकर अपना गुजारा करते थे। रात में जहां जगह मिलती, वहीं सो जाते थे।तीन दिन पहले रात में, किशोरी ने आरोप लगाया कि पास में चाय का ठेला लगाने वाले युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। प्रारंभ में पुलिस ने छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज किया था। लेकिन किशोरी के न्यायालय में दिए बयान के बाद दुष्कर्म की धाराएं बढ़ा दी गईं। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।22 अगस्त की रात को, पीड़िता और उसके भाई ने कचहरी के पास चाय ठेले के पास बेंच पर सोने का फैसला किया। आरोप है कि उसी रात को चाय दुकानदार शैलेंद्र सिंह ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। 23 अगस्त को पीड़िता के भाई की तहरीर पर पुलिस ने मेडिकल जांच कराई। छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज किया। लेकिन जब किशोरी ने कोर्ट में दुष्कर्म का बयान दिया। तो पुलिस ने धाराओं में वृद्धि की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाल प्रमोद मिश्र ने पुष्टि की कि आरोपी को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।पुलिस अब घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज की जांच करेगी। वहीं अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी एकत्र करेगी। ताकि आरोपी के खिलाफ ठोस साक्ष्य जुटाए जा सकें। वहीं, गिरफ्तार आरोपी का कहना है कि उसे रंजिश के तहत फंसाया गया है। उसकी चाय की दुकान चल रही थी, जिसे पीड़िता के भाई ने देखा नहीं सहा।

जन्माष्टमी पर सजी दुकानें खरीददारों की लगी रही भीड़

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जन्माष्टमी धूमधाम से मनाने की तैयारी जोरों पर है। बाजारों में इस अवसर पर सजावट, खरीदारी और भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। शुक्लागंज सहित पूरे शहर के बाजार कान्हा की आकर्षक पोशाकों और अन्य पूजा सामग्री से सज गए हैं, जिससे वातावरण बेहद उत्सवपूर्ण हो गया है।

जन्माष्टमी का पर्व सोमवार 26 अगस्त को मनाया जाएगा और इस मौके पर बाजारों में काफी हलचल देखने को मिल रही है। भक्त कान्हा की पूजा और सजावट के लिए विभिन्न प्रकार की सामग्री खरीदने में व्यस्त हैं। बाजार में विशेष रूप से लड्डू गोपाल की पोशाकें, पीतल के सिंघासन और पूजा सामग्री की मांग बढ़ गई है। हालांकि, इस बार बाजार में इन वस्तुओं की कीमतें कुछ अधिक हैं, जिससे भक्तों को महंगे दाम चुकाने पड़ रहे हैं।लड्डू गोपाल के वस्त्र और सिंघासन के दामों में बढ़ोतरी के बावजूद, बाजार की रौनक बनी हुई है। पीतल के सिंघासन की कीमतों में इस बार काफी इजाफा हुआ है, और यह भक्तों के लिए एक बड़ा खर्चा बन गया है। इसके बावजूद लोग अपने आस्था और श्रद्धा के अनुसार इस खर्च को उठाने के लिए तैयार हैं।

श्रीकृष्ण के वस्त्रों की विविधता और गुणवत्ता ने बाजार को और भी आकर्षक बना दिया है। विभिन्न रंगों और डिजाइनों की पोशाकें, झूले, और सजावटी सामान ने बाजार की रौनक को दोगुना कर दिया है। लोगों ने खासतौर पर अपने बच्चों के लिए कान्हा की पोशाकें खरीदी हैं, ताकि वे भी इस अवसर पर विशेष रूप से सज सकें।इसके साथ ही बेकरी की दुकानों पर भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। जन्माष्टमी के मौके पर केक की कई ऑर्डर प्राप्त हो चुके हैं। दुकानदारों का कहना है कि इस बार केक के ऑर्डर काफी बढ़ गए हैं, और ग्राहकों की बढ़ती मांग के कारण उन्हें अधिक तैयारियों की आवश्यकता पड़ी है।

शुक्लागंज में विशेष रूप से खरीददारी की भीड़ देखी जा रही है। यहां के बाजारों में विभिन्न प्रकार की पूजा सामग्री, कान्हा की पोशाकें, सजावट के सामान और मिठाइयों की खरीददारी की जा रही है। दुकानदारों का कहना है कि इस बार की भीड़ पिछले वर्षों की तुलना में अधिक है, और वे इस अवसर पर अच्छी बिक्री की उम्मीद कर रहे हैं।लोग जन्माष्टमी के पर्व को लेकर काफी उत्साहित हैं और इसे धूमधाम से मनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। परिवारों ने विशेष पूजा की तैयारी की है, जिसमें कान्हा की झांकी, भजन-कीर्तन, और पूजा अर्चना शामिल है।

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में मंदिरों में विशेष आयोजन किए जाएंगे, जहां भक्त श्रीकृष्ण के जन्म के उत्सव को बड़े धूमधाम से मनाएंगे। मंदिरों में विशेष सजावट की जाएगी, और धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे। इस दौरान, भक्तों की आस्था और श्रद्धा का अनुपम दर्शन देखने को मिलेगा।उन्नाव की गलियों और बाजारों में जन्माष्टमी की तैयारियों के चलते हर ओर उत्सव का माहौल है। बाजारों में रौनक बनी हुई है और लोग अपने प्रिय कृष्ण के लिए विशेष रूप से सजावट और पूजा सामग्री की खरीददारी कर रहे हैं। इस बार भी, जन्माष्टमी का पर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा, और भक्तों की श्रद्धा और प्रेम का एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करेगा।

पति-पत्नी के 21 विवादित जोड़े आपसी कलह भुलाकर साथ रहने को हुए राजी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी पुरवा की अध्यक्षता में रिजर्व पुलिस लाइन एवं विभिन्न थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया। परिवार परामर्शदाताओं एवं महिला हेल्पडेस्क की टीम द्वारा उनकी काउंसलिंग करते हुए उनके बीच उपजे विवाद को खत्म कराया गया तथा परिवार को टूटने से बचाया। तदोपरान्त परिवार परामर्श केन्द्र से 08, महिला थाना से 06, थाना गंगाघाट व थाना अचलगंज से 02-02, थाना बांगरमऊ, थाना हसनगंज व थाना सफीपुर से 01-01 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया।

उपरोक्त पुनीत कार्य में डा0 आशीष श्रीवास्तव प्रभारी परिवार परामर्श समिति एवं सलाहकारों में डा0 मनीष सिंह सेंगर, शिल्पी श्रीवास्तव, तबस्सुम नफीस संजय चौरसिया अबरार हुसैन, अबसार अली व डा0 सगीर अहमद एवं सहयोगी स्वास्तिक मिश्रा, शिवेन्द्र सिंह, प्रदीप त्रिपाठी व पुलिस टीम से महिला थानाध्यक्ष अर्चना, महिला उप निरीक्षक भागीरथी, महिला उप निरीक्षक मधु श्रीवास्तव, महिला उप निरीक्षक मिथिलेश कुमारी, हंसा भदौरिया, आकांक्षा, पूजा शर्मा, अंशू रानी, साधना, मीनू, अंजुला त्रिपाठी, पूजा पाल, लक्ष्मी वर्मा, सुमन यादव, सेविका का विशेष योगदान रहा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। अज्ञात वाहन की टक्कर से बीती शनिवार देर शाम को दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें एम्बुलेंस से सीएचसी लाया गया जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया जहा पर इलाज के दौरान दोनो युवकों की मौत हो गई फतेहपुर चौरासी थाना के गांव तालिबपुर रहली निवासी अजय पुत्र टेक राम 20 वर्ष तथा अंशू पुत्र मुंशीलाल करीब 19 वर्ष बाइक से बांगरमऊ गए थे। वह गांव के कुछ लड़के जो दिल्ली जा रहे थे उनसे बस में झगड़ा होने के कारण पुलिस ने कस्टडी में ले लिया था। वह उनको छुड़ाने के लिए कोतवाली गए थे।जहां से वह देर शाम वापस घर आ रहे थे।जब वह कठिघरा गांव के सामने पहुंचे तो उसी समय उन्हें किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह दोनों सड़क पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने उन्हें सीएचसी अस्पताल पहुंचाया । जहां गम्भीर हालत देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। सूत्रों के द्वारा मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवको की इलाज के दौरान मौत हो गई, अजय पुत्र टेक राम दो भाइयों में छोटा था वहीं अंशू पुत्र मुंशीलाल पांच भाइयों में चौथे नंबर का था। सूचना मिलते ही दोनों के परिवारों में कोहराम मच गया।

धूमधाम से मनाया जाएगा श्री कृष्ण जन्मोत्सव

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। जन्माष्टमी पर्व को भगवान श्री कृष्ण के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व पूरी दुनिया में पूर्ण आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। जन्माष्टमी को भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में बसे भारतीय भी पूरी आस्था व उल्लास से मनाते हैं। वे कभी यशोदा मैया के लाल होते हैं, तो कभी ब्रज के नटखट कान्हा। भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव का दिन बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। जन्माष्टमी पर्व भगवान श्री कृष्ण के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, जो रक्षाबंधन के बाद भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। श्री कृष्ण देवकी और वासुदेव के 8वें पुत्र थे। मथुरा नगरी का राजा कंस था, जो कि बहुत अत्याचारी था। उसके अत्याचार दिन-प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे थे। एक समय आकाशवाणी हुई कि उसकी बहन देवकी का 8वां पुत्र उसका वध करेगा। यह सुनकर कंस ने अपनी बहन देवकी को उसके पति वासुदेवसहित काल-कोठारी में डाल दिया। कंस ने देवकी के कृष्ण से पहले के 7 बच्चों को मार डाला। जब देवकी ने श्री कृष्ण को जन्म दिया, तब भगवान विष्णु ने वासुदेव को आदेश दिया कि वे श्री कृष्ण को गोकुल में यशोदा माता और नंद बाबा के पास पहुंचा आएं, जहां वह अपने मामा कंस से सुरक्षित रह सकेगा। श्री कृष्ण का पालन-पोषण यशोदा माता और नंद बाबा की देखरेख में हुआ। बस, उनके जन्म की खुशी में तभी से प्रतिवर्ष जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाता है श्री कृष्ण जन्माष्टमी के दिन मंदिरों को खासतौर पर सजाया जाता है। जन्माष्टमी पर पूरे दिन व्रत का विधान है। जन्माष्टमी पर सभी 12 बजे तक व्रत रखते हैं। इस दिन मंदिरों में झांकियां सजाई जाती हैं और भगवान श्रीकृष्ण को झूला झुलाया जाता है और रासलीला का आयोजन होता है।

राजयोग केंद्र पर मनाया गया दादी प्रकाशमणि स्मृति दिवस

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर के ब्लॉक रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय राजयोग केंद्र में आज दादी प्रकाशमणि स्मृति दिवस मनाया गया। इस मौके पर राज योग केंद्र संचालिका ब्रम्हा कुमारी सरला बहन ने उपस्थित साधकों से दादी जी के पदचिन्हों पर चलकर आध्यात्मिक ज्ञान का खजाना भरपूर करना है और संस्कार से संसार का परिवर्तन करना है।स्मृति दिवस पर ब्रम्हा कुमारी सरला बहन ने संस्मरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि दादी प्रकाशमणि अपने जीवनकाल में नंबर एक छात्र, शिक्षक व सेवाधारी रहीं। उनकी पवित्रता उनके नयनों में दिखाई पड़ती थी। वह निर अहंकारी थीं और कहा करती थीं कि देश-विदेश की सभी सेवाएं परमपिता परमात्मा की ही देन हैं, वह तो निमित्त मात्र हैं।बहन सरला ने साधक बहनों- भाइयों से कहा कि मन और बुद्धि को सदैव शुद्ध व परमात्म स्मृति स्वरूप तथा एकाग्र रखना है। आध्यात्मिक ज्ञान का खजाना कमाना है, गंवाना नहीं है और संकल्प, बोल तथा कर्म में लाइट और माइट रहना है। जिससे हम माया के बंधन से मुक्त हो सकें। कार्यक्रम में महेश फौजी, सावित्री सिंह,सरोज, उमा, अर्चना मिश्रा, मालती, निर्मल बाबू ,रेनू , शशि गुप्ता, रमेश अखिल रस्तोगी, निर्मल बाबू, प्रीति सिंह,रामपाल, अरविन्द कनौजिया, नरेंद्र यादव, शुभम गुप्ता, हरि स्वरुप कुशवाहा,राधा बाजपेई आदि सैकड़ो जिज्ञासु उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

भारत से अलकायदा की जड़ें हमेशा के लिए मिटानी होंगी

अल-कायदा एक बहुराष्ट्रीय उग्रवादी सुन्नी इस्लामवादी संगठन है। इसका खौफनाक चेहरा बार-बार सामने आता रहा है। इस आतंकी संगठन का गठन 1988 में ओसामा बिन लादेन, अब्दुल्लाह आज़म, और अफगानिस्तान पर सोवियतों के आक्रमण के विरोध करने वाले कुछ अरब स्वयंसेवकों ने किया था, लेकिन जल्द ही यह आतंकी संगठन बन गया। अमेरिका में 26\11 के हमले के बाद इसे पूरी दुनिया में दहशत के नाम से पहचाना गया। गठन के दौरान संगठन के ज्यादातर सदस्य अरबों से बने थे, लेकिन बाद में इसमें अन्य जातीय समूहों के लोग भी शामिल हुए। अल-कायदा का इरादा मुस्लिम देशों में सभी विदेशी और धर्मनिरपेक्ष प्रभावों को हिंसक रूप से हटाने का है। अल-कायदा ने अमेरिका और उसके सहयोगियों के नागरिक, आर्थिक और सैन्य लक्ष्यों पर हमले किए। संगठन ने धीरे-धीरे पाकिस्तान, म्यांमार, अफगानिस्तान, बांग्लादेश में अपना नेटवर्क फैलाना शुरू किया। अल-कायदा इन इंडियन सब-कॉन्टिनेंट की शुरुआत 2014 में पूर्व अल-कायदा चीफ अयमान अल-जवाहिरी ने की थी। पाकिस्तान मूल का असीम उमर इसका शुरुआती सदस्य था। तब अल-जवाहिरी की तरफ से एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें उसने भारत के खिलाफ जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों की बात कही थी। अब इसकी अगुआई ओसामा महमूद कर रहा है, जो पाकिस्तान मूल का बताया जाता है। यूएस-अफगान मिलिट्री ऑपरेशन में उमर मारा गया था। इसके बाद 2019 में महमूद ने इसकी बागडोर अपने हाथ में ले ली थी। बताया जाता है कि इंडियन सब-कॉन्टिनेंट में अल-कायदा के 200 लड़ाके मौजूद हैं। जो रह-रहकर भारत में दहशत फैलाने का षड्यंत्र रचते हैं और हमारे सुरक्षा बल उसे नाकाम कर देते हैं। वीरवार को भी ऐसा ही हुआ। दिल्ली पुलिस ने झारखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से 14 लोगों को हिरासत में लेकर अलकायदा के एक आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इसका नेतृत्व रांची का इश्तियाक नाम का डाक्टर कर रहा था। उसकी देश के भीतर खिलाफत की घोषणा करने और गंभीर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की मंशा थी। आतंकवादी मॉड्यूल के सदस्यों को अलग-अलग जगहों पर हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया गया था। छापेमारी में कई तरह के हथियार, गोला-बारूद और आतंकी गतिविधियों से जुड़ी किताबें बरामद हुई हैं। राजस्थान के भिवाड़ी से 6 लोगों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण लेते समय हिरासत में लिया गया। झारखंड और उत्तर प्रदेश से आठ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। ये लोग देश में आतंकी हमलों की तैयारी में थे। अब सुरक्षा एजेंसियां पूरे संगठन की जड़ें खंगालने में लगी हैं। यह हमारी सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता है कि एक बार फिर अलकायदा का नेटवर्क हमला करने से पहले ही दबोचा गया। ऐसा भी नहीं है कि यह पहली बार हुआ हो। बीते दस सालों में यह आतंकी संगठन कई बार ऐसा प्रयास कर चुका है कि किसी तरह भारत पर हमले को अंजाम दिया जा सके, लेकिन हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने इन्हें हर बार विफल कर दिया। दिल्ली में 2015 में तीन आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद संगठन की भारत में मौजूदगी का पहली बार पता चला था। दिल्ली पुलिस ने बाद में संगठन के आतंकी मौलाना अब्दुल रहमान कासमी को गिरफ्तार किया था। हमारी सुरक्षा एजेंसियां इसके लिए साधुवाद की पात्र है, लेकिन केवल इतने से काम नहीं चलेगा। इन संगठनों का आमूल-चूल सफाया करना होगा।

विकास

डॉ. ब्रजेश कुमार तिवारी

बुनियादी ढांचे में लम्बा रास्ता बाकी

आजादी के 78 सालों में भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर में काफी सुधार हुआ है। देश अब बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर से 'मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर' की ओर बढ़ चुका है फिर भी हम आज विश्व बैंक के बुनियादी ढांचा स्कोर में दुनिया में 47वें स्थान पर है। भारत में रेलवे वर्तमान में सबसे बड़ा नियोक्ता है, हालांकि ट्रेनों में आरक्षित सीट पाने के लिए अब भी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। आज हम कृषि मामले में आत्मनिर्भर हैं, लेकिन किसानों की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए 2030 तक बुनियादी ढांचे में 4 .51 ट्रिलियन डॉलर का निवेश करने की जरूरत है। इसलिए आधारभूत ढांचे पर खर्चा जीडीपी का वर्तमान 4% से बढ़ाकर 10% तक करना होगा।

बुनियादी ढांचा देश की प्रगति की कुंजी है जो उसके भविष्य के विकास की संभावनाओं के लिए मंच तैयार करने में महत्वपूर्ण होता है। 1947 में जब भारत आजाद हुआ तो बुनियादी ढांचा बहुत ख़राब था। हालांकि, वर्ष 1850 में रेलवे की शुरुआत अंग्रेजों के सबसे महत्वपूर्ण योगदानों में से एक थी। आज़ादी के 78 वर्षों के बाद, भारतीय आधारभूत ढांचे ने कई मोड़ लेते हुए एक लंबा सफर तय किया है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 15 मार्च, 1950 को राष्ट्रीय योजना आयोग का गठन किया।

1948 के औद्योगिक नीति संकल्प ने एक मिश्रित अर्थव्यवस्था का प्रस्ताव रखा। प्रथम तीन पंचवर्षीय योजनाओं में परिवहन एवं संचार पर व्यय 1300 करोड़ रुपये था। यह हर योजना के कुल व्यय का 26% था। तीन पंचवर्षीय योजनाओं ने देश के आधारभूत ढांचे की नींव रखी। योजना में प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के जलविद्युत बांधों- भाखड़ा नांगल, हीराकुंड और नागार्जुन सागर का प्रावधान किया गया था। अकाल की पृष्ठभूमि को देखते हुए, खाद्य सुरक्षा सर्वोपरि थी और भारत की सूखी भूमि की सिंचाई हेतु दामोदर वैली कॉरपोरेशन, स्वतंत्र भारत की पहली बहुद्देश्यीय नदी घाटी परियोजना थी।

सड़क नेटवर्क : सड़क नेटवर्क परंपरागत रूप से देश के परिवहन बुनियादी ढांचे की रीढ़ रहा है। भारतीय सड़क नेटवर्क की कुल लंबाई 1951 में 0.399 मिलियन किमी से बढ़कर आज 6.37 मिलियन किलोमीटर से अधिक हो गई है, जोकि दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क है। 2021 से राजमार्ग निर्माण की गति 37 किमी/प्रतिदिन तक पहुंच गई है। भारतमाला परियोजना, मोदी सरकार का एक नया प्रमुख कार्यक्रम है, जिसमें 34,800 किमी सड़कें बनाई जाएंगी।

रेलवे : आजादी के बाद भारत को रेल नेटवर्क विरासत में मिला परन्तु भारत आज जहां है वहां पहुंचने के लिए मीलों की यात्रा करनी पड़ी है। भारत को पहली ट्रेन 1853 में बॉम्बे और ठाणे के बीच मिली। भारत में स्वदेशी भाप लोकोमोटिव इंजन का उत्पादन 1950 में चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (सीएलडब्ल्यू) की स्थापना के साथ शुरू हुआ। 1985 के बाद, भाप इंजनों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया गया क्योंकि यह इलेक्ट्रिक और डीजल इंजनों का युग था। 1947 में 25,170 रूट किमी ब्रॉड गेज (बीजी) रेल नेटवर्क आज 1.45 लाख किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर चुका है।

नागरिक उड्डयन : 1912 में कराची और दिल्ली के बीच पहला घरेलू हवाई मार्ग इंपीरियल एयरवेज, यूके के सहयोग से खोला गया था। भारत का विमानन क्षेत्र दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की 'विज़न 2040' रिपोर्ट में कहा गया है कि 2040 तक भारत में 190-200 कामकाजी हवाई अड्डे होंगे।

बिजली व परमाणु ऊर्जा: भारत दुनिया में बिजली का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। देश ने 1947 में 1,362 मेगावाट से 2023 में, भारत ने 1,968 टेरावाट-घंटे से अधिक बिजली का उत्पादन किया। सरकार ने 2019 तक सभी 18,452 गांवों का विद्युतीकरण किया है, जबकि 1950 में केवल 3,061 गांवों का विद्युतीकरण

किया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने साहसिक कदम लेते हुए पोखरण में पहला भूमिगत परिक्षण स्माइलिंग बुद्धा (पोखरण-1) 18 मई 1974 को किया था। बाद में अटल जी के नेतृत्व में देश ने 11 और 13 मई 1998 को पांच और भूमिगत परमाणु परीक्षण किए और भारत ने स्वयं को परमाणु शक्ति संपन्न देश घोषित कर दिया।

सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार: देश में सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार क्रांति लाने के लिए राजीव गांधी को व्यापक रूप से श्रेय दिया जाता है। राजीव जी की नीतियों ने दूरसंचार और कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों के उपयोग में व्यापक दृष्टिकोण को अपनाया। बाद में 1999 में वाजपेयी के नेतृत्व में, नई दूरसंचार नीति की घोषणा हुई और इसे निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया।

डिजिटल ढांचा : भारत ने डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है। ट्रांसयूनियन सीआईबीआईएल की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक कुल नए इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से लगभग 56% ग्रामीण भारत से आएंगे। जनधन खाता, जो मोबाइल नंबरों को आधार कार्ड और बैंक खातों से जोड़ता है, एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और सरकारी योजना के लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के लिए एक प्रमुख उपकरण बन गया है।

बंदरगाह : विश्व बैंक की लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स (एलपीआई) रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारतीय बंदरगाहों का टर्न अराउंड टाइम 0.9 दिन तक पहुंच गया है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका (1.5 दिन), ऑस्ट्रेलिया (1.7 दिन) और सिंगापुर (1.0 दिन) से बेहतर है।

अंतरिक्ष अनुसंधान : इसरो की स्थापना 15 अगस्त, 1969 को हुई थी। 1975 में अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट लॉन्च करने से लेकर मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचने वाला पहला देश होने तक, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की बदौलत अंतरिक्ष अनुसंधान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मविश्वास से भरे कदम उठाए हैं। भारत के अंतरिक्ष मिशनों ने ब्रह्मांड के बारे में वैज्ञानिक ज्ञान में योगदान दिया है। चंद्रयान-1, मंगल कक्षित्र मिशन, एस्ट्रोसैट और चंद्रयान-2 आदि इसी का उदाहरण हैं।

प्रमुख चुनौतियां और आगे का रास्ता

भारतीय रिजर्व बैंक के अध्ययन का अनुमान है कि बुनियादी ढांचे पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये से सकल घरेलू उत्पाद में 2.5 से 3.5 रुपये का लाभ होता है। आजादी के 78 साल में भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर में काफी सुधार हुआ है। देश अब बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर से 'मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर' की ओर बढ़ चुका है। फिर भी हम आज विश्व बैंक के बुनियादी ढांचा स्कोर में दुनिया में 47वें स्थान पर है। वहीं वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक में बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता के मामले में दुनिया के 140 देशों में से भारत का स्थान 70वां है। भारत में रेलवे वर्तमान में सबसे बड़ा नियोक्ता है, हालांकि ट्रेनों में आरक्षित सीट पाने के लिए अब भी लोगों को जद्दोजहद करनी पड़ रही है। आज हम कृषि के मामले में आत्मनिर्भर हैं, लेकिन किसानों की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। बड़ी विडंबना है कि अनाज के मामले में देश के आत्मनिर्भर हो जाने के पांच दशक बाद भी देश की दो तिहाई आबादी, सरकार की ओर से दिए जा रहे मुफ्त अनाज पर निर्भर है। 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के सपने को हकीकत में बदलने के लिए 2030 तक देश के बुनियादी ढांचे के निर्माण में 4.51 ट्रिलियन डॉलर का निवेश करने की जरूरत है। इसलिए आधारभूत ढांचा पर खर्चा जीडीपी का वर्तमान 4% से बढ़ाकर 10% तक करना होगा।

जयंती

कृष्ण प्रताप सिंह

राधागोबिन्द कर : दुर्गति से कैसे बचे विरासत?

आज, एक महिला चिकित्सक से हैवानियत के मामले को लेकर चर्चित कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज के संस्थापक डॉ. राधागोबिंद कर की जयंती पर यह सोचना किसी त्रास से गुज़रने से कम नहीं है कि आज वे हमारे बीच होते तो अपने द्वारा बेहद पवित्र इरादे से स्थापित इस कालेज की ऐसी दुर्गति देखकर कितने व्यथित होते। बहरहाल, यह जानना दिलचस्प है कि 23 अगस्त, 1852 को हावड़ा के रामराजतला स्टेशन के पास पैदा हुए कर को चिकित्सा सुविधाओं को आम लोगों तक ले जाने की प्रेरणा विरासत में मिली थी। उनके पिता दुर्गादास कर ने भी डाक्टर के रूप में अविभाजित भारत के ढाका में आम लोगों के लिए मिडफोर्ड अस्पताल की स्थापना में नींव की ईंट की भूमिका निभाई थी।

उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के क्रम में राधागोबिंद ने 1880 में कलकत्ता स्थित बंगाल मेडिकल कालेज (जिसे बाद में कलकत्ता मेडिकल कालेज कहा जाने लगा) से डाक्टरी की पढ़ाई शुरू की तो थियेटर के प्रति अपने आकर्षण से विमुख नहीं हो पाये, जिसके चलते उन्हें बीच में ही पढ़ाई छोड़ देनी पड़ी। बाद में उन्होंने दत्त-चित्त होकर उसे पूरा किया। चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उन दिनों इस डिग्री का इतना जलवा था कि उनके प्रायः सारे मित्रों व शुभचिंतकों ने इसे पा लेने के बाद उनके भारत लौटने की उम्मीद छोड़ दी। उनका मानना था कि अब राधागोबिन्द मोटी कमाई के लिए विदेश में ही बस जाएंगे। लेकिन कर उन्हें गलत सिद्ध करते हुए स्वदेश लौटे और बंगाल के बहुविध विपन्न बीमारों की सेवा में लग गए। उन्होंने उन अभावग्रस्त धुर ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपनी सेवाएं दीं, जहां दूसरे डाक्टर जाने तक से घबराते थे। बंगला में डाक्टरी की पढ़ाई संभव बनाने के लिए उन्होंने बंगला में चिकित्सा शिक्षा की किताबें तो लिखीं ही, कलकत्ता में एक स्कूल आफ मेडिसिन की स्थापना की भी सोच डाली। धन की कमी उनके इस सपने के आड़े आने लगी तो अपनी कई पुश्तैनी सम्पत्तियां बेच दीं और जनसहयोग भी जुटाया। उनका बड़प्पन कि इतने पापड़ बेलकर उन्होंने उक्त स्कूल खोला तो उससे अपना नाम नहीं जोड़ा। हालांकि कलकत्ता स्कूल ऑफ मेडिसिन से आरजी कर मेडिकल कॉलेज तक की यात्रा में कई बार उसके नाम बदले और कई नामचीन शख्सियतों से जुड़े।

इस दौरान यह कालेज कर के पथ प्रदर्शन में एशिया के पहले गैरसरकारी मेडिकल कॉलेज के रूप में न सिर्फ बंगाल बल्कि देशभर में हेल्थकेयर के क्षेत्र में प्रकाश स्तम्भ बना, लेकिन कर का नाम इसे देश को आजादी मिलने के बाद 1948 में 12 मई को मिला, जब वे इस दुनिया में नहीं थे। अनंतर, पश्चिम बंगाल सरकार ने 12 मई, 1958 को इस कॉलेज को अपने अधीन करके पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध कर लिया। गौरतलब है कि इस कॉलेज का पहला मेडिकल कोर्स तीन साल का था और इसमें बंगला भाषा में चिकित्सा शिक्षा दी जाती थी। गौरतलब है कि यह मेडिकल कालेज राधागोबिंद कर की देश को इकलौती देन नहीं है और उन्हें सिर्फ इसी के लिए दूरदर्शी व परोपकारी नहीं माना जाता। जानकार बताते हैं कि उन्नीसवीं शताब्दी के अंत में प्लेग की महामारी कोलकाता की सांसें रोकने पर उतर आई तो वे खुद एक बैग में जरूरी दवाएं और उपकरण लिए साइकिल पर विभिन्न क्षेत्रों में घूम-घूम कर उन मरीजों का उपचार किया करते थे, जिनके पास डाक्टर की फीस चुकाने और दवाएं खरीदने के लिए पैसे नहीं होते थे। वे ऐसे मरीजों को बिना फीस लिए देखते और यह जताने पर कि वे दवाएं खरीदने में असमर्थ हैं, उन्हें दवाएं खरीदने के लिए पैसे भी देते। सेवा के इस काम में वे न दिन देखते न रात बल्कि लोगों को उन एहतियातों के बारे में भी बताते जिन्हें बरतकर प्लेग के कहर को कम किया जा सकता था। एक दिन उनकी तरह कलकत्तावासियों को प्लेग से निजात दिलाने में लगी आयरिश भगिनी निवेदिता से भेंट हुई तो दोनों मिलकर एक से ग्यारह हो गये और उनके सेवा कार्यों में समन्वय कलकत्तावासियों के बहुत काम आया।

कृष्ण जन्माष्टमी पर्व : सोलह कलाओं और विविध भूमिकाओं के साथ विलक्षण श्री कृष्ण

लेखक --- सुरेश सिंह बैस शाश्वत

हिंदी दैनिक अमन लेखनी लखनऊ

कहते हैं जब जब धरती पर अत्याचार और पाप बढ़ जाते हैं ,अधर्म का बोलबाला बढ़ जाता है। तब तब अवतारी पुरुष इस धरा पर जन्म लेते हैं, और वे ही पृथ्वी पर हो रहे अत्याचारों और पाप को खत्म करते हैं, धर्म की स्थापना और अधर्म का नाश करते हैं। ठीक ऐसे ही द्वापर युग में घोर अत्याचारी राजा कंस का दूराचार और अधर्म अपनी पराकाष्ठा पर पहुंच चुका था। जन जन में त्राहि-त्राहि मची हुई थी।, यह सब देखकर पृथ्वी इतनी ज्यादा व्यथित हुई कि वह व्याकुल हो उठी, तब उसने अपनी समस्या निदान की भगवान विष्णु से प्रार्थना की, विष्णु ने उन्हें आश्वासन दिया कि - ₹हे पृथ्वी तू चिंतित हो रही है मैं बहुत जल्दी ही तेरी छाती का भार हल्का कर दूंगा। जा तू ?निश्चिंत रह मैं शीघ्र ही अवतार लेकर कंस का वध कर दूंगा। पृथ्वी पर बढे पाप अधर्म और चारों ओर मचे हाहाकार को खत्म करूंगा।₹ पृथ्वी यह सुनकर बड़ी प्रसन्नचित वापस लौटती है।

उधर कंस की राजधानी इस समय मथुरा थी। उसने अपने न्यायप्रिय पिता को बेड़ियों में जकड़कर काल कोठरी में डाल दिया था और स्वयं जबरदस्ती राजा बन बैठा था। कंस के इस कदम से किसी को जरा भी प्रसन्नता नहीं हुई उल्टे हर कोई बहुत दुखी हुआ, पर किसी की भी हिम्मत नहीं थी कि वह उसके विरुद्ध कोई भी टिका टिप्पणी कर सके ?। सो सभी ने मुंह सी लिया था। कंस की एक बड़ी लाड़ली बहिन देवकी थी, उसने उसका विवाह अपने ही दरबार के उच्चाधिकारी वसुदेव से कराया था। एक दिन भविष्यवाणी होती है कि - ₹हे कंन्स अब तेरा विनाश होने का समय निकट आ गया है, तेरा काल शीघ्र ही तेरी ही बहन देवकी के कोख से जन्म लेगा₹। कंस ने जब यह सुना तो उसने तत्काल अपनी प्यारी बहिन और अपने बहनोई देवकी वासुदेव को करागार में डाल दिया। कंस भविष्यवाणी से इतना ज्यादा डर गया था कि उसने कृष्ण जन्म के पूर्व ही देवकी के सात नवजात शिशुओं को मौत के घाट उतार दिया। वहीं उसने राज्य में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चों को भी मार डाला। उस कालखंड में जन्मे सहस्त्रों शिशु आने वाली क्रांति के लिये बलि हो गये। लेकिन जो होना है वह तो होकर ही रहेगा, जो विधाता ने लिख दिया है वह तो किसी के मिटाए मिट ही नहीं सकता, कंस चाहे कितना भी शक्तिशाली रहा पर वह भी विधि की रचनाओं में बाधा नहीं डाल सका।

देवकी पुनः आठवीं बार पुनः गर्भवती थी। निरंतर कंस के गुप्तचरों की निगरानी जारी थी, कि कब देवकी शिशु को जन्म दे और कंस उसका वध कर सके। भादो की काली अंधेरी रात्रि कृष्ण पक्ष की बेला में अर्धरात्रि को कारावास में ही कृष्ण ने जन्म लिया। कृष्ण जन्म के समय सभी द्वारपालो गुप्तचरों को अचेतावस्था ने आ घेरा (वह तो कृष्ण की माया थी) और वसुदेव ने गुप्त रूप से कृष्ण को मथुरा से दूर सुरक्षित स्थान वृंदावन में नंद के पास पहुंचा दिया, जहां देवकी से भी बढ़कर ममत्व लुटाने वाली माता यशोदा कृष्ण का इंतजार कर रही थी। कंस ने कालांतर में कृष्ण का पता लगाकार पूतना, अकासुर, बकासुर, धन्वासुर, कालिया नाग आदि अनेक राक्षसों के द्वारा कृष्ण का वध करना चाहा, किंतु कृष्ण ने इन सभी का नाश खेल खेल में ही कर दिया। शत्रु उसे मारने आते, कृष्ण उन से खेलते और वे मारे जाते। वे तो बस मंद-मंद मुस्कुराते रहते और बांसुरी बजाते रहते। एक तरफ ये खेल चल रहा था। दूसरी ओर कृष्ण गोपियों की मटकी फोड़ना, दही और माखन चुराना और तरह तरह की बाल सुलभ लीलाओं का खेल भी खेल रहे थे। जब माता यशोदा उनके शरारतों से तंग आकर उनके कान उमेठती तो कृष्ण बढ़ी मासूमियत से कहते हैं।

" ब्यान आन सन बैर पड़ी हैं,
बरबस मुख लपटाओ ,
मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो "

माखनचोर कृष्ण क्या गोपियां और क्या ग्वाले वह तो जनजन के मन में बस गये है। कृष्ण की मोहनी मूरति के प्रेम में सारा समाज ही डूब रहा था। वो शायद कृष्ण के मन में यमुना के पानी से अधिक गहरा प्रेमजाल था, जिससे प्रत्येक जन को अपने अंदर समा लिया था। कृष्ण का प्रेम तो गोपियों, ग्वालो, गांव, वृंदावन, कुंज गलियों, कदंब पेड़ों, यमुना नदी और क्या कहें सृष्टि के कण कण में उसकी मनोहर छवि और बांसुरी की माधुरी में सब कुंछ समा गया। महारास के प्रेम पर्व पर हर गोपी के साथ पारलौकिक प्रेम के नृत्य माधुर्य में डूबे गोपाल कृष्ण की मधुर मुरली की वह तान जब गोपियाँ सारे बंधन और लोकलाज को तज तोड़कर पहुंच गई थी, अपने गोपाल कृष्ण के पास। अधूरे श्रृंगार में अधूरे वस्त्र में प्रेमरस से भावविभोर, जिसे घर में बंद कर दिया गया था, उस गोपी का मात्र शरीर ही रह गया, दिव्य आत्मा तो शरीर त्यागकर पहुंच गई महारास में। कृष्ण वृंदावन छोड़ मथुरा के लिये प्रस्थित हो रहे थे, तब विश्व के इस महान प्रेमी कृष्ण के लिये वृंदावन, बाग-बगीचे, ग्वाले गोपियां, फूल-पत्ते, घाट-बाट, गाय-बछड़े, नर, नारी, नंद यशोदा सभी रो उठे थे उनकी विरह वेदना से, पर.... कृष्ण ने भी तो इस विरह वेदना को भोगा था।

उधो माहि ब्रज रिसरत नाही, वैसुर भी वैधक दोहनी सरग, दुहावनी जाही,
दरस बिन दूखन लागे नैनन ।।

वृंदावन में वही गलियां हैं, वही पेड पौधे हैं, वहीं घाटबाट है वही यमुना का तट हैं वहीं कदंब का पेड़ हैं, पर कृष्ण के बिना कहीं हलचल नहीं कलरव नहीं हैं। कृष्णा के बिना तो मानो सब कुछ निर्जीव सा हो गया हैं, जैसे आत्मा के बिना इस शरीर का कोई महत्व नहीं हैं, वैसे ही कृष्ण के बिना वृंदावन तो जैसें अनाथ हो गया। ऐसे उदात्त प्रेम का संदेश देने वाले कृष्ण का जीवन वैभव विलास में नहीं बीता, उन्होने तो प्रकृति की गोद में निर्वासित जीवन का बचपन बिताया। उन्होंने पेड़ पौधे, नदी पहाड़, जीवजंतुओं को अपना प्यार दिया। दूध- दही घी और मक्खन के अमृत से स्वस्थ जीवन देने वाली गौ की सेवा चाकरी की। और कृष्ण ने इससे वहीं संदेश दिया कि हमारे जीवन में वनसंपत्ति और पशुधन का बहुत महत्व हैं।

"बिन गोपाल बैरन भई कुंजियांह ।कृष्ण मथुरा गमन करते हैं ऊधो उन्हें वृदांवन छोड़ने के लिये बाध्य तो कर देते हैं पर उनका प्रेमरस से सिद्ध हृदय नहीं बदल पाते हैं। कंस का वध आखिर भविष्यवाणीनुसार कृष्ण के हाथों होता हैं। कृष्ण उनके पिता को पुनः सिंहासनरूढ़ करते हैं। कृष्णा ने दुराचारी कंस का वध किया बल्कि एक और राज्य था जहां एक आततायी राजपुरुष अत्याचार व पापाचार की ओर अग्रसर हो रहा था, एक ऐसे राजवंश का जो अपनी ही कुलवधू को भरी सभा में वस्त्रहीन कर रहा था, उसे भी सत्य और न्याय का पाठ पढ़ाया। हस्तिनापुर राज्य में कौरव पांडव (सभी भाई) के बीच राज्य का विवाद गहरा हो रहा था। बड़े विद्धजन सूरमा जिसमें भीष्म, द्रौण, कृपाचार्य, विदुर आदि चुपचाप तमाशबीन बनकर रह गये। सत्य की बड़ी विचित्र व्याख्या हो रही थी। धर्म (युधिष्ठिर) और छलकपट (शकुनी) जुआ खेल रहे हैं। दांव में पांडवों की पत्नी लग हुई हैं। भाई की पत्नी को निर्वस्त्र कर दुर्योधन जांध पर बैठाने का संकल्प किया हैं, धृतराष्ट्र अंधा हैं, और अंधा ही बना हुआ हैं। गांधारी ने आंखों पर पट्टी बांध ली हैं।

अन्याय अपनी आंखों से सभी देख रहे हैं। यह सब हो रहा हैं और कहा जा रहा हैं सत्य और न्याय कौरवों के पक्ष में है। अंततः जो होना था वह हुआ "महाभारत" अवश्यंभावी हो गया। युद्ध की घोषणा हो गयी। कृष्ण ने हथियार न उठाने की शपथ लेकर पांडवों का सारथी बनना स्वीकार किया। दोनों ओर से शंख, घंटे और युद्ध की अभिलाषा बढ़ाने वाले वाद्यों की ध्वनि प्रतिध्वनि हो रही थी। आकाश और पृथ्वी को गुंजित करने वाली तुमुलध्वनि और शस्त्रों के टंकार के बीच अर्जुन ने कृष्ण से कहा -- "हे केशव मेरे सामने युद्ध करने के लिये कौन कौन उपस्थित हैं, कृपाकर उन्हे देखने के लिये मेरा रथ दोनों सेनाओं के बीच ले चलें।" अर्जुन ने जब देखा सामने उसके' भाई-बंधु, पितामह, साले संबंधी, गुरु सखा, सभी खड़े हैं तो अर्जुन भाव विव्हल हो उठते हे और कहते हैं - ₹हे केशव मैं यह युद्ध नहीं लड़ सकता। मेरा शरीर इन्हें देखकर कांप रहा हैं मेरा मन द्रवित और चित्त स्थिर नहीं रह गया हैं।

न कांक्षे वियंज कृष्णं"
न च राज्यं सुखानिच
किंतो राज्योन गोविंद
किं भोगेर्जा वितेन वा" ।।

अर्जुन शस्त्र त्यागकर बैठ जाते हैं। तब कृष्ण उन्हें कहते हैं "हे सखा बड़े विषम समय में तुम्हारी बुद्धि भ्रमित हुई हैं, तुम तो कायरता को प्राप्त हो गये हों। तुम हदय की उच्च भावनाओं से दूर हो गये हो। क्षुद्रता के शिकार हो गये, इस क्षुद्र दुर्बलता को त्याग दो। कृष्ण ने उन्हें आगे समझाते हुये 'कहा कि ₹हे अर्जुन जो सोच करने योग्य नहीं हैं, तू उनको सोचा करता है , अरे वे सब जिन्हें युद्ध करना हैं वे अमर होकर नहीं आये हैं, उन्हें मरना ही हैं, तू तो निमित्त मात्र हैं। आदमी तो कर्म करता है। यश अपयश का भी भागी होता हैं, परंतु, कर्म तो उसे करना ही हैं, जो जनम लिया हैं। जीवित व्यक्ति की मृत्यु और मरे हुए का जन्म होना निश्चित हैं। तुझे मोह हो गया है। भले ही तू ज्ञानियों की बातें कर रहा है, अरे तेरे सामने तो युद्ध उपस्थित हैं और तू कर्तव्य त्यागकर संन्यासियों की सी बातें कर रहा हैं।? जीतकर पृथ्वी का राज्य भोगो, या मरकर स्वर्ग का राज्य प्राप्त करो यही विरोचित धर्म हैं तुम्हारा।"

महाभारत युद्ध के द्वारा कृष्ण ने कर्मयोग की व्याख्या की हैं। कृष्ण के गीतोपदेश और साक्षात ईश्वर दर्शन कर अर्जुन दिव्य दृष्टि से देखता है तो उसे अपनी नादानी और भूल पर बड़ा विक्षोभ होता है। वह तक्क्षण युद्ध के लिये उद्थत हो उठता है। कौरव राजवंश के नाश के लिये चल रहे अठारह दिनी युद्ध महाभारत में कृष्ण ने युद्ध नीति, कूटनीति और रणनीति का कुशल संचालन किया। पाण्डवों की अकल्पनीय जीत का मुख्य आधार स्तंभ और एक मूल कारण श्री कृष्ण बने।

संक्षेप

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार आज, सभी तरह की तैयारियां पूरी

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार सोमवार को मनाया जाएगा। त्योहार को लेकर लोगों में उत्साह है। जन्माष्टमी पर मंदिरों व गांवो में झाकी राम डोल के कार्य क्रम की तैयारियां जोरों पर हैं तहसील बीघापुर मुख्यालय पाटन क्षेत्र में लगभग प्रत्येक गांव में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया जाता है श्री कृष्ण जन्माष्टमी में सबसे अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ प्रसिद्ध शक्ति पीठ मां चंदिका देवी मन्दिर बक्सर में होती है। श्रीकृष्ण जन्म उत्सव में ग्रामों में लगने वाले मेले के लिए के लोग सामूहिक रूप से किसी मंदिर में राधा कृष्ण की प्रतिमा को रखकर सजाते हैं मंदिर को भी सजाने का कार्य करते हैं लोग तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं पूरे मंदिर परिसर को साफ सफाई सहित आसपास के क्षेत्रों को फूलों और रंग बिरंगे इलेक्ट्रॉनिक लाइटों से सजाया जा रहा है भगवान श्री कृष्ण और माता राधे को भी नए वस्त्र और फूल मालाओं से सजाया जा रहा है। रामडोल के नाम से कहते हैं जो प्रतिदिन पूजा पाठ कीर्तन भजन महिलाओं व पुरुषों के द्वारा प्रतिदिन किया जाता है अंतिम दिन सभी लोग मिलकर किसी स्थान पर हर्ष उल्लास के साथ मेले का अयोजन करते हैं।

सत्संग कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। मनोहर लाल निगम मेमोरियल चैरिटेबल सोसायटी के तत्वाधान में मोहान कस्बा में जय गुरुदेव आश्रम मनोहरम मंदिर में वार्षिक उत्सव एवं जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया सत्संग में पधारे राजेंद्र मिश्रा ने प्रवचन में बताया कि जीवन में गुरु का सर्वश्रेष्ठ स्थान है गुरु मनुष्य को सांसारिक बंधनों से सहज साधना कराकर आत्मा को परमात्मा से मिलने का कार्य करते हैं मनुष्य जीवन की सभी योनियों में श्रेष्ठ होता है और यह प्रभु की प्राप्ति के लिए मिलता है हमें सभी कार्य ईमानदारी से करते हुए शाकाहार एवं नशा मुक्त जीवन अपनाना चाहिए इससे चेतना शक्ति मजबूत होगी सभी कार्य ईमानदारी से करना चाहिए गुरु के बगैर मानव जीवन व्यर्थ है। इस अवसर पर चैरिटेबल सोसायटी के अध्यक्ष मंजुल निगम, विजय शंकर निगम ,अनंत ,शशि ,देवाशीष मिश्र, सुमन ,गोपाल ,नीलम , हर्ष निगम आदि लोग मौजूद रहे

अमरोहा में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

हसनपुर, अमरोहा थाना आदमपुर क्षेत्र के गांव चकफेरी में एक 27 वर्षीय युवक का शव अपने ही खेत में पेड़ पर लटका मिला। इससे गांव में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान भोलू पुत्र नंदू के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव के लोग घटनास्थल पर जुट गए।

लखनऊ मे 5 सितंबर को अपनी मांग को लेकर हुंकार भरेंगे शिक्षा मित्र

अमन लेखनी समाचार/संतोष मिश्रा

बहराइच। रविवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षामित्र संघ शाखा पयागपुर की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रान्तीय प्रवक्ता/जिलाध्यक्ष बहराइच आदरणीय शिवश्याम मिश्र ने किया बैठक का संचालन हुजूरपुर ब्लाक के अध्यक्ष गिरीश जायसवाल ने किया। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि कि 5 सितंबर को लखनऊ में आयोजित धरने को ऐतिहासिक बनाने पर जोर दिया और भारी से भारी संख्या में पहुंचने की अपील की। बैठक को संबोधित करते हुए ब्लाक अध्यक्ष पयागपुर प्रवीण तिवारी ने कहा कि इस बार आर पार की लड़ाई लोकतांत्रिक तरीके से लडने की आवश्यकता है। ब्लाक अध्यक्ष पयागपुर ने सभी शिक्षामित्रों की सहमति से कृष्णावती को विकास खण्ड पयागपुर की महिला प्रभारी मनोनीत किया। बैठक में विनोद कुमार तिवारी, संतोष वर्मा, सतीश यादव, कमलेश वर्मा, पंकज शुक्ला, विश्वास कुमार शुक्ल,मो कादिर, रामखेलावन, रामधीरज मौर्या, ओमप्रकाश यादव, रामनारायण यादव,प्रमोद गुप्ता, सीमा सिंह, गीता पाण्डेय, वेदवती, सिद्धनाथ तिवारी, रामदेव मोहब्बत अली आदि शिक्षा मित्र मौजूद रहे।

सुजौली में सासंद व विधायक बलहा ने बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सांसद व विधायक की उपस्थिति में राहत सामग्री का वितरण किया गया। राहत सामग्री पाकर बाढ़ पीड़ितों के चेहरे पर सुकून देखने को मिला वही जनप्रतिनिधियों ने बाढ़ पीड़ितों की हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

तहसील मिहींपुरवा के विधानसभा बलहा के मण्डल चफरिया के ग्राम पंचायत सुजौली के बाढ़ प्रभावित मजरों के बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री का वितरण किया गया। वितरण कार्यक्रम में सासंद डाक्टर आनंद कुमार गोंड, विधायक सरोज सोनकर, ब्लॉक प्रमुख मिहींपुरवा अभिषेक सौरभ वर्मा रहे। सासंद ने राहत सामग्री वितरण करते हुए कहा कि सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी हुई है उन्हें प्रत्येक कदम पर सहयोग किया जा रहा है। विधायक सरोज सोनकर ने कहा कि सरकार बाढ़ पीड़ितों को लगातार सहयोग कर रही है। बाढ़ राहत सामग्री किट वितरण कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी मिहीपुरवा संजय कुमार,एवं उनकी टीम व पूर्व ब्लाक प्रमुख श्रवण मदेसिया, शिव कुमार शुक्ला, संजीव कुमार गोंड, प्रभुनाथ गौतम, जितेन्द्र तिवारी, आईटी प्रमुख तरुण कुमार तिवारी तेजस , मंडल अध्यक्ष राजेश गुप्ता, मानवेंद्र प्रताप सिंह मन्नू, कल्याण सिंह, चंद्रभूषण सिंह सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थिति रहे।

पयागपुर विधायक ने ग्रामीणो संग सुनी प्रधानमन्त्री के मन की बात

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। विधानसभा क्षेत्र के पयागपुर के ग्राम इटहुवा, खजुहा में भाजपा सेक्टर संयोजक विजयभान सिंह के आवास पर बूथ संख्या 384 में पयागपुर के विधायक सुभाष त्रिपाठी ने कार्यकताओं व ग्राम वासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्मन की बातश् कार्यक्रम को सुना। इस अवसर पर ग्राम प्रधान रामू सिंह, भूपेंद्र सिंह, हुकुम सिंह, सेक्टर संयोजक भाजपा चंद्र वीर सिंह, कुंवर बहादुर सिंह, महेश शुक्ला, बूथ अध्यक्ष, सुभाष सिंह व त्रिलोक सिंह, परशुराम गौतम, राम कृपाल चौधरी, राम अचल, राम राज सिंह, विनोद सिंह, बीडीसी बड़कऊ सिंह, रामकुमार सिंह सहित भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

स्थानान्तरित सीडीओ को दी गयी भावभीनी विदाई

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। शनिवार को देरशाम विकास भवन सभागार में आयोजित विदाई समारोह में मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर को भावभीनी विदाई दी गयी। इस अवसर पर जिलाधिकारी मोनिका रानी, डीएफओ कतर्नियाघाट बी. शिव शंकर, डीडीओ राज कुमार, उपायुक्त मनरेगा सतीश पाण्डेय, डीपीआरओ राघवेन्द्र दिवेद्वी सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्थानान्तरित सीडीओ को पुष्प गुच्छ तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर विदाई दी। विदाई समारोह को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने कहा कि अनुशासित और सकारात्मक सोच रखने वाली अधिकारी के तौर पर रम्या आर को याद रखा जायेगा। डीएम ने कहा कि स्थानान्तरित सीडीओ की एक खूबी यह भी थी कि सरकारी कार्यों के साथ सामाजिक सरोकार के अन्य कामों को भी पूरी संजीदगी के साथ अन्जाम देती थीं। डीएम ने कहा कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 तथा भारत संकल्प यात्रा तथा सेवा से संतृप्तिकरण अभियान के दौरान रम्या आर ने सौपे गये उत्तरदायित्वों का निर्वहन बखूबी किया गया। समारोह को डीएफओ कतर्निया, डीडीओ, उपायुक्त मनरेगा, डीपीआरओ, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, बीडीओ फखरपुर व महसी सहित अन्य वक्ताओं ने निवर्तमान सीडीओ के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। विदाई समारोह को सम्बोधित करते हुए निवर्तमान सीडीओ रम्या आर ने सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनपद बहराइच को वह हमेशा याद रखेंगी। जिलाधिकारी के मार्ग निर्देशन में एक टीम भावना के साथ कार्य करने के लिए उन्होंने सभी सहयोगी अधिकारियों की सराहना की। विदाई समारोह का संचालन शिक्षक कवि संतोष सिंह ने किया।

प्रेम में भगवान ने राजसी भोज छोड़कर भक्त के घर खाई साग रोटी

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। भगवान भाव के भूखे है भक्त ने भक्ति में भगवान को जब जिस रूप में चाहा है प्राप्त किया। भक्त के प्रेम में भगवान ने राजसी भोज छोड़ भक्त के घर साग रोटी खाई है। उक्त बातें कस्बा फतेहपुर चौरासी के मोहल्ला गांधीनगर में चल रही श्री मद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथा वाचक मां भुवनेश्वरी पीठ के पीठाधीश्वर नीरज स्वरूप ब्रह्मचारी ने विदुर की भक्ति एवं कर्दम ऋषि का चरित्र सुनाते हुए कही। उन्होंने कहा कि भगवान भक्त के प्रेम और भाव के भूखे है। मानव ने अपनी भक्ति से उन्हे जब जिस रूप में चाहा प्राप्त किया। विदुर की भक्ति की कथा सुनाते हुए कहा कि भगवान ने दुर्योधन के घर राजसी भोजन एवं मालपुआ का परित्याग कर भक्ति के वशीभूत होकर विदुर के घर साग रोटी तथा केले के छिलके खाकर भक्ति का मान रखा। उन्होंने कहा कि कलिकाल में भगवान की भक्ति ही मानव जीवन के उद्धार का सरल साधन है। कलियुग में मानव केवल हरी नाम स्मरण मात्र से भगवत कृपा प्राप्त कर सकता है। कथा के द्वितीय दिवस आचार्य अरविंद द्विवेदी एवं नैमिश निवासी आचार्य स्वतन्त्र मिश्र ने वैदिक मंत्रोचार से पूजन कार्य संपन्न कराया। इस दौरान परीक्षित संतकुमार त्रिवेदी, पण्डित चंद्रप्रकाश,मुन्ना त्रिवेदी,बबलू त्रिवेदी,रजनीश त्रिवेदी, मनाली,आलोक,पवन पांडे,संतोष,लकी,रजनीश,सचिन, अवनीश कुमार,मधुर त्रिवेदी, अंकित, सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं मौजूद रहे।

लाखों की ज्वेलरी के साथ पकड़े गए 4 बदमाश

- अमेठी पुलिस ने सीज की दो गाड़ियां, 23 फोन और 50 हजार रुपए मिले

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, अमेठी पुलिस को अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से हजारों रुपए कीमत के चोरी के दो दर्जन मोबाइल फोन, लाखों रुपए के चोरी के जेवर और 50 हजार रुपए नगद बरामद हुए हैं। घटना शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के जेहटा उसरहा से अहोरवा भवानी मार्ग पर हुई। पुलिस भोर में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान दो मोटरसाइकिल सवार चार युवक सामने आए। पुलिस ने इन चार युवकों को हिरासत में लिया और उनकी तलाशी शुरू की। तलाशी के दौरान युवकों के पास से एक बैग मिला, जिसमें चोरी के 23 मोबाइल फोन, बड़ी मात्रा में चोरी की ज्वेलरी, और 50 हजार रुपए नगद बरामद हुए। इसके अलावा, युवकों के पास से दो गाड़ियों का कागज भी नहीं था, जिसके कारण पुलिस ने दोनों गाड़ियों को सीज कर दिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी अनुज कुमार उर्फ शनि (मोहंगनज), अमरेश पुत्र घनश्याम (इन्हौना), अजय कुमार यादव (मोहंगनज) और आशीष (इन्हौना) हैं।

सिद्धार्थनगर में 17 वाहनों का काटा गया चालान

15 हजार रूपए के जुमार्ने की हुई वसूली, आरटीओ और पुलिस विभाग ने चलाया अभियान

अमन लेखनी समाचार

सिद्धार्थनगर, सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज में एआरटीओ व पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई कर दो बसों और 15 दो पहिया वाहनों का चालान किया। जिसमें कुल 17 वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। इस दौरान उनसे 15 हजार रुपए का जुमार्ने के रूप में वसूला गया। एआरटीओ एस के मौर्या व प्रभारी निरीक्षक डुमरियागंज रमेश यादव द्वारा संयुक्त रूप से वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान भगदड़ मच गई। अभियान के दौरान डुमरियागंज मंदिर चौराहा, बेवा चौराहा, हल्लौर नहर के पास आने-जाने वाले वाहनों की चेकिंग की गई। जिसमें लखनऊ आने-जाने वाली दो बसों और 15 दो पहिया वाहनों का चालान किया गया। एआरटीओ एस के मौर्या ने बताया कि यातायात की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरटीओ और पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से सख्त कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में क्षमता से अधिक सवारी ले जाने वाले वाहनों पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि डग्गामार वाहनों के रोकथाम के लिए जनपद के सभी फिटनेस फेल वाहन स्वामियों को नोटिस भेजा गया है। प्रभारी निरीक्षक रमेश यादव ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि यात्री बस संचालक नियमों का उल्लंघन करेंगे, तो पुलिस प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। उन्होंने बताया कि त्योहारों के दौरान यात्रियों की संख्या में वृद्धि होती है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। इस वजह से इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। दोनों विभाग मिलकर इसे अंजाम दे रहे हैं। यह अभियान लगातार जारी रहेगा। इस मौके पर शिवकुमार यादव, श्याम सुंदर मौर्या, शैलेश सिंह, सतीश सिंह, अवध बिहारी सिंह, देवेंद्र गुप्ता समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अमरोहा में दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे

- सात लोगों का सिर फूटा, डर के मारे लोग घरों में छुपे

अमन लेखनी समाचार

अमरोहा, अमरोहा की नगर कोतवाली इलाके में बीती रात दो पक्षों में पुरानी रंजिश को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। दोनों पक्षों में करीब आधे घंटे तक लाठी डंडों से मारपीट हुई। मारपीट देख मोहल्ले में भगदड़ मच गई, लोग अपने अपने घरों में छुप गए। दोनों पक्षों में हुई इस मारपीट में सात लोगों के सिर फूटे हैं। जिन्हें मौके पर पहुंची पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। साथ ही पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर दोनों पक्षों का अलग अलग मुकदमा दर्ज किया है। मामला अमरोहा नगर कोतवाली इलाके के मोहल्ला कटकुई का है। बताया जा रहा है कि मोहल्ले में रहने वाले उमैर और सदीम की कुछ दिन पहले किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। हालांकि तब तो मामला निपट गया था, लेकिन बीती गुरुवार की रात दोनों पक्षों में फिर से मारपीट हो गई। दोनों पक्षों में लाठी डंडे चले। इस मारपीट में दोनों पक्षों से सभासद गुफरान सहित सात लोगों के चोटें आई हैं। जिन्हें मौके पर पहुंची पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। नगर कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि मारपीट के मामले में दोनों पक्षों की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

स्कूल स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रम का शुभारंभ

एक्सपर्ट ने बताया- डॉक्टर ही रख सकते हैं स्वस्थ समाज की नींव, बच्चों के विकास पर जोर

अमन लेखनी समाचार

हापुड़, जिले में स्कूल स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रम (एसएचडब्ल्यूपी) का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य स्कूल जाने वाले बच्चों में स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना और उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास सुनिश्चित करना है। इस कार्यक्रम के तहत शिक्षकों को जागरूक किया गया, जिसमें प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ. प्रीति सिंह ने अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. सुनील त्यागी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत हर स्कूल में दो शिक्षकों को 'स्वास्थ्य और कल्याण राजदूत' के रूप में नामित किया जाता है। इन राजदूतों में एक पुरुष और एक महिला शिक्षक शामिल होते हैं, जिन्हें स्वास्थ्य संवर्धन और बीमारी की रोकथाम के विषयों पर विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाता है। डॉ. प्रीति सिंह ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों और किशोरों में बीमारियों का शीघ्र पता लगाना और उनका उपचार करना मुख्य उद्देश्य है। खासतौर पर कुपोषण और एनीमिया से पीड़ित बच्चों की पहचान कर उन्हें उचित उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और अस्पतालों में भेजा जाएगा।

ज्ञान कुंभी प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित

- अमेठी की 99 न्याय पंचायतों से शामिल हुए थे बच्चे, अब तहसील स्तर पर लेंगे भाग

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, जिले के बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित ज्ञान कुंभ प्रतियोगिता का समापन धूमधाम से हुआ। इस प्रतियोगिता का आयोजन जिले के सभी 99 न्याय पंचायतों में किया गया था। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को आज पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। ये विजेता अगले महीने अगस्त के अंतिम सप्ताह में होने वाली तहसील स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों में ज्ञान का संवर्धन करने के उद्देश्य से ज्ञान कुंभ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता के तहत, न्याय पंचायत स्तर पर चयनित 9-9 प्रतिभागियों ने विकास खंड स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कुल 99 न्याय पंचायतों से 891 छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान दो घंटे की अवधि में 20 अंकों की क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसके बाद 'जस्ट ए मिनट' गतिविधि हुई, जिसका मूल्यांकन 5 अंकों में किया गया। इस प्रकार, प्रत्येक विकास खंड से कक्षा 6, 7 और 8 से 3-3 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया, जो आगामी तहसील स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। विजेता छात्र-छात्राओं को संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

संक्षेप

जालौन में झाड़ी में पड़ा मिला ग्रामीण का शव

दो दिनों से था लापता, रक्षाबंधन पर आया था घर; पुलिस जांच में जुटी

जालौन, जालौन में दो दिन से लापता एक ग्रामीण का शव गांव के बाहर झाड़ी में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने झाड़ी में जब शव को देखा, जिससे वह दहशत में आ गए और उनकी भीड़ जमा हो गई।जिसकी तत्काल पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। जिन्होंने मामले की जांच करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतक के शव के पास शराब की बोतल पड़ी मिली है। मामला कैलिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम भडारी का है। यहां के रहने वाला सुरेश पाल (42) पुत्र हरी सिंह बाहर रहकर अपने धंधा करता था। वह रक्षाबंधन के पर्व पर घर पर आया था, लेकिन दो दिन पहले वह अचानक गायब हो गया।जिस पर परिजन उसकी खोजबीन कर रहे थे, मगर आज गांव के बाहर झाड़ी से ग्रामीणों को बदबू आई, जिस पर ग्रामीणों ने झाड़ी की तरफ झांककर देखा, जहां पर युवक शव पड़ा देखा वह दहशत में आ गए। गांव के बाहर झाड़ी में शव मिलने की सूचना, जैसे ही गांव के लोगों के साथ पुलिस को मिली। ग्रामीणों के साथ पुलिस, फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। जिन्होंने शव को झाड़ी से निकाला और उसकी पहचान सुरेश पाल के रूप में करते हुए कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।परिजनों का कहना है कि सुरेश रक्षाबंधन के पर्व पर घर आया था, मगर 2 दिन से वह गायब था। उसकी खोजबीन की जा रही थी।मगर उसका कहीं पता नहीं लग सका था। आज उसका शव मिला है, शव के पास शराब की बोतल पड़ी थी। इस मामले में कैलिया थाने के प्रभारी निरीक्षक राजीव वैस का कहना है कि इस मामले की जांच की जा रही है, फोरेंसिक टीम की मदद से सारे सबूत एकत्रित किए गए हैं।जिस पर जांच की जा रही है। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। जिससे मौत का कारण स्पष्ट हो सके।

जालौन में रेडीमेड कपड़ों की दुकान में लगी आग

लाखों रुपए के कपड़े जलकर खाक, पड़ोसियों ने पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की

जालौन, जालौन के कोंच नगर के पुरानी सब्जी मंडी स्थित लाजपत नगर में देर रात शॉर्ट सर्किट के कारण एक रेडीमेड कपड़ों की दुकान में अचानक आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया, जिससे लाखों रुपए के कपड़े जलकर खाक हो गए। फिरोज नामक दुकानदार की दुकान में गुरुवार शाम को आग लगने से पहले दुकान बंद कर घर चले गए थे। तड़के करीब 3 बजे दुकान से अचानक आग की लपटें दिखाई दीं।

आग की लपटें देखकर आसपास के दुकानदारों ने तुरंत पड़ोसियों को सूचित किया और पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की।

पुरातत्व विभाग ने दिखाई जागरूकता

सँवारा जा रहा मीरा बाई के गिरधर गोपाल व रसिक बिहारी का मंदिर

अमन लेखनी समाचार/निर्मित द्विवेदी

फतेहपुर। जनपद फतेहपुर में पुराणों में उल्लिखित छोटी काशी,गौरी कुमारिका के नाम से विख्यात मीरा के गिरधर गोपाल वाले स्थान से अपनी पहचान को स्थापित किए मलवा विकास खंड के गंगा किनारे बसे शिवराजपुर का ढाई सौ साल पुराना रसिक बिहारी मंदिर अब सवर रहा है।रंग रोगन से यहाँ की खूबसूरती मे निखार आ रहा है।पर्यटन विभाग की पहल पर डेढ़ करोड़ के खर्चे से मंदिर को संवारने का काम भी शुरू हो गया।शिवराजपुर में जमीदार हर प्रिया शरन ने रसिक बिहारी मंदिर को बनवाया था।बताया जाता है कि मंदिर ढाई सौ साल पुराना है।मीराबाई द्वारा 15वीं शताब्दी में गिरधर गोपाल की मूर्ति स्थापना के बाद से शिवराजपुर कृष्ण भक्ति का केंद्र रहा है।यूं तो गंगा के किनारे बहुत से मंदिर है लेकिन शिवराजपुर को छोटी काशी का भी गौरव प्राप्त है। पुरातत्व विभाग ने अपने कब्जे मे लेकर इसे संरक्षित स्थल घोषित किया।विभाग ने इस मंदिर को नायाब तकनीक व मंदिर संरक्षण का शासन को प्रस्ताव भेजा था जिसे सरकार ने स्वीकार किया और डेढ़ करोड़ रुपए की पूंजी की मंजूरी दे दी पुरातत्व निदेशालय की निदेशक रेणु द्विवेदी ने मंदिर के अभिलेखी करण, अनुरक्षण ड्राइंग और डीपीआर बनाने के लिए उत्कृष्ट हेरिटेज कंसलटेंट कंसलटेंट कंपनी नियुक्त की थी वह कंपनी मंदिर का सर्वे करने के बाद लिखित दस्तावेज एकत्र कर पुरातत्व विभाग को अपनी रिपोर्ट सौपी जिसके बाद मंदिर के लिए धन आवंटित किया गया।मंदिर के जीर्ण शीर्ण भाग के मरम्मतिकरण का सत्तर प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। टीकमगढ़ मध्य प्रदेश के कारीगर यहां पर तेजी से कार्य कर रहे हैं।टूटे-फूटे स्थलों को पुनः विकसित किया जा रहा है एवं पूर्व से अत्यधिक सुंदर मंदिर बने इसके लिए भी जोर दिया जा रहा है।यहां ठेकेदार एवं सुपरवाइजर अपनी देखरेख में कार्य करा रहे हैं एवं जिलाधिकारी द्वारा नियुक्त एक व्यक्ति इसकी निगरानी भी कर रहा है। पर्यटन विभाग मंदिर के सवरने के बाद इसको पर्यटको के लिए खोलेगा। जहां पर विलेज कोऑर्डिनेटर भी नियुक्त कर दिया गया हैं।

गीडा में युवती से दुष्कर्म तीन पर मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र में युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है।युवती के तहरीर पर पुलिस केस दर्ज कर आरोपितों की तलाश कर रही।गगहा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती का आरोप है युवक पिछले वर्ष बहला फुसलाकर कर सहयोगी की मदद से दुष्कर्म कर वीडीयो बना लिया।वीडीयो वायरल करने की धमकी देने लगा।11 अगस्त को नशे की हालत में चाकू लगाकर फिर दुष्कर्म किया।पुलिस के पास जाने पर जान से मारने की धमकी दी।किसी तरह हिम्मत कर युवती ने पुलिस की तहरीर दी। एसओ महेंद्र मिश्रा ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुख्य आरोपित अरूण कुमार, सहयोगी राहुल और प्रीति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य ने बनाया महिलाओं का अश्लील वीडियो

आधा से अधिक महिलाओं की शिकायत पर युवक हुआ गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद असोथर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव सरकंडी मजरे कुसियापुर निवासी पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य फूल कुमार उर्फ मुखिया के ऊपर 8 महिलाओं ने अश्लील वीडियो बनाने का आरोप लगाया मिली जानकारी के अनुसार विगत 10 अगस्त को महिलाओं ने असोथर थाना प्रशासन को लिखित प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि सौंच के लिए जा रही आठ महिलाओं का क्षेत्र पंचायत सदस्य फूल कुमार निषाद ने अश्लील वीडियो बनाया वही वीडियो फोटो लेने के पश्चात महिलाओं को ब्लैकमेल करते हुए वायरल करने की धमकी दे डाली प्रशासन से शिकायत हो जाने की सूचना मिलते ही आरोपी फरार हो गया वहीं थाना परिसर में सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए थाना अध्यक्ष ने आरोपी की खोजबीन प्रारंभ कर दी तेज तर्रार थाना प्रभारी अरविंद मौर्य ने अपने साथी हमराहियों के साथ मिलकर मुखबिर की सटीक सूचना पर आरोपी को गांव में ही एक मकान के सामने से धर दबोचा वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है जिसे कार्रवाई करते हुए कारागार भेज दिया गया

एटीएम बदलकर शातिरो ने 25हजार उड़ाए, रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

खागा/फतेहपुर। जनपद फतेहपुर के खागा कोतवाली क्षेत्र के विजयनगर निवासी चंद्रकांत मिश्रा ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि वे विगत दिनों कस्बे के किशनपुर रोड में बने पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम में अपने डेबिट कार्ड का नया पिन कोड जनरेट करने गए थे। जहाँ एटीएम में पहले से मौजूद तीन शातिरों ने चंद्रकांत के साथ धोखे से एटीएम कार्ड बदल लिया और अपना कार्ड छोड़कर वहाँ से चले गए। जिसके बाद चंद्रकांत के खाते से 10-10 हजार दो बार व 5 हजार एक बार कुल मिलाकर 25हजार रुपये पार कर दिए। पीड़ित ने एटीएम बूथ में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज से जांच की मांग की है। इस मामले में खागा थाना कोतवाल तेजबहादुर सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है, शातिरों की तलाश की जा रही है।

दूषित जल और चारो तरफ फैली गंदगी से संक्रामक बीमारियो की फैलने की आशंका

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। पिपरौली ब्लॉक के बाजार में चारों ओर फैली गंदगी व कूड़े का ढेर लोगों के लिए परेशानी बनी है। गंदगी से बदहाल नालियां व कूड़े से पटे फुटपाथ सफाई के कार्य की हकीकत बयां कर रहे हैं। इससे बाजार में एक बार फिर संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बनी है। आवासीय क्षेत्रों को कई स्थानों पर कूड़ा डंप किए जाने का लोग विरोध किए लेकिन आधिकारियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। यही ढेर लोगों में संक्रामक बीमारियां फैलाने का कार्य कर रहे हैं। आवासीय क्षेत्रों को जमा कूड़े का नजारा सरस्वती देवी इंटर कालेज के सामने,पूरब मुहल्ले,रहमत नगर,मिडिल स्कूल के पास और ब्लॉक मुख्यालय की ओर जाने वाली सड़क सहित कई स्थलों पर देखा जा सकता है। जल निगम पिला रहा दूषित पानी। पिपरौली ब्लॉक स्थित जलनिगम से बाजार सहित आधा दर्जन गावो को पीले पानी की सप्लाई हो रही है। दूषित पानी पीकर लोग बीमार हो रहे हैं। लेकिन जलनिगम के जिम्मेदार समाधान नहीं कर पा रहे हैं। जिससे हजारों लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। एक बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है जो पानी खरीदकर काम चला रहे हैं। पाइपलाइन में लीकेज होने के कारण कई मोहल्लों में पिछले कई महीनो से गंदा पानी आ रहा है,फिलहाल जनता पीला और दूषित पानी पीने को मजबूर है। प्रधान का कहना है कि हमारे यहां बीस सफाई कर्मी चाहिए तब पूरा सफाई हो पाएगा। सफाई कर्मियों द्वारा मोहल्लों की नियमित सफाई कराई जाती है। बरसात का मौसम होने के कारण जलनिकासी में दिक्कत होती है। नालियों की नियमित सफाई करने का निर्देश सफाई कर्मियों को दिया गया है। जिससे जलभराव व गंदगी न फैलने पाए। अरविंद सिंह एडीओ पंचायत को फोन करने पर फोन उठ नहीं रहा है ऐसे जिम्मेदार अधिकारी से किया उम्मीद किया जाए।

छात्रा से छेड़छाड़, हेडमास्टर को लोगों ने पीटा

- मेरठ के स्कूल में बैड टच करते पकड़ा गया, नाखून काटने के बहाने उठाई सलवार

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, मेरठ के मवाना में सरकारी स्कूल के हेडमास्टर ने छात्रा को बैड टच किया। चौथी क्लास में पढ़ने वाली मासूम किसी तरह हाथ छुड़ाकर रोते हुए कमरे से बाहर आई। सूचना पर बच्ची के घरवाले पर ग्रामीण स्कूल पहुंचे और हेडमास्टर को जमकर पीटा। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी हेडमास्टर को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता की मां ने हेडमास्टर के खिलाफ मवाना थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया- मेरी 11 वर्षीय बेटी कक्षा 4 में पढ़ती है। वह स्कूल गई थी। हेडमास्टर जमाल कामिल पुत्र सलाउद्दीन बच्चों के नाखून चेक कर रहा था। जिन बच्चों के नाखून बढ़े थे उन्हें डांट लगाई और खुद नेलकटर से बच्चों के नाखून काटने लगा। पीड़िता की मां ने बताया- जब उनकी बेटी की बारी आई तो टीचर बच्ची को अपने कमरे में ले गया। कुर्सी पर बैठाकर बच्ची के पैर के नाखून काटने लगा और बच्ची को बैड टच किया। हाथ छुड़ाकर बच्ची रोते हुए बाहर आ गई। बच्चों ने स्कूल के पास से गुजर रहे बालिका के चाचा को सारी बातें बताई। उन्होंने फोन कर हम लोगों को बताया। हमारे साथ गांव के लोग भी स्कूल पहुंचे। बच्ची ने रोते हुए मां को घटना के बारे में बताया। हेडमास्टर की हरकत सुनने के बाद लोग उसे पीटने लगे।

जान बचाने के लिए हेडमास्टर टेबल के नीचे घुस गया। लोगों ने टेबल के नीचे से निकालकर उसे पीटा। सूचना पर पहुंची पुलिस किसी तरह उसे बचाकर थाने ले गई।

अज्ञात वाहन के खिलाफ केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां थाना क्षेत्र के हाइवे पर रहिमाबाद के पास मार्ग दुर्घटना व्यक्ति की बीआरडी मेडिकल कालेज में मौत हो गयी।पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर जांच में जुट गयी है। बांसगाव थाना क्षेत्र के जमौली खुर्द निवासी शकुन्तला देवी ने पुलिस को बताया 18 अगस्त को पति सहजनवां क्षेत्र के हाइवे पर रहिमाबाद के पास पति धर्मेन्द्र सिंह खड़े थे,पीछे अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी।जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये।बीआरडी मेडिकल कालेज में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गयी।एसओ विशाल उपाध्याय ने बताया पत्नी के तहरीर पर अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

कुल्हाड़ी से हमला केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के बनगावा निवासी विनोद मौर्य घर पर नहीं थे। पत्नी व बेटी को गांव का मनबढ युवक गाली-गलौज कर रहा था।कुल्हाडी लेकर जान से मारने की धमकी दे रहा था।घर पहुंचने पर विनोद मनबढ युवक से गाली-गलौज का कारण पूछने चले गये।इतने मनबढ ने कुल्हाडी से विनोद के सर पर हमला कर घायल कर दिया।विनोद के बेहोश होने पर युवक फरार हो गया।एसओ महेंद्र मिश्र ने बताया मनोज मौर्य के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

सीतापुर में युवक ने भाई को मार डाला

- जमीन के विवाद में हुई थी कहासुनी, परिवार के साथ मिलकर किया हमला

अमन लेखनी समाचार

सीतापुर, सीतापुर में जमीन के विवाद में एक युवक ने अपने भाई की हत्या कर दी। हमले में एक युवक गंभीर घायल हो गया। जिसका इलाज सीएचसी में चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।घटना बिसवां कोतवाली इलाके की है। यहां मानपुर थाना इलाके के ग्राम शिवथाना निवासी दो सगे भाई राजकुमार और रामसेवक दोनों के बीच जमीन को लेकर काफी लंबे समय से विवाद चल रहा था। दोनों भाई बिसवां के अनंतपुर गौशाला में काम करते थे। बताया जाता है कि सुबह करीब 5 बजे दोनों भाइयों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान राम सेवक ने परिजनों के साथ मिलकर अपने भाई राजकुमार और उनके पुत्र उमेश पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में चाकू लगने से राजकुमार व उमेश को चोट आ गई जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़े। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना कर दोनो घायलो को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां राजकुमार ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। अपर पुलिस अधीक्षक प्रकाश कुमार ने बताया कि मृतक के पुत्र उमेश की तहरीर के आधार पर हत्यारोपी राम सेवक सहित अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया हैं। वारदात में शामिल मुख्य अभियुक्त राम सेवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

मेरठ में धागा कारोबारी के घर डकैती कांड

वारदात कर हापुड़ अड्डे की ओर भागे बदमाश, बाइकों पर लगे थे फर्जी नंबर

अमन लेखनी समाचार

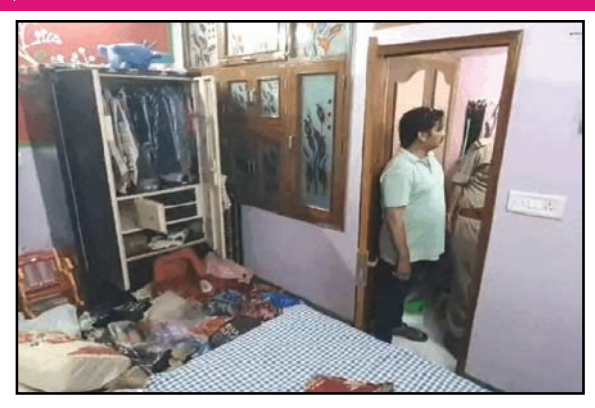

मेरठ, मेरठ में सपा विधायक रफीक अंसारी के रिश्तेदार धागा कारोबारी के घर पड़ी डकैती के मामले में पुलिस की जांच जारी है। आसपास के सीसीटीवी में बदमाश धागा कारोबारी के घर से निकलकर बाइकों से हापुड़ अड्डा की तरफ भागे। इसके बाद नौचंदी इलाके की गलियों में चले गए। पुलिस ने कई सीसीटीवी चेक किए हैं। वहीं एक अहम बात सामने आई है कि जिन बाइकों से बदमाश आए थे उन पर फर्जी नंबर लगे थे। ताकि बाइक के नंबर से पहचान न हो सके। गुरुवार को आईजी नचिकेता झा और एसएसपी डॉ. विपिन ताडा भी कारोबारी के घर पूछताछ करने पहुंचे। रात जाकिर कालोनी चौकी के पास उमर नगर में धागा कारोबारी शादाब के घर डकैती पड़ी थी। इसकी जांच में पुलिस की 4 टीमें, सर्विलांस टीमें भी लगी हैं। गुरुवार को पुलिस टीमें सारे दिन आसपास के इलाकों में पूछताछ कर सीसीटीवी चेक करती रही। फुटेज के आधार पर पुलिस तिरंगा गेट तक बदमाशों के पीछे गई। इसके बाद बदमाश गलियों में चले गए, जहां उनको पुलिस नहीं खोज पाई है। बदमाश 5 बाइकों पर सवार होकर धागा कारोबारी के यहां वारदात करने आए थे।

उनकी बाइकों पर जो नंबर लगे थे वो पुलिस जांच में फर्जी निकले हैं। सीसीटीवी में 9 बदमाश 3 बाइकों पर आते दिखे हैं। सभी ने चेहरे पर कपड़ा बांध रखा था। जब बदमाश दुकान के रास्ते घर में घुसे उस समय पुलिस चेकिंग चल रही थी। इसके बाद भी बदमाश वारदात करके चले गए। बदमाशों ने कारोबारी के बेटे अरहम को गन पाइंट पर लिया और वारदात को अंजाम दिया। 9 में से 2 बदमाशों के चेहरे खुले थे। ये दोनों बदमाश कारोबारी के बेटे अरहम को साथ लेकर शादाब के घर में घुस गए। उसके बाद पीछे से 7 बदमाश आए। 6 बदमाश घर के अंदर चले गए, 3 बदमाश घर के बाहर सड़क पर मूवमेंट करते रहे। 6 बदमाशों ने अरहम के बाद शादाब को भी गन पाइंट पर लिया।

उसके बाद शादाब की पत्नी शबाना, पिता मकसूद, मां सईदा, बेटी दीमिया और अलीजा, भाई शाह फैसल उसकी पत्नी अरसी और दो बच्चों को एक कमरे में बंधक बना लिया। सीसीटीवी फुटेज से सामने आया कि बदमाश पांच बाइकों पर सवार होकर हापुड़ अड्डे की तरफ जा रहे थे।

मेरठ में युवक की जमकर पिटाई

- पीड़ित का आरोप मुकदमा दर्ज होने के बाद भी खुले घूम रहे आरोपी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, मेरठ में एक युवक को कुछ लोगों ने सरेआम बीच बाजार बुरी तरह से पीटा। युवक को पीटने का एक सीसीटीवी सामने आया है। इसमें सरेबाजार कुछ लड़के युवक के साथ मारपीट कर रहे हैं। इतना मारते हैं कि मारते-मारते उसे लहुलूहान कर देते हैं। युवक मदद के लिए चिल्लाता है लेकिन वहां खड़े लोग उसकी मदद नहीं करते। आरोपी युवक को लाठी, डंडों से पीट, पीटकर उसका पैर फाड़ देते हैं। पीड़ित युवक कप्तान के पास सुरक्षा की गुहार लगाने पहुंचा। उसने आरोप लगाया कि मुकदमा दर्ज होने के बाद भी हमलावर फरार घूम रहे हैं। सरधना के राधना गांव का रहने वाला अनिकेत पुत्र स्व. शिवकुमार एसएसपी दफ्तर पहुंचा। अनिकेत ने शिकायत के साथ एक सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को दी है। अनिकेत ने बताया कि 23 जुलाई को उस पर 8 लड़कों ने जानलेवा हमला किया। जिसकी सीसीटीवी फुटेज है। हमले में अनिकेत मरने से बचा। इसके बाद उसने संबंधित थाने में नामजद मुकदमा दर्ज कराया। लेकिन अब तक आरोपी बाहर घूम रहे हैं। पीड़ित ने अरुण, कपिल, पंकज योगेश, सोनू, सौरभ, बर्तुल, मासूम, गौरव के खिलाफ मुकदमा कराया है। इन लोगों ने उस पर तमंचा, चाकू, डंडों से हमला किया। इससे उसका पूरा पैर फट गया। किसी तरह वो अस्पताल पहुंचा और इलाज कराया।

महाविद्यालय में मनाया राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

इसरो की कार्यप्रणाली पर डाला प्रकाश, क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

अनूपशहर, अनूपशहर में महाविद्यालय में भौतिक विभाग द्वारा एवं एनसीसी इकाई द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। भौतिक विभाग के प्रभारी यजवेंद्र कुमार ने अपने अभिभाषण में विद्यार्थियों को बताया कि पिछले वर्ष चंद्रयान-3 के सफल होने के उपलक्ष में 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मानना सुनिश्चित किया गया था। यजवेंद्र कुमार ने चंद्रयान-3 के चंद्रमा पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग के विषय में छात्रों को बताया कि हमारा अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान जिसे हम इसरो के नाम से जाने जानते हैं इसकी स्थापना 1969 में की गई और इसरो के माध्यम से दो उन्नत रॉकेट प्रणाली पीएसएलवी तथा जीएसएलवी का विकास किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर जी के सिंह ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी भारतीय नागरिकों को वैज्ञानिक सोच रखनी चाहिए क्योंकि हमारे संविधान निमार्ता ने भी संविधान में नागरिकों को वैज्ञानिक सोच रखने के लिए कहा है। क्योंकि वैज्ञानिक सोच से हमारा जीवन तथा हमारे सोचने का तरीका प्रमाणिक होता है। इसके अलावा इस कार्यक्रम में एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान पर भावना चौधरी द्वितीय स्थान कुसुम लता तथा तृतीय स्थान संयुक्त रूप से मुस्कान तथा अतुल कुमार को प्राप्त हुआ।

बाइक सवार युवकों ने चलती कार में की तोड़फोड़

- शीशा टूटने से शिक्षाकाएं चोटिल, तीन आरोपी गिरफ्तार, 1 फरार

अमन लेखनी समाचार

सीतापुर, सीतापुर में बाइक सवार शराबी युवकों ने शिक्षकों से भरी मारुति वैन पर हमला करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं एक युवक अभी फरार चल रहा है। ओवरटेक के दौरान बाइक सवार और मारुति वैन चालक के बीच कहासुनी हुई। जिसके चलते बाइक सवार दबंगों ने चलती मारुति वैन पर हमला कर दिया था। जिससे शीशे टूटने से शिक्षक और शिक्षिकाएं चोटिल हो गई थी। मामला संदना थाना इलाके का है। यहां गुरुवार की शाम अलग-अलग स्कूलों से शिक्षण कार्य को समाप्त कर मारुति वैन सवार होकर चार शिक्षिकाएं वापस अपने घर जा रही थी। बताया जाता है कि इसी दौरान थाना क्षेत्र के रालामऊ गांव के निकट दो बाइक पर सवार चार युवक ओवरटेक के दौरान मारुति वैन से टकरा गई। बाइक सवार युवकों ने मारुति वैन को आगे ओवरटेक कर किसी भारी वस्तु से शीशे पर वार कर दिया। जिससे कार का शीशा टूटने से अंदर बैठी शिक्षिकाएं चोटिल हो गई। मारुति वैन में तोड़फोड़ और मारपीट की सूचना मिलते ही प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष संजय सिंह ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आरोपियों को देर रात गिरफ्तार कर लिया।

जिला अपराध निरोधक कमेटी झाँसी का हुआ शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह

समाज को अपराधविहीन बनाने में संस्थाओं का सहयोग अग्रणी- डॉ० संदीप

अमन लेखनी समाचार/हेमन्त यादव

झाँसी। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संरक्षित एवं जेल मैनुअल के अंतर्गत कार्यरत उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति लखनऊ द्वारा गठित जिला अपराध निरोधक कमेटी झांसी का शपथ ग्रहण एवं विभूति अलंकरण सम्मान समारोह का आयोजन राजकीय संग्रहालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ से आये समिति के प्रदेश चेयरमैन एवं समस्त कारागार उत्तर प्रदेश के पदेन जेल पर्यवेक्षक कमलेश श्रीवास्तव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में श्री कृष्ण जन्म स्थान सेवा संस्थान मथुरा के जनसंपर्क अधिकारी विजय बहादुर सिंह उपस्थित रहे। एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय साहित्य परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री डॉ महेश पांडेय बजरंग, समिति की उत्तर प्रदेश महिला प्रभारी सरिता श्रीवास्तव, संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक समाजसेवी डॉ. संदीप सरावगी, मधुर चिंतन हिंदी पत्रिका की उत्तर प्रदेश प्रभारी सरोज शर्मा, गायत्री परिवार हरिद्वार के सक्रिय सदस्य सुशील कुमार गुप्ता, झाँसी कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरविंदर सिंह, बुंदेलखंड प्रभारी चन्द्रशेखर अग्निहोत्री एडवोकेट व अन्य अतिथियों में समिति के प्रभारी पश्चिम प्रदेश प्रेम शंकर गुप्ता, सह प्रभारी नरेंद्र कुमार, सचिव कानपुर जोन राकेश द्विवेदी व प्रदेश सचिव सन्तोष कुमार उपस्थित रहे। स्वागत अध्यक्ष के रूप में जिला कमेटी झाँसी के उपाध्यक्ष इं. रविकांत दुबे ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में समिति के प्रदेश चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव के द्वारा जिला कमेटी झांसी के सचिव डॉ० पवन गुप्ता तूफान सहित जिला कमेटी झाँसी के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को परिचय पत्र व सम्मानपत्र देकर सम्मानित किया गया।

सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को प्रदेश चेयरमैन ने शपथ दिलाते हुए

उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों से अवगत कराया। इस समारोह में झाँसी सहित उत्तर प्रदेश के 15 जिलों से आये विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने 151 लोगों को सामाजिक सेवा गौरव सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि यह कमेटी उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संरक्षित है और अपराध निरोधक के लिए पूरे प्रदेश में काम करती है, उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल इस कमेटी के मुख्य संरक्षक एवं समाज कल्याण मंत्री प्रदेश अध्यक्ष हैं उन्होंने कहा कि समिति का उद्देश्य जेल में निरूद्ध विभिन्न वंदियो को सामाजिक उत्थान से जोड़ना और उन्हें एक अच्छा नागरिक बनाना है, प्रदेश में भयमुक्त वातावरण की स्थापना हो सके और लोग नैतिक पतन से बच सके इसके लिए यह समिति अपना काम कर रही है। विजय बहादुर सिंह ने कहा कि इस प्रकार की कमेटियां समाज में बढ़ते हुए अपराधों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। डॉ संदीप सरावगी ने कहा इस प्रकार की समितियां शासन के सहयोग के लिए बड़ी जिम्मेदारी निभाती हैं झांसी में यह कमेटी अपने दायित्व का निर्वाहन करते हुए शासन - प्रशासन के साथ मिलकर बेहतर कार्य करेगी हमें ऐसा विश्वास है। सुशील कुमार गुप्त ने कहा कि गायत्री परिवार का नारा है हम सुधरेंगे -जग सुधरेगा, अगर प्रत्येक व्यक्ति अपने -अपने कार्यों का मूल्यांकन कर ले तो शायद समाज में अपराध नाम की कोई चीज ही नहीं रहेगी, इसके अलावा अन्य अतिथियों ने भी झाँसी जिला कमेटी के कार्यों की सराहना की। इस मौके पर पदाधिकारी गणों में सचिव डॉ पवन गुप्ता 'तूफान', संयुक्त सचिव डॉ तनुजा कुशवाहा, कमेटी संयोजक डॉ रामकुमार अंक शास्त्री, संगठन सचिव सन्तराम पेंटर, जनसम्पर्क सचिव डॉ. रमेश कुमार दुबे, संयुक्त जनसंपर्क सचिव देवाशीष श्रीवास्तव, संयुक्त सहायक सचिव डॉ राकेश तिवारी, कार्यालय सचिव निधि गुप्ता, संयुक्त कार्यालय सचिव प्रीतिका बुधौलिया, कार्यक्रम समन्वयक रमन शर्मा, ऑडिटर श्याम शरण नायक, प्रचार प्रसार सचिव राजीव शुक्ला, सयुंक्त प्रचार प्रसार सचिव डॉ ह्रदेश खरे, सांस्कृतिक सचिव नरेश चन्द्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष देवेश साहनी, महिला संगठन सचिव मनोरमा शर्मा, सयुंक्त महिला संगठन रजनी आगवेकर, प्रभारी बबीना ब्लॉक प्रभारी अरविंद कुमार झा व सम्मानित सदस्यों में डॉ रमेश बाबू बुंदेला, प्रकाश मिश्रा, अब्दुल कलाम, एड.तहजीब बानो (नन्दिनी), एड.प्रतीक भटनागर, एड.जीनत जहाँ, डॉ रघुवीर सिंह, डॉ. सौरभ द्विवेदी, सतीश जैन, कुसुम साहू, संध्या निगम, संजीव कुमार मिश्रा व सुनील श्रीवास्तव को सम्मान पत्र आईडी कार्ड देकर सम्मानित किया गया, समारोह में सम्मानित होने वाली विभूतियों में पूजा शर्मा, अंशुल शर्मा, अंजू गुप्ता, सुबोध गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, डॉ राम शंकर भारती, परमानंद कुशवाहा, अशोक भार्गव, कमल निगम एड, सत्येद्र अग्रवाल, राजेश साहू आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में प्राची शुक्ला, रोहित कुशवाहा, देव नायक, कमलेश कुशवाहा, राजकुमार, मानशी झा, उत्कर्ष, मधुर गुप्ता व खुशी गुप्ता का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन जिला कमेटी के सचिव व पदेन जेल पर्यवेक्षक एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ पवन गुप्ता तूफान एवं आभार व्यक्त उपाध्यक्ष इंजी रविकांत दुबे ने किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का रक्षाबंधन उत्सव कार्यक्रम संपन्न

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हमीरपुर का रक्षाबंधन उत्सव कार्यक्रम चौरादेवी परिसर हमीरपुर मे संपन्न हुआ।सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित किया फिर ज्ञानेश जी के संचालन में रक्षाबंधन से संबंधित कई सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं गीत प्रस्तुत हुए कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ओमपाल जी(क्षेत्रीय कुटुंब प्रबोधन संयोजक) ने रक्षाबंधन का महत्व एवं देश के प्राचीन विषय बताएं कार्यक्रम की अध्यक्षता लल्लू राम भारती ने की कार्यक्रम में मुख्य रूप से विभाग संचालक गोपाल दास पालीवाल विभाग प्रचारक मनोज जी जिला संघ चालक शारदादीन जी जिला कार्यवाह निर्भय जी जिला सह कार्यवाह राजन जी जिला प्रचारक धनंजय जी एवं उमाशंकर जी ज्योत्सना जी वा कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर कार्यवाह विनम्र जी उपस्थित रहे। तथा अन्नपूर्णा जी राष्ट्र सेविका समिति वा नगर उपाध्यक्ष उमेश दीक्षित सहित लगभग 2000 लोग उपस्थित रहे।

जल भराव से इलाको में लगा गंदगी का अंबार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगा का जलस्तर जुलाई और अगस्त माह में चेतावनी बिंदु पार कर गया था। जिससे तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का पानी भर गया था। इधर गंगा का जलस्तर में कई दिनों से गिरावट दर्ज की जा रही है। इसके बावजूद सैकड़ों मकानों के आस-पास बाढ़ का पानी भरा हुआ है। वहीं जलभराव वाले इलाकों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है।जिससे संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका बढ़ गई है। गंगा के चेतावनी बिन्दु 112 पार कर गया था। जिस कारण गोताखोर, शाह नगर, मोहम्मद नगर, कर्बला, हुसैन नगर, सैय्यद कम्पाउंड, चंपा पुरवा, तेजी पुरवा, मनसुख खेड़ा के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया था। इधर गंगा का जलस्तर घटने के बाद क्षेत्र की गलियों में पानी तो कम हुआ लेकिन गंदगी और काई का जमावड़ा लग गया। जिसके कारण लोगों को गंदे पानी के बीच गुजर कर आवागमन करने की परेशानी उठानी पड़ रही है।इसके अलावा गंदा पानी भरा होने से मच्छरों का भी प्रकोप बढ़ गया है।

सदर विधायक एवं ब्लाक प्रमुख ने लखपति दीदी लखपति सीआरपी को किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। सुमेरपुर विकासखंड कार्यालय सभागार में आयोजित मन की बात के उपरांत लखपति दीदी एवं लखपति सीआरपी को प्रमाण पत्र देकर सदर विधायक व ब्लाक प्रमुख ने सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री की मन के कार्यक्रम के उपरांत राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आयोजित कराए गए कार्यक्रम में सदर विधायक डा. मनोज कुमार प्रजापति एवं ब्लाक प्रमुख जयनरायन सिंह यादव ने संयुक्त रूप से लखपति दीदी एवं लखपति सीआरपी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संचालित करते हुये खंड विकास अधिकारी विपिन कुमार सिंह ने कहा कि सरकार की यह योजना महिलाओं के उत्थान में मील का पत्थर साबित हुई है। इस योजना का लाभ ग्रामीण महिलाएं घर-घर उठाकर अपना जीवन खुशहाल बना रही हैं। इस अवसर पर एपीओ मनरेगा विकासचंद्र, लेखा सहायक राम सजीवन एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के अलावा ग्राम प्रधान आदि मौजूद रहे।

पतारा हत्याकांड के पीड़ितों से मिले चंद्रशेखर आजाद

कस्बे पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर। बीते बारह अगस्त को डण्डे पीटकर की गई हत्या के मामले में रविवार दोपहर आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद पीड़ित परिवार से मिले और उन्हें न्याय की लड़ाई में हर सम्भव सहयोग करने की बात कही। वहीं नगर मौदहा में युवाओं ने फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया।

बीते बारह अगस्त को कुरारा थाना क्षेत्र के ग्राम के पतारा में किसान छोटेलाल प्रजापति की पिता पुत्र ने लाठी डंडे से पीटकर हत्या कर दी थी जिसपर पुलिस ने तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जिसके बाद सदर विधायक मनोज प्रजापति सजातीय पीड़ित परिवार से मिले थे और न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया है।उसी मामले को लेकर राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई और रविवार को आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी की नगीना लोकसभा सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद भारी लावलश्कर के साथ पतारा गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार से बातचीत कर उन्हें सांत्वना दी।इतना ही नहीं आजाद ने पीड़ित परिवार की न्याय की लड़ाई में हर सम्भव सहयोग करने की बात कही।पतारा गांव के साथ चंद्रशेखर आजाद का काफिला हमीरपुर, सुमेरपुर और मौदहा होते हुए महोबा के रास्ते बांदा के लिए रवाना हो गया।

बताते चलें कि सुमेरपुर और मौदहा में भीम आर्मी चीफ का संगठन के युवाओं ने जोरदार स्वागत किया।इस दौरान कुछ क्षण के लिए सारा माहौल नीले रंग में रंग गया। इस दौरान चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि आप लोग लोकसभा में उनके द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों और आमजन के लिए उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों से संतुष्टहैं या नहीं, यदि उनके द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों से आप संतुष्ट हैं तो यह आपकी दी हुई शक्ति है और आगे आपके हक की लड़ाई के लिए हमेशा तैयार है और किसी के साथ भी अगर अन्याय होता है तो वह हमेशा आगे रहेंगे। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा और कुछ समय के लिए नेशनल हाईवे नीले रंग से रंग गया और हाईवे जाम हो गया और स्वागत समारोह के बाद चंद्रशेखर आजाद नेशनल हाईवे से महोबा के रास्ते बांदा के लिए रवाना हो गए। इस दौरान मण्डल संयोजक संदीप बाल्मीकि, युवा नेता फिरोज पठान, अतीकुर्रहमान सभासद, गुरुप्रसाद, रेहान खान, अय्यूब कुरेशी, चंद्रशेखर, राजकुमार, सुरेंद्र कुमार, देवीदीन वर्मा, हरि, पवन वर्मा, अजहर कम्हरिया सहित लगभग पांच सैकड़ा से अधिक युवा मौजूद रहे।

मुख्य चिकत्सा अधिकारी के खिलाफ भड़के आदिवासी समुदाय के लोग

आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने जिला अधिकारी को दिए ज्ञापन में आदिवासी जाति के लोगों के जीवन शैली को लेकर दिए गए सीएमओ के व्यान पर जताई कड़ी नाराजगी उठाई कार्य वाही की मांग

अमन लेखनी समाचार

ललितपुर/बीते 23अगस्त को आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष हरदयाल सिंह लोधी ने अपनी पार्टी के नेताओं सहित अनुसूचित जनजाति आदिवासियों जाति के लोगों के साथ मिलकर जिला अधिकारी को दिए ज्ञापन में ललितपुर जिला की ग्राम पंचायत भैंरा, तहसील महरौनी के आदिवासी समाज के खिलाफ सी०एम०ओ० ललितपुर द्वारा अपमान जनक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किए जाने पर सीएमओ द्वारा दिए गए व्यान आदिवासी सहरिया समाज के लोग गन्दगी में रहते है और गन्दे लोग है इन के कारण डायरिया की बीमारी हुयी है जिस कारण वह बिमारी के शिकार हुए है पर जिला आदिवासी समाज में ललितपुर में दिए जाने वाली स्वास्थ्य सेवाएं पर गंभीर सवाल उठाते हुए जहां प्रशासन को तीन बच्चों की मृत्यु डायरिया बिमारी के कारण हुई बच्चो की मौत पर परिवार के लोगों को दुख भरी घड़ी में साहस देने की वजह उनकी धरातल की जीवन शैली पर रहन सहन पर अशोभनीय व्यान से न की आदिवासी जाति के लोग मुख्य चिकित्सा अधिकारी के खिलाफ भड़के साथ की आम आदमी पार्टी के ललितपुर जिला अध्यक्ष हरदयाल सिंह लोधी एडवोकेट द्वारा पार्टी के नेताओं के साथ जिला अधिकारी को दिए ज्ञापन में जिला में संचारी रोग नियंत्रण पखवाड़ा में साफ सफाई पर जिला में खर्च किए जाने वाले सरकारी धन को भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाने का आरोप लगाया है साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की है ज्ञापन पर जिला अध्यक्ष हरदयाल सिंह लोधी आम आदमी पार्टी ललितपुर रमेश कुमार राजपूत करतार रामरतन निमांबाई भरत पुनिया रतनसिंह आम आदमी पार्टी जिला ललितपुर महिला नगर अध्यक्ष मीना राजा ललितपुर आनन्द सिंह राजपूत (एण्ड)नीतेश सिंहआदि मौजूद रहे।

अवधी संस्कृति का स्थान दुनिया में सर्वोपरि है

चूल्हा चौका से पहले मां मुझे सिखा दो तलवार : डॉ अर्चना ओजस्वी

अमन लेखनी समाचार

अमेठी अवधी साहित्य संस्थान की ओर से कलावती लालजी गर्ल्स इन्टरमीडिएट कालेज चतुर्भुजपुर के विवेकानंद सभागार में ' ' ' हिन्दी साहित्य सम्वर्द्धन में अवधी की भूमिका ' विषयक संगोष्ठी एवं कवि गोष्ठी का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती, गोस्वामी तुलसीदास एवं मलिक मोहम्मद जायसी के चित्र पर पूजा अर्चना एवं माल्यार्पण एवं वाणी वंदना मकसूद जाफरी से हुआ।अतिथियों का स्वागत करते हुए अवधी साहित्य संस्थान अमेठी के अध्यक्ष डॉ अर्जुन पाण्डेय ने कहा साहित्य समाज का दर्पण है। हिन्दी साहित्य सम्वर्द्धन में अवधी की भूमिका अहम है। अवध, अवधी एवं अवधी संस्कृति का स्थान दुनिया में सर्वोपरि है, जिसका प्रमाण श्रीरामचरितमानस दुनिया का सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ है। हमें अपनी निज भाषा पर गर्व है।मुख्य अतिथि कण्व कुमार मिश्र ने कहा कि हिन्दी साहित्य एवं अवधी के सम्वर्द्धन में प्रवासी साहित्यकारों का योगदान सराहनीय है। संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में कवियों ने अपनी रसभरी काव्य रचनाओं से श्रोताओं को आह्लादित कर दिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैदरगढ़ की धरती से पधारे वेद प्रकाश सिंह प्रकाश ने पढ़ा प्रेम के बीज ना बोय सकै, पर द्वेष के आगि लगाने लगे हैं। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे पुलिस इंस्पेक्टर डॉ कण्व कुमार मिश्रा इश्क सुल्तानपुरी ने पढ़ा - हर माथे पर निशान बाटै , रस्ता सबका भूलन बाटै । प्रतापगढ़ से पधारे आचार्य अनीश देहाती ने पढ़ा - जिस पावन धरती पर हमने जन्म लिया है , उसकी रक्षा में उसके प्रति मरना सीखें। सुल्तानपुर से पधारे हरिनाथ शुक्ला हरि ने पढ़ा -धर्म हित धर्म रण के रचैया , धर्म करना सिखाया तुम्हीं ने। संस्थान के उपाध्यक्ष राजेंद्र शुक्ला अमरेश ने पढ़ा - झूलना झूले कदम की डरिया , कि गोरिया गावैं कजरिया ना । हिंदी के उन्नयन में अवधि की भूमिका पर कैलाश शर्मा , सत्येंद्र नाथ शुक्ला , डॉ अभिमन्यु पांडे , जगन्निवास मिश्रा ने अपने विचार प्रकट किये ।मकसूद जाफरी ने पढ़ा - उस अग्नि पर चल जाऊंगी तुम राम बनो बनवास करो । ज्ञानेंद्र पांडे अवधी मधुरस ने पढ़ा - सुनिहौ जबही कविता सजरा पुरजोर दिखै ,चदरायननु ते पदमावतु चहुं मा अवधी । पप्पू सिंह कसक ने पढ़ा - देश दुर्दशा को देख खुद ही रो रहा है , भ्रष्टाचार मुखिया बना न्याय सो रहा है । चंद्र प्रकाश पांडे मंजुल सुरेश नवीन ने पढ़ा - उमर को हौसले से नहीं आंकिए, आज भी हम हिमालय पर चढ़ जाएंगे । जगदंबा मधुर ने पढ़ा - ले लो कलयुग में अवतार सुदर्शन धारी आ जाओ । समीर मिश्र ने पढ़ा - खूब फर्जी वोट डवाये अही , तव परधानी पाये अही । केसरी शुक्ला ने पढ़ा - यह बिखर प्यार के मोती चलो पलकों पर रख लें हम , न जाने जिंदगी किस मोड़ पर कब अलविदा कह दे । तेज भान सिंह ने पढ़ा - मर्यादा की रक्षा का एक ही आधार हो , मां का आंचल जो मैला कर दे उसका केवल संहार हो । राम बदन ने पढ़ा - भावनाएं नहीं आसुरी चाहिए , राधा कान्हा की छवि माधुरी चाहिए । डॉ अर्चना ओजस्वी ने पढ़ा - चूल्हा चौका से पहले मां सिखा तलवार दो , लड़ सकून खुद के लिए पापा मुझे अधिकार दो । राम कुमारी संसृति ने पढ़ा - मिसरी घोलै हमरी बगिया में झूम झूम के ।

यूरिया के उपयोग को लेकर कृषि एवं उद्योग विभाग द्वारा की गयी छापेमारी

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जगदीशपुर औद्योगिक इकाइयों में नाइट्रोजनस कम्पाउन्डस अथवा टेक्निकल ग्रेड यूरिया (टी0जी0यू0) के स्थान पर अनुदानित यूरिया के उपयोग को लेकर जिला कृषि अधिकारी डॉ राजेश कुमार तथा प्रभारी उपायुक्त उद्योग राजेश कुमार भारती द्वारा संयुक्त रूप से जगदीशपुर स्थित 5 औद्योगिक संस्थानों में छापेमारी की गई। इस दौरान टीम द्वारा शालीमार पैलेट फीड उद्योग, पोल्ट्री फीड प्लांट, पोल्ट्री फीड प्राइवेट लिमिटेड, सुगना फूड प्रोडक्ट लिमिटेड, अइकर इक्सपोर्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पोल्ट्री फीड के प्लांट एवं गोदाम का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान किसी भी औद्योगिक इकाई में यूरिया का उपयोग होते नहीं पाया गया। बताते चलें कि शासन एवं जिलाधिकारी द्वारा जनपद की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों द्वारा नाइट्रोजनस कम्पाउन्डस अथवा टेक्निकल ग्रेड यूरिया या फॉर्मेल्डिहाइड यूरिया की प्राप्ति स्त्रोत की गहनता से जांच कराए जाने तथा यदि किसी औद्योगिक इकाई द्वारा जांच में अनुदानित यूरिया का उपयोग अपने उत्पादों जैसे कि पेंट, वार्निश, प्रिंटिंग इंक, वेनीर, शीट्स, प्लाईवुड, लैमिन बोर्ड, पार्टिकल बोर्ड, कैटल फीड, पोल्टरी फीड, डिश सोप और शुगर मोलेसेस से अल्कोहल में किण्डवन आदि उपयोग में किया जाता पाया जाता है तो उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धाराओं एवं अन्य सुसंगत नियमों के अंतर्गत कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए थे, जिसके क्रम में आज संयुक्त टीम द्वारा छापेमारी की गई किंतु किसी भी इकाई पर यूरिया का उपयोग होता नहीं पाया गया।

50 ग्राम स्मैक के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व नशामुक्त अमेठी अभियानद्ध के तहत उ0नि0 रविन्द्र प्रताप सिंह थाना कमरौली मय हमराही द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मोटरसाइकिल सवार अभियुक्त अभिषेक सिंह उबिलन्द का पुरवा मजरे कोडवा थाना सुबेहा जनपद बाराबंकी को कठौरा बनभरिया नाला पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से कुल 50 ग्राम स्मैक बरामद हुआ एवं मोटरसाइकिल के कागजात मांगने पर नहीं दिखा सका । गिरफ्तारी व बरामदगी के संबन्ध में थाना कमरौली पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है

अमेठी के रहने वाले प्रेमी युगल ने ट्रेन के सामने कूद कर दी जान

सोनीपत से पुलिस भर्ती परीक्षा देने के लिए निकला था

अमन लेखनी समाचार

अमेठी /प्रतापगढ़ में रविवार सुबह चिलबिला स्टेशन के पास प्रेमी युगल ने सुबह चार बजे काशी एक्सप्रेस ट्रेन के आगे कूद कर जान दे दी। पुलिस ने दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक सोनीपत से 22 अगस्त को पुलिस भर्ती परीक्षा देने के लिए निकला था।लड़की 24 अगस्त को मंदिर दर्शन के लिए निकली थी। इसके बाद दोनों मिले। युवक गजेंद्र अमेठी के संग्रामपुर का रहने वाला है। लड़की ममता सरोज प्रतापगढ़ के सांगीपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली है। रेलवे पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मंदिर जाने की बात कहकर निकली थी

ममता शनिवार को सुबह घर से निकली थी। लेकिन वह घर नहीं पहुंची थी। गजेंद्र सरोज अमेठी जिले के संग्रामपुर का रहने वाला है। वह सोनीपत में इलेक्ट्रिशियन का नौकरी करता है। सोनीपत से 22 तारीख को पुलिस भर्ती परीक्षा देने के लिए निकला था, लेकिन घर नहीं पहुंचा। इसके बाद से परिजन उसकी तलाश कर रहे थे।

चार भाइयों में तीसरे नंबर का था लड़का

गजेंद्र चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। बताया जा रहा है दोनों रिश्तेदार थे। जीआरपी पुलिस शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने दोनों के परिजनों को जानकारी दी। लड़के के परिजन अमेठी से रवाना हो गए है

मामले की जांच की जा रही है

सीओ सिटी शिव नारायण वैश्य ने बताया कि सूचना 112 की टीम से मिली थी। लड़का और लड़की ने ट्रेन से कटकर जान दी है। तत्काल नगर कोतवाली पुलिस और जीआरपी मौके पर पहुंची। शुरूआती जांच में पता चला कि लड़का अमेठी और लड़की प्रतापगढ़ की रहने वाली है। पुलिस पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

पीएम की मन की बात का हुआ लाइव प्रसारण

दूरदर्शन के माध्यम से बूथ के जुड़े कार्यकर्ता

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का सुमेरपुर कस्बे के टाउन हॉल में लाइव प्रसारण सुना गया। यहां से दूरदर्शन के माध्यम से कार्यकताओं को जोड़ा गया।

अगस्त माह के आखिरी रविवार को प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम बूथ संख्या 156 का टाउन हॉल में आयोजन हुआ। जिसका लाइव प्रसारण किया गया। इस मौके पर एक जिला एक उत्पाद जूती उद्योग व मौदहा कस्बे की चांदी की मछली का प्रदर्शन किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में रिफॉर्म्स से देश के युवाओं को फायदा हुआ है। युवा राजनीति में आने के लिए उत्सुक हैं। सही अवसर और मार्गदर्शन की तलाश में हैं। हर घर तिरंगा अभियान पर घर घर तिरंगा लगाया गया। इस अभियान से प्रेरणा मिली है। देश विदेश में संस्कृत के प्रति रुचि बढ़ रही है। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष विधान परिषद सदस्य विजय बहादुर पाठक, जिलाध्यक्ष सुनील पाठक, सदर विधायक डा. मनोज प्रजापति, चेयरमैन धीरेंद्र शिवहरे, रोहित शिवहरे, स्पर्श, अरिमर्दन सिंह, मुनीर खान, पुष्पराज सोनी, आदित्य अवस्थी, गीता ओमर, मीना यादव, उषा सिंह, भार्गव मिश्रा, अरविंद श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

अब कोई ऐसा क्षेत्र या काम नहीं रह गया है, जहां एआई का यूज कमाल ना दिखा रहा हो। यहां तक कि खेती-किसानी जैसे पारंपरिक काम को करने के लिए भी एआई एक्टिव हो चुका है। बहुत जल्द इसमें रोबोट-फार्मर एंट्री लेने वाले हैं।

खेती-किसानी करने को रेडी हाईटेक रोबोट-फार्मर

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) या कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन दिनों मानो चमत्कार का पर्याय बन चुकी है। जिस भी क्षेत्र के साथ एआई तकनीक का नाम जुड़ जाता है, वह सबसे उन्नत क्षेत्र मान लिया जाता है। जब कहा जाता है, एआई की मदद से किसी मरीज की सर्जरी रोबोट करेगा, तो यह सुनकर डर नहीं लगता और ना ही एक पल को भी दिमाग में यह बात आती है कि रोबोट कुछ गड़बड़ ना कर दे। उल्टे दिल-दिमाग आश्वस्त हो जाता है कि इंसान के मुकाबले रोबोट की कुशलता कई गुना ज्यादा होगी। लब्बोलुआब यह कि एआई का नाम लेते ही दिल-दिमाग में अपने आप यह एहसास भर जाता है कि यह सबसे उन्नत और कुशल तकनीक है।

एग्रीकल्चर में एआई की एंट्री

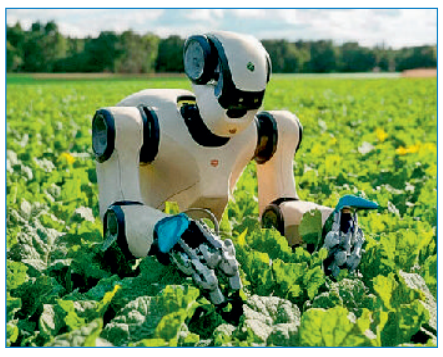

पिछले साल के अंतिम महीनों से लेकर इस साल के शुरुआत में महाराष्ट्र के बारामती जिले में स्थित एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट ट्रस्ट (एडीटी) से संबद्ध करीब 75,000 एकड़ जमीन में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, माइक्रोसॉफ्ट और एडीटी ने मिलकर कृषि क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल का जो प्रयोग करके देखा, उसके नतीजे अद्भुत रहे हैं। यहां विभिन्न फसलों की पहली बार बुआई, उनकी देखभाल और कटाई या उत्पादन तक की सारी गतिविधियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए पूरी की गईं और पाया गया कि एआई के जरिए फसलों का ना सिर्फ बहुत अच्छी तरह से बोना, उनकी देखभाल करना, उनकी कटाई करना आदि सब कुछ संभव है बल्कि उनकी उन्नत क्वालिटी को मैनेज करना भी इस तकनीक के जरिए बहुत आसान है।

एआई प्रोजेक्ट की खासियतें

बारामती में किए गए एग्रीकल्चर प्रोजेक्ट में विभिन्न कृषि फसलों का उत्पादन एआई तकनीक के जरिए किया गया। इस तकनीक में विभिन्न प्रकार के सेंसर लगे होते हैं, जो फसलों के बारे में हर पल की जानकारी किसानों को देते हैं। कब फसल को पानी चाहिए, कब और कितनी खाद चाहिए, पौधों को कब और कितना तापमान चाहिए। हर चीज की बारीक से बारीक जानकारी किसान को एआई तकनीक सैटेलाइट और कंप्यूटर के जरिए देती है। इससे यह जानने में मदद मिलती है कि मिट्टी में नाइट्रोजन, फास्फोरस जैसे पोषक तत्वों के अलावा तापमान, हवा की गति, हवा में मौजूद नमी कितनी है और पौधों के स्वस्थ विकास के लिए कितनी चाहिए? साथ ही यह भी पता चल जाता है कि यह सब कैसे मैनेज किया जा सकता है। यह तकनीक किसान को या कहें इस पर नजर रखने वाले रिसर्च प्रोफेशनल्स को ये सब जानकारियां देती है। एआई की सेंसर तकनीक से यह पता चलते ही पौधे को वो सारी चीजें मुहैय्या करा दी जाती हैं, जिससे कोई भी पौधा दिन-दूनी रात चौगुनी रफ्तार से वृद्धि करता है।

ऐसे काम करती है एआई फार्मिंग

बारामती में जिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सिस्टम से यहां नियंत्रित खेती की गई, वहां कंप्यूटर हर आधे घंटे में जमीन और जमीन के बाहर के साथ ही हवा में होने वाले सभी बदलावों की जानकारी सेंसर के जरिए सैटेलाइट को भेजी और सैटेलाइट ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सॉफ्टवेयर से लैस कंप्यूटर को ये सारी जानकारियां भेजी। इस सूचना की मदद से मिट्टी में कितना पानी देना है, कितना उर्वरक देना है, किस प्रकार का उर्वरक देना है जैसी जानकारियां किसानों ने हासिल कीं फिर उसी के अनुसार सब कुछ किया और नतीजे में खेती ऐसी हुई, जैसे पहले कभी नहीं हुई थी। लेकिन अभी तो यह खेती एक प्रायोगिक प्रोजेक्ट के तौर पर हुई है और इसमें सिर्फ एआई नहीं शामिल रही बल्कि एआई तकनीक, इसके जानकार और व्यावहारिक रूप से किसान भी शामिल रहे, क्योंकि एआई तकनीक विभिन्न तरह की जरूरतों का पता लगाती है और फिर ये सारा डाटा उस कंप्यूटर को भेजती है, जो इससे जुड़ा होता है। इसे पढ़कर और समझकर एक्सपर्ट प्रोफेशनल, किसानों से उसी के मुताबिक खेती कराता है, निर्देशित करता है।

एंट्री लेने वाले हैं रोबोट-फार्मर्स

सामान्य तौर पर मौसम का पूर्वानुमान, जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण के कारण किसानों को बीज बोने का सबसे अच्छा समय निर्धारित करना चुनौतीपूर्ण लगता रहा है। लेकिन एआई का उपयोग करके किसान मौसम पूर्वानुमान का उपयोग करके मौसम की स्थिति का विश्लेषण कर सकते हैं, जिससे उन्हें यह योजना बनाने में मदद मिलती है कि किस प्रकार की फसल उगाई जा सकती है और कब बीज बोए जाने चाहिए? कुल मिलाकर जल्द ही इस क्षेत्र में एआई रोबोटिक्स का प्रवेश होगा और वह अपने हाथ में खेती-किसानी की सारी व्यवस्था संभाल लेगा। यानी जल्द ही इस तकनीक में ऑब्जर्वर या कंट्रोलर की भी जरूरत नहीं रहेगी। एआई तकनीक रोबोट के रूप में स्वयं खेती करती नजर आएगी। कह सकते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जिस तरह का चमत्कारिक भविष्य दूसरे क्षेत्रों में संभव बना रहा है, करीब-करीब वैसी ही संभावना कृषि के क्षेत्र में भी दिखाई दे रही है। *

कई तरह से यूजफुल है एआई

एग्रीकल्चर में एआई का उपयोग करने वाले एप्लिकेशन और समाधान किसानों को जल प्रबंधन, फसल चक्र, समय पर कटाई, खेती की जाने वाली फसल के प्रकार, कीट हमलों से संबंधित सभी जानकारियां और सही सलाह भी देते हैं। एआई बेस्ड सिस्टम, मौसम की भविष्यवाणी करते हैं। कृषि स्थिरता की निगरानी करते हैं। उपग्रहों और ड्रोन द्वारा ली गई तस्वीरों के साथ तापमान, वर्षा, हवा की गति और सूर्य विकिरण जैसे डेटा का उपयोग करके बीमारियों या कीटों और कुपोषित पौधों की उपस्थिति के लिए खेतों का आकलन करते हैं। एसएमएस-फैसिलिटी वाले फोन और सोइंग एप जैसे बुनियादी उपकरणों के साथ, कनेक्टिविटी के बिना, किसान एआई से तुरंत लाभ उठा सकते हैं। इस बीच, वाई-फाई कनेक्टिविटी वाले किसान अपने खेतों के लिए लगातार एआई-अनुरूप योजना प्राप्त करने के लिए एआई एप्स का उपयोग कर सकते हैं।

टेक्नोलॉजी की स्मार्ट स्ट्रेटेजी कर रही हमारा माइंड कंट्रोल

इस बात में कोई संदेह नहीं कि इंटरनेट टेक्नोलॉजी ने हम सभी के जीवन को बेशुमार सुविधाएं दी हैं। लेकिन यह भी सच है कि इसका उपयोग अब हमारे माइंड को कंट्रोल करने के लिए भी किया जाने लगा है। हम कभी अंजाने में तो कभी मजबूरी में वो सब देखने, चुनने या करने के लिए बाध्य हो जाते हैं, जो टेक्नोलॉजी हमसे करवाना चाहती है। जानिए, माइंड कंट्रोलर बनते टेक्नोलॉजी की स्मार्ट स्ट्रेटेजी के बारे में।

{ टेक्नोलाइफ / अपराजिता }

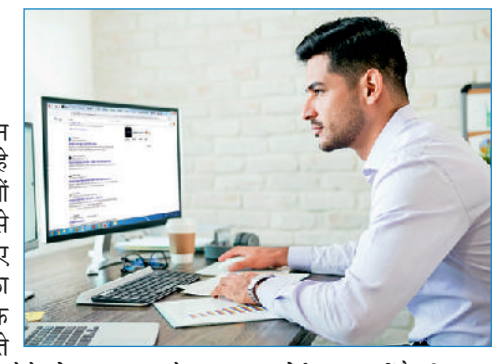

कई सालों तक गूगल में डिजाइन एथिसिस्ट की पोस्ट पर रहे ट्रिस्टन हैरिस कहते हैं, 'लोगों को मूर्ख बनाना, उन्हें यह विश्वास दिलाने से कहीं अधिक आसान है कि वे मूर्ख बन गए हैं।' हालांकि मूल रूप से यह कथन उनका नहीं है, उनके मुताबिक उन्हें भी नहीं पता कि यह वास्तव में किसका है, लेकिन वो कहते हैं कि आज टेक्नोलॉजी पर नियंत्रण रखने वाले टेक्नो गुरु कुछ ऐसा ही कर रहे हैं। भले टेक्नोलॉजी के जरिए आपकी जिंदगी को सहूलियत से भरपूर बनाने की कितनी ही बातें हों, लेकिन अंततः इसका एक ही मकसद है, आपको अपने इशारों का गुलाम बनाना।

लिमिटेड ऑप्शंस का प्रेशर : 21वीं सदी के पहले दशक में तेजी से उभरी इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने खासतौर पर इंसानी दिमाग पर सबसे मजबूत कब्जा किया है। ट्रिस्टन के मुताबिक वास्तव में टेक्नोलॉजी इंसानी कमजोरियों को हाईजैक करती है और इसके निशाने पर अरबों लोग होते हैं, क्योंकि टेक्नोलॉजी सिर्फ और सिर्फ यही चाहती है कि लोग उसके इशारे पर नाचें। कोई भी इंफॉर्मेटिव तकनीक सबसे पहले आपको स्वतंत्र रूप से सोचने से रोकती है। ट्रिस्टन के अनुसार, जब आप किसी रेस्टोरेंट में जाते हैं तो जो आपको मेन्यू पेश किया जाता है, वो मेन्यू आपको यह नहीं बताता कि इसमें कौन से व्यंजन नहीं हैं, ना ही रेस्टोरेंट यह पूछता है कि आप क्या खाएंगे? रेस्तरां आपको अपने व्यंजनों की लिस्ट पकड़ाता है और चुनने के लिए बाध्य करता है। पश्चिमी संस्कृति वैयक्तिक स्वतंत्रता की खूब वकालत करती है, लेकिन गहराई से देखें तो उन्नत तकनीक के जरिए वह आपकी स्वतंत्रता ही छीनती है। मसलन, मेन्यू आपको अपना ऑप्शन चुनने की छूट नहीं देता। मौजूद ऑप्शंस में से चुनने का दबाव आप पर ही डालता है। ऑप्शंस की सूची देते समय तकनीकी कभी आपको नहीं पूछती कि आपको क्या चाहिए? वह इस तरह की परिस्थिति ही नहीं बनने देती। आपने नेट में शॉपिंग करते हुए महसूस किया होगा कि सर्च आप कुछ भी कर लीजिए, इंटरनेट वही प्रस्तुत करेगा, जिसे उसे बेचना होता है। यह महज की-वर्ड का नहीं टेक्नोलॉजी के वर्चस्व का खेल है।

ऑप्शंस में उलझ जाते हैं हम : जब भी आप इंटरनेट में अपनी पसंद की कोई चीज ढूंढ़ते हैं तो एक दो नहीं सैकड़ों उत्पाद आपके इर्द-गिर्द इस तरह से मंडराते हैं, जैसे आपने उन्हें ही खोजा हो। आप इंटरनेट पर किसी विज्ञान से संबंधित सवाल का जवाब जानना चाहते हैं, लेकिन वह इसे बताने से पहले आपको यह बताएगा कि आपके आस-पास कौन से बेहतर रेस्टोरेंट हैं? कहां कॉकटेल पार्टी की जा सकती है और यह भी कि महज कुछ रुपए में आकर्षक डेकोरेटिव आइटम पाएं। हो सकता है, कई बार आप जिस सवाल का जवाब ढूंढ़ रहे हों, दर्जनों वेबसाइटें आपको अपने साथ उस सवाल का जवाब देने के लिए खींचें, लेकिन आप हैरान होंगे कि उनके पास आपके सवाल का कोई जवाब नहीं है बल्कि वह उस की-वर्ड की गफलत पैदा करके आपको एक के बाद दूसरी, दूसरी के बाद तीसरी क्लिक के जरिए अपने गंतव्य तक ले जाएगा। वहां पहुंचकर आप अगर उनके प्रोडक्ट से प्रभावित नहीं होते या उनकी तरफ आकर्षित नहीं होते तो मन मसोसकर रह जाते हैं कि कैसे आप क्लिक दर क्लिक पीछा करके बेवकूफ बने।

क्या होती है टेक्नोलॉजी की स्ट्रेटेजी : सूचना प्रौद्योगिकी का मकसद यह नहीं है कि आप क्या चाहते हैं, उसका पूरा का पूरा फोकस इस बात पर है कि आपके दिमाग पर कब्जा करके या उसे मैस्मराइज करके किस तरह से वह अपना स्वार्थ सिद्ध कर ले। आप किसी फूल के बारे में जानना चाहते हैं, लेकिन इंटरनेट तुरंत आपको फूलों की घाटियां ले जाएगा ताकि आप पर्यटन का प्रोग्राम बना लें, डेटिंग के लिए वह जगह चुन लें। इंटरनेट हमें चुनने की सुविधा नहीं देता बल्कि हम पर विकल्प थोपता है। अंततः हम इस कदर गड्डमड्ड हो जाते हैं कि हारकर समर्पण कर देते हैं।

भ्रमित कर देता है ऑटो ऑप्शन : आप कुछ टाइप करना चाहते हैं, पहला अक्षर भर टाइप करते हैं कि अनगिनत विकल्प आपके सामने आ खड़े होते हैं कि मेहनत मत करिए सिर्फ सेलेक्ट कर लीजिए कि क्या चाहिए? यह सुविधा नहीं है, तकनीक द्वारा आपको अपने इशारों पर नचाना है। आपको अपने दोस्त को ई-मेल लिखना है, लेकिन आप पहला शब्द लिखते हैं कि इंटरनेट आपको इस मेहनत से मुक्त रहने की गुजारिश करने लगता है, वह आपको बनी-बनाई मेल प्रस्तुत कर देता है। यकीन मानिए, अगर आपका ई-मेल क्लाइंट आपको जवाब देने के लिए सशक्त विकल्प दे, बजाय इसके कि आप क्या संदेश टाइप करना चाहते हैं, तो आप देर तक उलझे रहेंगे और हो सकता है ना टाइप कर पाएं। लेकिन अगर टाइप करेंगे तो वह महज शब्द नहीं आपकी अभिव्यक्ति होगी। लेकिन तकनीक इतना धैर्य नहीं रखना चाहती। वह आपको इतने ऑटो ऑप्शन देती है कि आप कुछ लिखने की बजाय तकनीक के ऑटो ऑप्शन को ही पिंग बॉल की तरह इधर से उधर खेलते रहें। दरअसल, हमारे दिलो-दिमाग में यह बात भर दी गई है कि हम कुछ करने की कोशिश करें और डिवाइस ऑटोमेटिक तरीके से खुद ही कर दे तो यह सुविधा नहीं गुलामी है।

आज तकनीक ने हमारे दिमाग को ऐसे कंट्रोल कर लिया है कि हमारी जगह वो खुद ही फैसला कर लेता है कि हमें क्या देखना, पढ़ना या चुनना चाहिए। *

{ गजल / गोविंद भारद्वाज }

रोज आंखों में नमी अच्छी नहीं,
इन लबों पर तिश्नगी अच्छी नहीं।
दौरे-उल्फत है बड़ा बदनाम ये,
इश्क में आवारगी अच्छी नहीं।
वक्त के भी साथ चलना चाहिए,
आज इतनी सादगी अच्छी नहीं।
जिंदगी के मायने अब जानिए,
उम्र भर की बेखुदी अच्छी नहीं।
दूसरों के चंद टुकड़ों पर पले,
दोस्तों वो जिंदगी अच्छी नहीं।
जो अंधेरे को मिटा दे वो मिले,
बेसबब की रोशनी अच्छी नहीं।
आप आए और आकर चल दिए,
ये अदा तो आपकी अच्छी नहीं।

{ लघुकथाएं }

मजबूरी

संदेश मोटरसाइकिल से किसी तरह कैलाश अपार्टमेंट पहुंचा। रात के बारह बज गए थे। एक तो इतनी रात, ऊपर से तेज बारिश। इन दिनों हालात उसकी गरीबी-बेकारी की परीक्षा ले रहे थे। बहुत मजबूरी में वह एक फूड डिलीवरी कंपनी में काम कर रहा था। संदेश किसी तरह ग्रेजुएशन कर पाया था। दरअसल, उसके मैट्रिक करने के दौरान ही घर की माली हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई थी। उस पर अपने बूढ़े होते मां-बाप की जिम्मेदारी थी, ऊपर से बहन की शादी में लिए गए कर्ज को भी उसे चुकाना था।

फूड कंपनी में काम करते हुए वह कम से कम बेरोजगारी से तो कुछ बेहतर स्थिति में आ गया था। लेकिन यह नौकरी भी भला कोई नौकरी थी। वह साढ़े तीन सौ की दिहाड़ी रोज पाता था। चाहे गर्मियों की चिलचिलाती धूप हो, सर्दियों की ठंड या बारिश के दिन हों, उसे हर हाल में डिलीवरी करनी होती है। संदेश अकसर एक दर्द के साथ सोचता था, आदमी के अंदर इतनी भी मानवता नहीं कि वह दरवाजा खोलने के बाद मुस्कराकर स्वागत करे, एक ग्लास पानी पूछ ले। पैकेट लेते हैं, बस इतना पूछते हैं, 'कितना हुआ?' पैसे देकर धड़ाम से घर का दरवाजा बंद कर देते हैं। किसी तरह संदेश सीढ़ियां चढ़कर फ्लैट नंबर बी-56 पहुंचा। कस्टमर मनीष के बिना पूछे ही उसने सफाई दी, 'सर, ट्रैफिक बहुत ज्यादा था, रास्ते में जाम था, इसलिए पिज्जा का ऑर्डर लाने में थोड़ी देरी हो गई। हम तो कस्टमर को समय पर ही डिलीवरी करते हैं।' मनीष उसकी बात सुने बिना ही बोला, 'यह पिज्जा तुम वापस ले जाओ। तुम्हें ऑर्डर करने के बाद मेरे दोस्त मार्केट से चीज, पनीर और ढेर सारा पिज्जा लेकर आ गए थे। मुझे इसका पता तब चला, जब वे सारा सामान लेकर

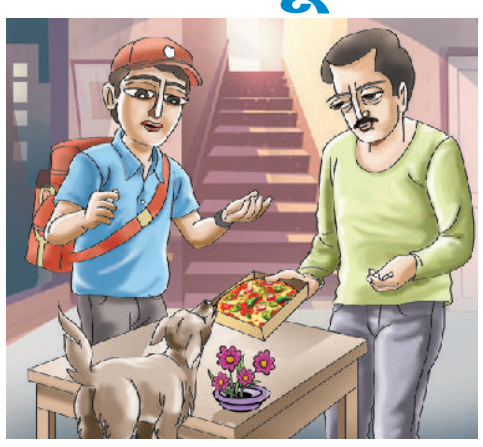

मेरे घर आ गए। तब तक मैं तुम्हें ऑर्डर कर चुका था। हमने अपने दोस्तों के साथ आज जमकर पार्टी की। असल में आज मेरे एक दोस्त दिनेश का जन्मदिन है। हमारे दोस्त बर्थ-डे केक लेकर यहां मेरे फ्लैट पर ही आ गए। यहां अपने यहां सारा इंतजाम करने में मेरा सारा समय निकल गया। मैं पिज्जा का ऑर्डर कैंसल करना भूल गया। अभी मैं ऑर्डर कैंसिल कर देता हूं। नाहक ही तुम्हें इतनी बारिश में परेशानी उठानी पड़ी।' लेकिन तभी मनीष को अपने कुत्ते होलो का ख्याल आया। वह बोला, 'पार्टी के कारण मैं इतना बिजी रहा कि मेरा होलो भूखा ही रह गया। उसकी ओर मेरा ध्यान ही नहीं गया।' वह अपने पालतू कुत्ते को आवाज लगाने लगा, 'होलो-होलो... कहां हो तुम?' तभी होलो धीरे-धीरे पूंछ हिलाते सामने आकर खड़ा हो गया। मनीष उसके बदन पर हाथ फेरते हुए बोला, 'अरे, मेरा बच्चा, कहां बैठा था, मुझसे गुस्सा है क्या?' बदले में होलो कुकियाया। मनीष ने मेज पर रखे पिज्जा का पैकेट उठाया और उसे खोला। देरी से आने के कारण पिज्जा कुछ ठंडा हो गया था। मनीष ने उसे होलो की तरफ बढ़ा दिया। कुछ देर होलो पिज्जा के पास ही खड़ा रहा फिर बॉलकनी की ओर चला गया। मनीष के मुंह से निकला, 'नॉटी कहीं का...!' फिर हंसते हुए संदेश से बोला, 'भाई, मेरी तरह मेरा कुत्ता भी ठंडा खाना नहीं खाता। उसे भी गर्म खाना खाने की आदत है। मेरा ऑवेन अभी खराब है, नहीं तो पिज्जा गरम कर लेता। मैं ऑर्डर कैंसल कर रहा हूं, नहीं तो कंपनी तुम्हारी सैलरी से पैसे काट लेगी। मेरे लिए अब यह ठंडा हो चुका पिज्जा बेकार है। जाते हुए इसको बाहर डस्टबिन में डाल देना।'

संदेश ने पिज्जा का पैकेट वापस अपने बैग में भरा और सीढ़ियों से नीचे उतर आया। दिन भर की भाग-दौड़ से वह थक कर चूर हो गया था। उसे जोरों से भूख लग रही थी। वहीं जमीन पर बैठकर सोचने लगा कि अब क्या किया जाए? घर पहुंचने में भी अभी एक घंटे का वक्त लगेगा। तभी मोबाइल पर उसे ऑर्डर कैंसिल होने का मैसेज दिखा। संदेश ने चैन की सांस ली। मन-ही-मन उसने मनीष को शुक्रिया अदा किया। घर की ओर चलने से पहले उसका ध्यान पिज्जा के पैकेट पर गया। सोचा इसे डस्टबिन में क्यों डालूं? मारे भूख के उसके पेट में चूहे दौड़ रहे थे। पैकेट से ठंडा पिज्जा निकालकर वह धीरे-धीरे खाने लगा। *

-महेश कुमार केशरी

अपनी-अपनी तैयारी

रेडियो और न्यूज चैनल्स पर मौसम विभाग के हवाले से लगातार दो दिन तेज बारिश होने का समाचार आ रहा था। वर्मा जी मार्केट से बेसन, प्याज, भुजिया-नमकीन खरीद लाए। अपनी श्रीमतीजी के हाथों में थैला थमाकर बोले, 'ये सारा सामान किचेन में रख दो। अगले दो दिनों तक झमाझम बारिश होने वाली है। तुम तो जानती ही हो कि बारिश में गरमा-गरम चाय-पकौड़े का मजा कुछ अलग ही होता है। हम बारिश का पूरा मजा लेंगे।' 'जी ठीक है..!' बोलकर पत्नी किचेन में पकौड़े तलने के लिए मिर्च, अदरक, अजवाइन, मंगरैल आदि एक जगह रखने लगीं। उधर वर्मा जी के घर से कुछ दूर खपरैल के घर में रहने वाला दीनदयाल, बाजार से तिरपाल और प्लास्टिक खरीद लाया। खपरैल की छत पर तिरपाल, प्लास्टिक लगाते हुए वह चिंता से अपनी पत्नी से बोला, 'पता है, अगले दो दिनों तक मूसलाधार बारिश होगी। इसलिए छत और दीवार से रिसने वाले पानी के लिए खाली डिब्बा, कनस्तर और बाल्टी जमा करके एक जगह रख लो।' 'जी ठीक है।' बोलकर पत्नी खाली डिब्बा, कनस्तर और बाल्टी जुटाने में लग गई। *

-विनोद कुमार विक्की

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

अस्तित्व की तलाश में

हाल में प्रकाशित हुए अपने चौथे कविता संग्रह 'अस्तित्व का यज्ञ' के जरिए सुपरिचित कवयित्री आरती आस्था, हिंदी कविता संसार के समक्ष पुनः उपस्थित हैं। इस संग्रह की कविताओं के निहितार्थ और सरोकार इतने गहन और विस्तृत हैं कि इन्हें किसी एक दायरे में नहीं बांधा जा सकता है। यहां कई कविताओं में पुरुषवादी निर्मम मानसिकता और संवेदनहीन व्यवहार से आहत स्त्री की सिसकियों को महसूस किया जा सकता है तो कुछ कविताओं में पुरुषत्व के अहंकार से उपजी संकीर्ण सोच के विरुद्ध, चेतनासंपन्न स्त्री के प्रतिरोध का स्वर भी साफ सुना जा सकता है। घर-परिवार से लेकर समाज में अपने अस्तित्व की तलाश में भटकती स्त्रियों की दारुण व्यथा को ये कविताएं पूरी मार्मिकता के साथ अभिव्यक्त करती हैं। 'चाहत', 'अघटन ' और 'स्त्रियां कभी माफ नहीं करतीं', इस संग्रह की ऐसी उद्वेलित करने वाली कविताएं हैं, जो आधी आबादी के मन-

जीवन की अंतर्तहों में धंसी सच्चाइयों को उजागर करती हैं।

हालांकि इस संग्रह में प्रेम के आत्मिक लगाव की आकांक्षा को व्यक्त करती ('वरदान', 'इमरोज', 'वास्ता', 'मन गंध'), रिश्तों के दुनियावी स्वरूप से अलग उनकी बारीक रेशों की पड़ताल करती ('मां' श्रंखला की कविताएं) और समाज को विचलित करने वाली घटनाओं के प्रतिक्रिया स्वरूप उपजी ('सच बताओ', 'सौ से ज्यादा कारण') कविताएं भी मौजूद हैं, लेकिन इस संग्रह की कविताओं का मूल स्वर, स्त्री अस्मिता को समाज में अपेक्षित स्थान पर प्रतिष्ठित करने से ही संबद्ध है। यही विशेषता इन कविताओं को विशिष्ट बनाती है और बदले संदर्भों में स्त्री विमर्श को नए ढंग से परिभाषित करने के लिए भी बाध्य करती है। *

पुस्तक- अस्तित्व का यज्ञ, कवयित्री- आरती आस्था
मूल्य- 199 रुपए, प्रकाशक- सर्वभाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली